नई दिल्ली ■ मंगलवार 02 दिसंबर 2025 ■ मूल्य 5.00 ■ वर्ष 13 ■ अंक 244 ■ पृष्ठ 08

J B T
www.thejbt.com

जनभावना टाइम्स

निष्पक्ष और निर्भीक खबर

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली, गौतमबुद्ध नगर, देहरादून, लखनऊ, अलीगढ़, मथुरा, हिसार, कैथल एवं करनाल से प्रकाशित

04 प्रदूषण की कैद में कैद होती पृथ्वी | 07 विराट की भविष्य को लेकर सवाल ही नहीं उठताः कोटक | भावनाओं तक पहुंच पाना कलाकारों के अस्तित्व के लिए... 08

हार की हताशा सदन में ना निकालें: मोदी

विपक्ष संसद में अपनी हताशा निकाल रहा है, यह ड्रामा करने की जगह नहीं : प्रधानमंत्री

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को विपक्ष पर कड़ा हमला बोलते हुए कहा कि संसद 'ड्रामा' करने की जगह नहीं है, यह काम करने की जगह है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि विपक्ष संसद को चुनावी हार के बाद 'हताशा निकालने का मंच' बना रहा है।

संसद के शीतकालीन सत्र की शुरुआत से पहले संसद परिसर में संवाददाताओं को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि सत्र को राजनीतिक ड्रामे का रंगमंच नहीं बनाना चाहिए, बल्कि यह रचनात्मक और परिणामोन्मुखी बहस का मंच होना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि यदि विपक्ष चाहे तो वह उसे राजनीति में सकारात्मकता लाने के कुछ सुझाव देने को तैयार हैं। मोदी ने संसद की कार्यवाही बाधित करने के लिए विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि हमें ज़िम्मेदारी की भावना से काम करने की ज़रूरत है। संसद ड्रामा करने की जगह नहीं है, यह काम करने की जगह है। बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का विरोध कर रहे विपक्षी सदस्यों के हंगामे के कारण संसद के मानसून सत्र में दोनों सदनों की कार्यवाही बार बार बाधित हुई थी। विपक्ष ने इस बार भी कहा है कि संसद में एसआईआर के मुद्दे पर चर्चा उसकी प्राथमिकता है और वह अपनी मांग शीतकालीन सत्र में पुरजोर तरीके से उठाएगा। मोदी ने कहा कि कुछ समय से संसद का इस्तेमाल या तो चुनावों के लिए कथित तैयारी के लिए या चुनाव में हार के बाद अपनी हताशा निकालने के लिए किया जा रहा है। बिहार चुनावों में विपक्ष की करारी हार का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि विपक्ष चुनावी नतीजों से विचलित है और हार को पचा नहीं पा रहा। प्रधानमंत्री ने कहा कि हार अवरोध पैदा करने का आधार नहीं बननी चाहिए, और जीत भी अहंकार में नहीं बदलनी चाहिए। उन्होंने कहा कि बिहार में रिकॉर्ड मतदान लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत है और विपक्ष को भी अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए चुनावी हार के बाद के अवसाद से बाहर आना चाहिए। प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले 10 वर्षों से विपक्ष जो 'खेल' खेल रहा है, वह अब जनता को स्वीकार नहीं है। उन्होंने कहा कि उन्हें अपनी रणनीति बदलनी चाहिए – मैं उन्हें कुछ सुझाव देने को तैयार हूं। उन्होंने सभी दलों से, संसद के उद्देश्य को समझने और 'हार की हताशा से बाहर आने' की अपील की। प्रधानमंत्री ने कहा कि कुछ विपक्षी दलों के नेताओं के हालिया बयानों से लगता है कि वे चुनावी परिणामों को स्वीकार नहीं कर पा रहे हैं। उन्होंने कहा कि एक-दो दल हैं जो अपनी हार को स्वीकार नहीं कर पा रहे। कल मैंने जो उनके बयान सुने, उनसे ऐसा लगता है कि हार ने उन्हें बेहद परेशान किया है। प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि युवा सांसदों की नई पीढ़ी को मौके दिए जाने चाहिए। मोदी ने कहा कि सदन को उनके अनुभवों से फायदा होना चाहिए और इस सदन के ज़रिए देश को भी उनके नए नज़रिए से फायदा होना चाहिए। प्रधानमंत्री ने उप राष्ट्रपति सी पी राधाकृष्णन को भी राज्यसभा के सभापति के तौर पर पहले सत्र की अध्यक्षता करने के लिए बधाई और शुभकामनाएं दीं। पूर्व उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने संसद के मानसून सत्र की शुरुआत में 21 जुलाई, 2025 को स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं का हवाला देते हुए अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद उप राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव हुआ और राधाकृष्णन इस पद पर निर्वाचित हुए। उप राष्ट्रपति राज्यसभा के सभापति भी होते हैं। उच्च सदन के सभापति के तौर पर शीतकालीन सत्र राधाकृष्णन का यह पहला सत्र है। संसद का शीतकालीन सत्र आज से शुरू हुआ और इसमें 15 बैठकें निर्धारित हैं।

रेणुका चौधरी कुत्ते के साथ संसद पहुंची, विवाद खड़ा हुआ

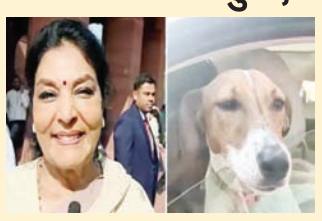

कांग्रेस सांसद रेणुका चौधरी सोमवार को अपनी कार में एक आवारा कुत्ते को लेकर संसद पहुंच गईं जिससे विवाद खड़ा हो गया और सत्तापक्ष के सांसदों ने उन पर नाटक करने का आरोप लगाया। विवाद के बीच रेणुका ने कहा कि 'जो लोग अंदर बैठे हैं वो काटते हैं, कुत्ते नहीं काटते।' उनका कहना था कि वह आवारा जानवर को उठाकर पशु चिकित्सक के पास ले जा रही थीं। उन्होंने यह भी दावा किया कि सरकार को जानवर पसंद नहीं हैं और उन्होंने सत्तारूढ़ पार्टी के सांसदों द्वारा की गई आपत्तियों पर सवाल उठाते हुए कहा कि आवारा कुत्ते को बचाने के खिलाफ कोई कानून नहीं है। उन्होंने अपनी कार में कुत्ता होने के बारे में पूछे जाने पर संवाददाताओं से कहा कि इस सरकार को जानवर पसंद नहीं हैं। जानवरों की आवाज नहीं होती। वह (कुत्ता) कार में था, तो उन्हें क्या समस्या है? यह बहुत छोटा है, क्या ऐसा लगता है कि यह काट लेगा? संसद के अंदर बैठे लोग काटते हैं, कुत्ते नहीं।" राज्यसभा सदस्य रेणुका ने सवाल किया, "कौन सा कानून कहता है कि मैं कुत्ते को नहीं बचा सकती?" खुद को कुत्ता प्रेमी बताने वाली पूर्व केंद्रीय मंत्री के घर में भी कुछ पालतू जानवर हैं।

प्रधानमंत्री ने फिर से 'ड्रामेबाजी' की हैः खरगे

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर पलटवार करते हुए कहा कि शीतकालीन सत्र के पहले दिन प्रधानमंत्री ने संसद के समक्ष मुख्य मुद्दों की बात करने के बजाय फ़िर से 'ड्रामेबाजी' की है। उन्होंने यह भी कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को अब ध्यान भटकाने का नाटक ख़त्म कर जनता के असली मुद्दों पर संसद में चर्चा करनी चाहिए। प्रधानमंत्री मोदी ने सोमवार को विपक्ष पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि वह संसद को चुनावी हार के बाद 'हताशा निकालने का मंच' बना रहा है। संसद के शीतकालीन सत्र की शुरुआत से पहले संसद परिसर में संवाददाताओं को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि यह सत्र राजनीतिक रंगमंच न बने, बल्कि रचनात्मक और परिणामोन्मुखी बहस का माध्यम बने। प्रधानमंत्री पर पलटवार करते हुए खरगे ने 'एक्स' पर पोस्ट किया कि शीतकालीन सत्र के पहले दिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संसद के समक्ष मुख्य मुद्दों की बात करने के बजाय फिर से 'ड्रामेबाजी की डिलीवरी' की है। असलियत यह है कि संसदीय मर्यादा और संसदीय प्रणाली को पिछले 11 साल से सरकार ने लगातार कुचला है, उसकी लंबी फेहरिस्त है।' उन्होंने कहा कि पिछले मानसून सत्र में ही कम से कम 12 विधेयक जल्दबाजी में पारित कर दिए गए, कुछ 15 मिनट से भी कम समय में और कुछ बिना किसी चर्चा के। पूरे देश ने पहले भी देखा है किस तरह किसान विरोधी काले क़ानून, जीएसटी, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता जैसे विधेयक संसद में आनन-फानन में पारित कराए गए।

जनता के मुद्दों को उठाना नाटक नहीं: प्रियंका गांधी

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि संसद में लोक महत्व के मुद्दों को उठाना 'नाटक' नहीं है, बल्कि इन पर चर्चा की अनुमति नहीं दिया जाना 'नाटक' है। उन्होंने कहा कि मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) और वायु प्रदूषण जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर सदन में चर्चा होनी चाहिए। प्रधानमंत्री मोदी ने सोमवार को विपक्ष पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि वह संसद को चुनावी हार के बाद 'हताशा निकालने का मंच' बना रहा है। संसद के शीतकालीन सत्र की शुरुआत से पहले संसद परिसर में संवाददाताओं को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि यह सत्र राजनीतिक रंगमंच न बने, बल्कि रचनात्मक और परिणामोन्मुखी बहस का माध्यम बने।

लोकसभा से मणिपुर वस्तु एवं सेवा कर विधेयक, 2025 पारित

नई दिल्ली। लोकसभा ने सोमवार को मणिपुर वस्तु एवं सेवा कर (दूसरा संशोधन) विधेयक-2025 को पास कर दिया है। यह विधेयक अध्यादेश की जगह लेगा। इसके साथ ही लोकसभा की कार्यवाही 02 दिसंबर तक के लिए स्थगित हो गई, जो मंगलवार सुबह 11:00 बजे फिर से शुरू होगी।

इससे पहले संसद की शीतकालीन सत्र के पहले दिन केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लोकसभा में सेंट्रल एक्साइज (अमेंडमेंट) बिल, 2025, नेशनल सिक्योरिटी सेस बिल, 2025 और मणिपुर वस्तु एवं सेवा कर (दूसरा संशोधन) विधेयक-2025 को पेश किया। मणिपुर वस्तु एवं सेवा कर (दूसरा संशोधन) विधेयक-2025, मणिपुर गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स (दूसरा संशोधन) अध्यादेश की जगह लेगा, जिसे 7 अक्टूबर, 2025 को जारी किया गया था।

वित्त मंत्री ने इससे पहले लोकसभा में हेल्थ सिक्योरिटी से नेशनल सिक्योरिटी सेस बिल, 2025 पेश किया। यह विधेयक नेशनल सिक्योरिटी और पब्लिक हेल्थ पर होने वाले खर्च को पूरा करने के लिए रिसोर्स बढ़ाने और इन मकसदों के लिए उन मशीनों या दूसरे प्रोसेस पर सेस लगाने के लिए है, जिनसे कुछ सामान बनाया या प्रोड्यूस किया जाता है और उससे जुड़े या उससे जुड़े मामलों के लिए है। इसके अलावा सीतारमण ने संसद के निचले सदन लोकसभा में सेंट्रल एक्साइज (अमेंडमेंट) बिल, 2025 पेश किया। ये विधेयक सेंट्रल एक्साइज एक्ट, 1944 में और बदलाव करेगा। इस तरह लोकसभा में पेश किए गए तीन विधेयकों में से 'मणिपुर वस्तु एवं सेवा कर (दूसरा संशोधन) विधेयक, 2025' पारित हो गया है।

केंद्र और राज्यों की वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) की सर्वोच्च संस्था 56वीं जीएसटी काउंसिल ने 5, 12, 18 और 28 फीसदी के टैक्स स्लैब को मिलाकर 2, 5 और 18 फीसदी में लगभग 375 वस्तुओं पर जीएसटी रेट को सही करने का फ़ैसला किया था। इसके अलावा अल्ट्रा-लग्जरी चीजों पर 40 फीसदी रेट का प्रस्ताव दिया गया है। नए जीएसटी टैक्स रेट 22 सितंबर, 2025 को लागू किए गए हैं। इन चीजों और सेवाओं पर जीएसटी रेट में बदलाव को लागू करने के लिए राज्य के जीएसटी कानूनों में बदलाव करना जरूरी था।

राज्यसभा में एसआईआर पर विपक्ष का हंगामा

नई दिल्ली। संसद के शीतकालीन सत्र के पहले दिन राज्यसभा में सभापति सीपी राधाकृष्णन के स्वागत सत्र के बाद सदन की कार्यवाही शुरू हुई। विपक्षी सदस्यों ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर चर्चा कराने की मांग की।इस पर सरकार के जवाब को संतोषजनक न मानते हुए विपक्ष ने हंगामा किया और सदन से वॉकआउट कर गए।सभापति ने सदन की कार्यवाही मंगलवार तक के लिए स्थगित कर दी। सभापति ने शून्यकाल में कई सदस्यों को बोलने का मौका दिया। कार्यवाही शुरू करते हुए सभापति ने राज्यसभा में सदन के पूर्व सदस्यों- पश्चिम बंगाल से दो बार राज्यसभा सदस्य रहीं चंद्रकला पाण्डेय और प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा के निधन की सूचना दी। उन्होंने दिवंगत सदस्यों के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया। शून्यकाल और स्पेशल मेंशन की शुरुआत करते हुए उन्होंने कई सदस्यों को अपने मुद्दे उठाने के लिए कहा। इस बीच राज्यसभा में विपक्ष दलों ने एसआईआर, आंतरिक सुरक्षा और श्रम संहिता पर चर्चा कराने की मांग की।

संक्षिप्त खबरें

पाकिस्तानी एजेंसियों के लिए जासूसी करने वाला पंजाब का युवक राजस्थान में गिरफ्तार

जयपुर। सीआईडी इंटेलिजेंस राजस्थान की जयपुर टीम ने पाकिस्तानी खुफिया एजेंसियों के लिए जासूसी गतिविधियों के आरोप में एक युवक को गिरफ्तार किया है। वह 'ऑपरेशन सिंदूर' के समय से ही आईएसआई के संपर्क में था और भारतीय सेना के वाहनों की आवाजाही, सैन्य संस्थानों की स्थिति से संबंधित सूचनाएं एकत्र कर पाकिस्तान स्थित अपने हैंडलर्स को भेज रहा था। पुलिस महानिरीक्षक (इंटेलिजेंस) प्रफुल्ल कुमार ने बताया कि जांच में सामने आया है कि फिरोजपुर (पंजाब) निवासी प्रकाश सिंह उर्फ बादल सोशल मीडिया के माध्यम से आईएसआई के संपर्क में था। वह राजस्थान, पंजाब एवं गुजरात से भारतीय सेना से जुड़ी सामरिक महत्व की गोपनीय जानकारियां एकत्र कर पाकिस्तानी हैंडलर्स को भेज रहा था। उन्होंने बताया कि 27 नवंबर को उसके श्रीगंगानगर स्थित सैन्य प्रतिष्ठान साधूवाली के आसपास देखे जाने की सूचना मिली थी। इस पर बॉर्डर इंटेलिजेंस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए उसे हिरासत में लिया।

केंद्र दुबई में बंधक बनायी गयी महिला को सुरक्षा प्रदान करेः उच्च न्यायालय

जयपुर। दिल्ली उच्च न्यायालय ने केंद्र और दुबई में भारत के महावाणिज्य दूतावास को निर्देश दिया है कि वे वहां एक विदेशी नागरिक द्वारा कथित रूप से बंधक बनाकर रखी गयी 25 वर्षीय भारतीय महिला की सुरक्षा और कल्याण को सुनिश्चित करने के लिए तत्काल कदम उठाएं। न्यायमूर्ति सचिन दत्ता ने केंद्रीय प्रशासन से यह भी कहा कि यदि महिला चाहे तो वह उसे भारत लौटने में मदद करे। उच्च न्यायालय ने 26 नवंबर को अपने आदेश में कहा कि स्थिति की गंभीरता को देखते हुए, विदेश मंत्रालय, भारत सरकार और संयुक्त अरब अमीरात के दुबई में भारत के महावाणिज्य दूतावास को याचिकाकर्ता की बेटी की सुरक्षा और कल्याण सुनिश्चित करने तथा वर्तमान याचिका में लगाए गए आरोपों को सत्यापित करने के लिए तत्काल कदम उठाने का निर्देश दिया जाता है।

दूरसंचार विभाग ने कंपनियों से कहा, नए हैंडसेट में पहले से लगा होना चाहिए संचार साथी ऐप

नई दिल्ली। दूरसंचार विभाग ने मोबाइल हैंडसेट विनिर्माताओं और आयातकों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है कि 90 दिन के भीतर सभी नए उपकरणों में धोखाधड़ी की सूचना देने वाला ऐप 'संचार साथी' पहले से लगा हो।

पिछले महीने 28 नवंबर के निर्देश के अनुसार, आदेश जारी होने की तारीख से 90 दिन के बाद भारत में विनिर्मित या आयातित होने वाले सभी मोबाइल फोन में यह ऐप होना अनिवार्य होगा। आदेश में कहा गया कि केंद्र सरकार भारत में उपयोग में लाए जाने वाले मोबाइल हैंडसेट के प्रत्येक विनिर्माता और आयातक को निर्देश देती है। इन निर्देशों के जारी होने के 90 दिन के भीतर, यह सुनिश्चित करें कि दूरसंचार विभाग द्वारा निर्दिष्ट संचार साथी मोबाइल एप्लिकेशन, भारत में उपयोग के लिए विनिर्मित या आयातित सभी मोबाइल हैंडसेट में पहले से लगा हो। ऐसे सभी उपकरणों के लिए जो पहले ही विनिर्मित हो चुके हैं और भारत में बिक्री चरण में हैं, मोबाइल हैंडसेट विनिर्माताओं और आयातकों को सॉफ्टवेयर अद्यतन के माध्यम से ऐप को 'इंस्टॉल' कराने के लिए कदम उठाने होंगे।

निर्देश में कहा गया कि भारत में उपयोग में लाए जाने वाले मोबाइल हैंडसेट के सभी विनिर्माता और आयातक इन निर्देशों के जारी होने के 120 दिन के भीतर दूरसंचार विभाग को अनुपालन रिपोर्ट देंगे। यह ऐप उपयोगकर्ताओं को अंतरराष्ट्रीय मोबाइल उपकरण पहचान संख्या (आईएमईआई) से संबंधित संदिग्ध दुरुपयोग की रिपोर्ट करने और मोबाइल उपकरणों में उपयोग किए जाने वाले आईएमईआई की प्रामाणिकता सत्यापित करने में सक्षम बनाता है। दूरसंचार अधिनियम 2023 के तहत इसके लिए तीन साल तक की कैद, 50 लाख रुपये तक का जुर्माना या दोनों हो सकते हैं।

महाराष्ट्र के सोलापुर में दो वाहनों की टक्कर में पांच लोगों की मौत

मुंबई। महाराष्ट्र के सोलापुर जिले में बार्शी- लातूर हाइवे पर जांभालबेट में पुल पर बीती रात एक कार और एक ट्रक की आमने-सामने हुई टक्कर में पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई,

जबकि दो लोग घायल हो गए। मरने वालों में तीन महिलाएं और दो पुरुष शामिल हैं। घायलों को बार्शी के जगदाले अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस जानकारी बार्शी पुलिस ने दी।

पुलिस ने सोमवार को बताया कि पनवेल में रहने वाले अनिकेत गौतम कांबले (28) का विवाह पांच दिनों पहले मेघना अनिकेत कांबले के साथ हुआ था। अनिकेत अपनी नवविवाहित पत्नी मेघना और अन्य पांच रिश्तेदारों के साथ सोलापुर के तुलजापुर में देवदर्शन करने के लिए रविवार शाम को पनवेल स्थित अपने घर से निकले थे।

जैसे ही उनकी कार सोलापुर के जांभालबेट के पुल पर पहुंची, अचानक उनकी कार सामने से आ रहे ट्रक से टकरा गई। हादसे में कार सवार गौतम भगवान कांबले (65), जया गौतम कांबले (60),सारिका संजय वाघमारे (45), संजय तुकाराम वाघमारे (50) और एक अन्य की मौत हो गई। जबकि नवविवाहित जोड़ा अनिकेत और मेघना घायल हो गए।

दिल्ली विस्फोटः कोर्ट ने अल फलाह यूनिवर्सिटी के संस्थापक जावेद को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा

नई दिल्ली। दिल्ली के साकेत कोर्ट ने लाल किला के पास विस्फोट से जुड़े मामले में हरियाणा के फरीदाबाद स्थित अल फलाह यूनिवर्सिटी के संस्थापक जावेद अहमद सिद्दीकी को 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। एडिशनल सेशंस जज शीतल चौधरी प्रधान ने सिद्दीकी को 15 दिसंबर तक की न्यायिक हिरासत में भेजने का आदेश दिया। सिद्दीकी की ईडी हिरासत सोमवार को खत्म हो रही थी, जिसके बाद उसे कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट ने 19 नवंबर को सिद्दीकी को आज तक की ईडी हिरासत में भेजा था। जावेद अहमद सिद्दीकी को ईडी ने 18 नवंबर की रात करीब एक बजे पेश किया था। फरीदाबाद स्थित अल फलाह यूनिवर्सिटी विस्फोट के बाद से ही जांच एजेंसियों के रडार पर है। मामले में गिरफ्तार तीन डॉक्टरों का संबंध अल फलाह यूनिवर्सिटी से पाया गया, जिसके बाद इस यूनिवर्सिटी के खिलाफ जांच शुरु की गई। ईडी ने जावेद को टेरर फंडिंग और मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में गिरफ्तार किया था। इस मामले में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने अब तक सात आरोपितों को गिरफ्तार किया है। 18 नवंबर को पटियाला हाउस कोर्ट ने विस्फोट मामले के आरोपित और आत्मघाती हमलावर डॉ. उमर नबी के सहयोगी जसीर बिलाल वानी उर्फ दानिश को 10 दिनों की एनआईए हिरासत में भेजा था। एनआईए ने दानिश को श्रीनगर से गिरफ्तार किया था। एनआईए के मुताबिक दानिश ने ड्रोन में तकनीकी बदलाव किए और कार विस्फोट से पहले रॉकेट तैयार करने की कोशिश की। एनआईए के मुताबिक दानिश ने उमर उन नबी के साथ मिलकर पूरी साजिश को अंजाम देने में अहम भूमिका निभाई। राजनीति विज्ञान में स्नातक दानिश को आत्मघाती हमलावर बनाने के लिए उमर ने ब्रेनवाश किया। वह अक्टूबर 2024 में कुलगाम की एक मस्जिद में डॉक्टर मॉड्यूल से मिलने को तैयार हुआ, जहां से उसे हरियाणा के फरीदाबाद में अल फलाह यूनिवर्सिटी में रहने के लिए ले जाया गया। दानिश को पहले जम्मू-कश्मीर पुलिस ने हिरासत में लिया था।

प्रदूषण के कई कारण, सिर्फ किसानों को नहीं ठहराया जा सकता है जिम्मेदार : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण के लिए किसानों को जिम्मेदार ठहराने की प्रवृत्ति पर सवाल उठाते हुए कहा कि राजधानी की जहरीली हवा के कई कारण हैं। शीर्ष अदालत ने कहा है कि कोरोना महामारी के दौरान भी पराली जलाई जा रही थी, तब भी हमारा आसमान नीला था, जितना पहले कभी नहीं था, ऐसे दिल्ली एनसीआर में प्रदूषण के लिए किसानों को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने दिल्ली एनसीआर में प्रदूषण को कम करने से जुड़े मामले की सुनवाई के दौरान यह टिप्पणी की।

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने कहा कि पराली जलाने को लेकर चल रही बातें किसी के लिए भी 'राजनीतिक मुद्दा या अहं का विषय' नहीं होना चाहिए। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने कहा कि 'पहले यह देखना जरूरी है कि वैज्ञानिक विश्लेषण के मुताबिक पराली जलाने के अलावा सबसे अधिक किसकी वजह से प्रदूषण हो रही है? हम पराली जलाने पर कोई टिप्पणी नहीं करना चाहते है। उन लोगों (किसानों) पर दोष मढ़ना बहुत आसान होता है, जिनका कोर्ट में शायद ही कोई प्रतिनिधित्व होता है। उन्होंने कहा कि कोरोना महामारी के दौरान भी पराली जलाई गई थी, लेकिन लोगों को फिर भी साफ नीला आसमान दिख रहा था, अब क्यों नहीं दिख रहा है? पराली जलाने का मुद्दा बेवजह राजनीतिक मुद्दा या ईगो का मुद्दा विषय नहीं बनना चाहिए। अगर कोई किसान पराली जला रहा है, तो वह भी एक एसेट के लिए है, यह एक कमोडिटी है...।' इसके साथ ही, शीर्ष अदालत ने ही कहा कि बहुत जल्द, हम एक सप्ताह के भीतर पराली जलाने के अलावा प्रदूषण के लिए दूसरी वजहों को रोकने के लिए प्रभावी तरीकों पर एक रिपोर्ट चाहते हैं।'

पीठ ने वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी से वायु प्रदूषण के दूसरे कारकों के बारे में रिपोर्ट पेश करने को कहा है। पीठ ने उनसे ये भी बताने के लिए कह है कि पराली जलाने के अलावा और कौन से कारण है जो वायु प्रदूषण को बढ़ाने में योगदान देते हैं। प्रदूषण से निपटने के कार्य योजना की समीक्षा करें और पता लगाए यह कारगर साबित हुआ या नहीं-सुप्रीम कोर्ट सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से प्रदूषण को कम करने के लिए बनाए गए अपने कार्य योजना की समीक्षा करने को कहा है।

जंगल ट्रेल' पार्क शुरू, विधायक पंकज सिंह ने किया लोकार्पण

कबाड़ से बनी 650 से अधिक जानवरों की आकृतियां

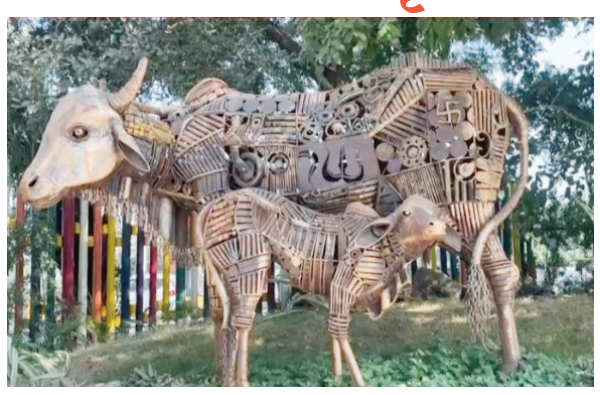

नोएडा। नोएडा प्राधिकरण ने सोमवार को नोएडावासियों को एक और मनोरंजन की सौगात दी। सेक्टर-94 महामाया फ्लाईओवर के पास 25 करोड़ की लागत से निर्मित जंगल ट्रेल (वेस्ट आर्ट से बनाया गया आर्टिफिशियल जू) पार्क का लोकार्पण नोएडा विधायक पंकज सिंह द्वारा किया गया। नोएडा प्राधिकरण के उद्यान विभाग के अधिकारियों ने बताया कि नोएडा में कबाड़ से बना दुनिया का सबसे अनोखा जंगल लोगों के लिए आज से खोल दिया गया है। उन्होंने बताया कि नोएडा के जंगल ट्रेल पार्क को दिल्ली के प्रसिद्ध वेस्ट टू वंडर पार्क की तर्ज पर बनाया गया है। इसे महामाया फ्लाईओवर और दलित प्रेरणा स्थल के बीच यमुना किनारे करीब 18.3 एकड़ क्षेत्र में तैयार किया गया है। इस पार्क की खासियत यह है कि इसमें 500 टन लोहे और प्लास्टिक के कबाड़ से अलग-अलग जानवरों और पक्षियों की मूर्तियां तैयार की गई हैं। जिसमें अफ्रीकी शेर, हाथी, बाघ, जिराफ, हिरण, कंगारू, इमू, पेंगुइन और रंगबिरंगे पक्षी आदि शामिल हैं। उद्यान विभाग के अधिकारियों ने बताया कि नोएडा के इस पार्क को एक पर्यटक स्थल के रूप में तैयार किया गया है। इसे सरकारी-निजी भागीदारी मॉडल पर संचालित किया जा रहा है। जिसका प्रवेश शुल्क 120 रुपये है, जिसका भुगतान ऑनलाइन या नकद दोनों तरह से किया जा सकेगा। यहां कबाड़ और लोहे से बनाई गईं 650 से अधिक पशु-पक्षियों की आकृतियां मुख्य आकर्षण का केन्द्र बनी हुई है। यहां पर रॉक क्लाइंबिंग, जिप लाइन, जिप साइकलिंग और अन्य एडवेंचर गेम्स उपलब्ध है। लोकार्पण कार्यक्रम के दौरान नोएडा भाजपा जिलाध्यक्ष महेश चौहान, सांसद प्रतिनिधि संजय बाली सहित अन्य लोग मौजूद रहें।

एडवेंचर प्रेमियों के लिए खास आकर्षण

पार्क सिर्फ विजुअल थीम नहीं है, बल्कि यहां एडवेंचर खेल भी हैः रॉक क्लाइंबिंग, जिप लाइन, जिप साइक्लिंग, बैलेंसिंग ट्रेल, ट्री वॉक यहां बच्चों और युवाओं के लिए विशेष खेल क्षेत्र भी विकसित किया गया है।

टिकट और समय

पार्क में प्रवेश के लिए टिकट ₹120 प्रति व्यक्ति रखा गया है। भुगतान नकद और ऑनलाइन दोनों तरीकों से किया जा सकता है। जल्द ही पार्क के लिए ऑनलाइन बुकिंग सुविधा शुरू की जाएगी। उद्घाटन के बाद पहली ही दिन लोगों की भीड़ पार्क देखने पहुंची और विजिटर ने इसे- "नोएडा में वीकेंड डेस्टिनेशन और सीख के साथ मनोरंजन का अनोखा कॉन्सेप्ट" बताया।

विकास और पर्यटन दोनों को मिलेगा बढ़ावा

नोएडा के विकास और पर्यटन को बढ़ावा देने वाला यह पार्क न केवल मनोरंजन का केंद्र बनेगा बल्कि रीसाइक्लिंग, पर्यावरण संरक्षण और क्रिएटिव इंजीनियरिंग का एक शानदार उदाहरण भी है। यह पार्क आने वाले समय में NCR का प्रमुख आकर्षण बन सकता है।

संक्षिप्त खबरें

सेक्टर में साफ-सफाई न होने से परेशानी

ग्रेटर नोएडा। सेक्टर बीटा-वन में साफ-सफाई न होने के कारण लोग परेशान हैं। लोगों का आरोप है कि कूड़ा उठाने की शिकायत करने के 24 घंटे बाद तक उसका निस्तारण नहीं किया जाता है, अधिकारियों द्वारा लापरवाही बरती जा रही है। सेक्टर निवासी हरेंद्र भाटी ने बताया कि बाजार के पास और अन्य स्थानों पर कचरे के ढेर लगे हुए हैं।

पोस्टर से एचआईवी के प्रति जागरूक किया

नोएडा। विश्व एड्स दिवस पर सोमवार को राजकीय पीजी महाविद्यालय में जनजागरुकता के लिए पैदल मार्च और पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया। रैली से छात्र-छात्राओं ने एचआईवी/एड्स से संबंधित महत्वपूर्ण संदेशों के साथ समाज को जागरूक करने का प्रयास किया। इसके बाद पोस्टर प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने रचनात्मकता और सामाजिक चेतना का परिचय दिया।

छात्रों ने महात्मा गांधी के विचारों को समझा

ग्रेटर नोएडा। जीडी गोयंका स्कूल के कक्षा 11वीं के विद्यार्थियों ने शिक्षकों के साथ सोमवार को नई दिल्ली स्थित राजघाट और राष्ट्रीय स्मृति परिसर का शैक्षिक भ्रमण किया। विद्यार्थियों ने महात्मा गांधी की समाधि पर पहुंचकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके जीवन में सत्य, अहिंसा और नैतिक मूल्यों के महत्व को जाना। राष्ट्र निर्माण में गांधी के विचारों की प्रासंगिकता को समझा।

डॉक्टर से मारपीट में तीन के खिलाफ मुकदमा

ग्रेटर नोएडा। जेपी अमन सोसाइटी में दुकान के सामने खड़ी कार हटाने को लेकर हुए विवाद में डॉक्टर के साथ मारपीट की गई। पीड़ति डॉक्टर की शिकायत पर पुलिस ने टेंपो में सवार तीन अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी है। पुलिस के मुताबिक जेपी अमन सोसाइटी में डॉ. अमित सेठ परिवार के साथ रहते हैं। उन्होंने पुलिस को बताया कि वह शनिवार की शाम सोसाइटी की एक दुकान में डोसा खाने गए थे। उनकी कार दुकान के बाहर खड़ी थी। इस बीच एक टेंपो में सवार तीन लोग वहां पहुंचे और कार हटाने के लिए कहा। उन्होंने दो मिनट में कार हटाने के लिए कहा। इस बात को लेकर विवाद हो गया। आरोप है कि टेंपो सवार तीनों आरोपियों ने मिलकर डॉक्टर के साथ मारपीट की। पीड़ति की शिकायत पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

बारात चढ़त के समय हर्ष फायरिंग में 10 वर्षीय बच्चे को लगी गोली

नोएडा। उप्र के नोयडा थाना जारचा क्षेत्र के ग्राम नगला चमरू में बारात चढ़त के समय हुई हर्ष फायरिंग में एक बच्चे को गोली लग गई। घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने इस घटना को कारित करने वाले दो लोगों को हिरासत में लिया है। बच्चे को उपचार के लिए ग्रेटर नोएडा के कैलाश अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। उसकी हालत अत्यंत नाजुक बनी हुई है। बताया जाता है कि जिस हथियार से हर्ष फायरिंग हुई है वह लाइसेंसी है। एक रिटायर्ड फौजी के नाम से इसका लाइसेंस है। उसका बेटा हथियार लेकर रात को बारात में आया था। पुलिस उसकी तलाश कर रही है। इस मामले में पुलिस ने दो लोगों को हिरासत में लिया है। अपर पुलिस उपायुक्त (जोन तृतीय) सुधीर कुमार ने बताया कि आज सुबह को सुनील कुमार पुत्र टेकचंद निवासी ग्राम नगला चमरू ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि 30 नवंबर की देर रात को उनके गांव में रहने वाले सतीश की बेटी की शादी 30 नवंबर को रात को थी बारात खैरपुर गांव से आई थी । रात के समय बारात की चढ़त हो रही थी। उनका बेटा कृष उम्र 10 वर्ष बारात को चढ़ते हुए देख रहा था। इसी बीच बारातियों ने हर्ष फायरिंग करनी शुरू कर दी। उनके अनुसार बारातियों द्वारा की गई हर्ष फायरिंग की वजह से उनके बेटे के सिर में गोली लग गई। वह मौके पर मूर्छित होकर गिर गया। उसे उपचार के लिए ग्रेटर नोएडा के कैलाश अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। उन्होंने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है। उन्होंने बताया कि इस मामले में पुलिस ने दो लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। अपर उपायुक्त ने बताया कि मौके से हथियार भी बरामद कर लिया गया है।

आईएमएस में उद्भव 2025 का आयोजन

नोएडा। इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज (आईएमएस) नोएडा में उद्भव 2025 का आयोजन हुआ। सेक्टर 62 स्थित संस्थान परिसर में आयोजित इस इंटर डिपार्टमेंट प्रतियोगिता में छात्रों के लिए बिजनेस क्विज, यूथ पार्लियामेंट, पैनल डिस्कशन, बेस्ट मैनेजर प्रतियोगिता एवं ओपन माइक प्रतिस्पर्धा रखी गयी। कार्यक्रम के दौरान छात्रों ने जोश, ऊर्जा और बौद्धिक क्षमता का प्रभावशाली संगम देखने को मिला। उद्भव का शुभारंभ करते हुए आईएमएस के महानिदेशक प्रोफेसर (डॉ.) विकास धवन ने कहा कि आज के प्रतिस्पर्धी युग में छात्रों का केवल शैक्षणिक रूप से उत्कृष्ट होना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उन्हें वास्तविक जीवन की चुनौतियों का सामना करने के लिए भी स्वयं को निरंतर तैयार रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों के समग्र विकास के लिए नेतृत्व क्षमता, सृजनात्मकता, प्रबंधन कौशल, संचार दक्षता और टीमवर्क जैसी योग्यताएं अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। विभागाध्यक्ष डॉ. रमेश कुमार ने कहा कि उद्भव, विद्यार्थियों को आवश्यक कौशलों को सीखने, समझने और व्यवहार में लाने का एक सशक्त एवं प्रभावशाली मंच है। छात्रों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान करने के साथ-साथ उन्हें नेतृत्व, नवाचार और वास्तविक जीवन के कौशलों से भी समृद्ध करता है। उन्होंने छात्रों को प्रेरित करते हुए कहा कि इस प्रकार के मंच उनके व्यक्तित्व विकास तथा पेशेवर सफलता की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

नोएडा में पेंट की दुकान और कबाड़ के गोदाम में लगी आग

नोएडा। उत्तर प्रदेश के गौतमबुद्ध नगर जिले में थाना बिसरख क्षेत्र के चेरी काउंटी सोसाइटी के इठेड़ा गांव के मार्केट में स्थित तीन दुकानों में रविवार की देर रात आग लग गई। घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की दर्जन भर गाड़ियों ने करीब चार घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई है। मुख्य दमकल अधिकारी प्रदीप कुमार चौबे ने बताया कि चेरी काउंटी सोसाइटी के पास स्थित इटेड़ा गांव के एक मार्केट में मोहित गुप्ता की पेंट और थिनर की दुकान है। जबकि उनके पास में दानिश नामक व्यक्ति की कबाड़ का गोदाम है। उन्होंने बताया कि रविवार रात एक बजे के करीब पेंट की दुकान में अज्ञात कारण से आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। पेट की दुकान के साथ मोहित गुप्ता के एक और दुकान है। आग ने उसे तथा उसके पड़ोस में स्थित दानिश के कबाड़ के गोदाम को भी अपनी चपेट में ले लिया। उन्होंने बताया कि घटना की सूचना पाकर दमकल विभाग की दर्जन पर गाड़ियां मौके पर पहुंची। उन्होंने बताया कि करीब 4 घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। थिनर और पेंट की दुकान होने के चलते आग रह रहकर भड़क रही थी। ड्रम में भरे हुए थिनर और पेंट आग के चलते बम के गोले की तरह फट रहे थे। उन्होंने बताया कि दमकल विभाग को आग बुझाने में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। आग के कारण और नुकसान का आकलन किया जा रहा है।

ग्रेनो में होगी जूनियर क्रिकेट चैंपियनशिप, IPL की तर्ज पर 16 टीमों दिखाएंगी अपना जौहर

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा में जूनियर क्रिकेट चैंपियनशिप के सातवें सीजन का शुभारंभ होने जा रहा है। इसको लेकर ट्रायल किया जा रहे हैं। पहली बार होगा कि अंडर 14 बच्चों का ऑक्शन किया जाएगा। ट्रायल के बाद खिलाड़ियों का ऑक्शन होगा। ग्रेटर नोएडा के कसाना स्पोर्ट्स कॉप्लेक्स में बच्चो का ट्रायल किया गया। इस दौरान अलग अलग जिलो से खिलाड़ी अपने परिजनों के साथ पहुंचे। इससे पहले ट्रायल गाजियाबाद, दिल्ली और नोएडा में हो चुका है। इस मौके पर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर मोहम्मद शमी के कोच बदरुद्दीन सिद्दीकी भी मौजूद रहे। ग्रेटर नोएडा के कसाना स्पोर्ट्स कंपलेक्स पर 25 दिसंबर से जूनियर क्रिकेट चैंपियनशिप का आगाज होने जा रहा है। इस चैंपियनशिप में कुल 16 टीम में हिस्सा ले रही हैं। इसी को लेकर रविवार को क्रिकेट के खिलाड़ियों का अंतिम ट्रायल किया गया और चयनित किया गया है। जूनियर क्रिकेट चैंपियनशिप के फाउंडर राज यादव ने बताया कि अंडर 14 किड्स के लिए ज्यादा कोई नहीं सोचता है। इसी के लिए हमने सोचा और यह चैंपियनशिप पूरी तरह उन्ही के लिए है। जगह-जगह से हमने इनका ट्रायल कराया और खिलाड़ियों को चुना है। अब फ्रेंचाइजी के द्वारा इन सभी खिलाड़ियों की बोली लगाई जाएगी और 16 टीमों के बीच एक बहुत ही बेहतरीन चैंपियनशिप खेली जाएगी। इसको लेकर खिलाड़ियों में भी उत्साह दिख रहा है। बहुत-बहुत दूर से ट्रायल देने के लिए यह खिलाड़ी आये है। 25 दिसम्बर से 8 जनवरी तक यह चैंपियनशिप चलेगी। मोहम्मद शमी के कोच बदरुद्दीन सिद्दीकी ने भी इस चैंपियनशिप की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि एक क्रिकेटर को तैयार करने के लिए यह उम्र सबसे अच्छी होती है और बेस मजबूत होगा तभी एक अच्छा क्रिकेटर बन सकता है । मोहम्मद शमी के अनफिट होने पर कहा कि शमी लगातार अपनी फिटनेस दिखा रहा है। रणजी में मैच खेल रहा है और विकेट भी ले रहा है। जब वह फिट है तभी रणजी खेल रहा है। उन्होंने भारत के दक्षिण अफ्रीका से हारने पर कहा कि खिलाड़ियों का चयन रणजी से होना चाहिए ना कि T20 क्रिकेट से। टेस्ट क्रिकेट के लिए रणजी सबसे अच्छा फॉर्मेट है, वहीं से खिलाड़ियों को चुनना चाहिए। सभी ने इस चैंपियनशिप की जमकर तारीफ की और सभी का कहना है कि बच्चों का हुनर सामने आना चाहिए उसको लेकर इस चैंपियनशिप का आयोजन कराया जा रहा है।

भंगेल एलिवेटेड रोड पर एलपीजी सिलेंडर से भरा टेंपो पलटा, चालक घायल

नोएडा। नवनिर्मित भंगेल एलिवेटेड रोड पर सोमवार दोपहर एलपीजी सिलेंडरों से भरा टेंपो टायर फटने से अनियंत्रित होकर पलट गया। गनीमत रही कि पीछे रखे सिलेंडर न तो एलिवेटेड रोड के नीचे गिरे और न ही फटे। ऐसा होता तो बड़ा हादसा हो सकता था। राहगीरों ने घायल चालक को अस्पताल पहुंचाया और टेंपो को खुद ही सीधा कर यातायात को सुचारू कराया। पुलिस के मुताबिक दादरी के कुडाखेड़ी गांव निवासी राजकुमार गैस एजेंसी का टेंपो चलाता है। वह सिलेंडरों को ग्राहकों तक पहुंचाने का काम करता है। वह दोपहर करीब एक बजे दादरी स्थित एचपी गैस के गोदाम से सिलेंडर लेकर सेक्टर-16 जा रहा था। एलिवेटेड रोड पर चढ़ने के बाद अचानक टेंपो का अगला टायर फट गया। टायर की हवा निकलते ही टेंपो एक तरफ झुक गया और अनियंत्रित होकर पलट गया। टेंपो में फंसकर चालक राजकुमार के हाथ में चोट आई। राहगीरों ने किसी तरह चालक को बाहर निकाला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने चालक को अस्पताल पहुंचाया। गैस एजेंसी के दूसरे टेंपो में सिलेंडरों को भरवाकर भेजा गया। क्षतिग्रस्त टेंपो को एलिवेटेड से उतारकर यातायात सामान्य कराया गया। गनीमत रही कि हादसे के बाद कोई सिलेंडर नहीं फटा। अन्यथा बड़ा हादसा हो सकता था। बता दें कि हाल ही में भंगेल एलिवेटेड रोड का निर्माण कार्य पूरा हुआ है। एक सप्ताह पूर्व एक युवक की एलिवेटेड रोड से गिरकर मौत हो गई थी।

नोएडा और ग्रेटर नोएडा में अलग-अलग सड़क हादसों में 7 लोगों की मौत

नोएडा। नोएडा के विभिन्न जगहों पर हुए विभिन्न सड़क हादसों में सात लोगों की मौत हो गई है। घटनाओं की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है। थाना बिसरख के प्रभारी निरीक्षक मनोज कुमार सिंह ने बताया कि बीती रात को प्रदीप राठौर पुत्र रामपाल राठौर ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि 30 नवंबर की रात को उनका भाई संजू राठौड़ ई- रिक्शा लेकर चार मूर्ति गोल चक्कर के पास से गुजर रहा था, तभी एक अज्ञात वाहन चालक ने तेजी और लापरवाही से वाहन चलाते हुए उसे टक्कर मार दिया। उन्होंने बताया कि पीड़ित के अनुसार उनके भाई को गंभीर हालत में उपचार के लिए नोएडा के सेक्टर 39 स्थित जिला अस्पताल में भर्ती करवाया गया, उपचार के दौरान उनकी देर रात को मौत हो गई। उन्होंने बताया कि पीड़ित ने आज सुबह को घटना की रिपोर्ट थाने में दर्ज कराई है। थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस घटना को कारित करने वाले वाहन चालक की तलाश कर रही है। थाना प्रभारी ने बताया कि एक अन्य मामले में श्रीमती शंकरी अधिकारी ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि उनके पति राम अधिकारी चार मूर्ति गोल चक्कर के पास से साइकिल पर सवार होकर जा रहे थे, तभी गोल्डन आई सोसाइटी के पास एक कार चालक ने तेजी और लापरवाही से वाहन चलाते हुए उनके पति को टक्कर मार दिया। उन्हें उपचार के लिए एक अस्पताल में भर्ती करवाया गया, वहां से उनकी बिगड़ती हालत को देखते हुए दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल में भर्ती करवाया गया। महिला के अनुसार उपचार के दौरान उनके पति की बीती रात को दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल में मौत हो गई। उन्होंने बताया कि महिला की शिकायत पर घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

थाना ईकोटेक- 3 के प्रभारी निरीक्षक अजय कुमार सिंह ने बताया कि बीती रात को कन्हैया झा ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि उनके पिता राधेश्याम झा हल्द्वानी मोड़ में स्थित एक कॉलोनी में रहते हैं। पीड़ित के अनुसार उनके पिता बाइक पर सवार होकर जा रहे थे, तभी हल्द्वानी मोड़ के पास एक ट्रक चालक ने तेजी और लापरवाही से वाहन चलाते हुए उन्हें टक्कर मार दिया। पीड़ित के अनुसार ट्रक चालक उनके पिता को बाइक सहित 100 मीटर तक घसीटता हुआ ले गया। इस घटना में उनकी मौत हो गई। उन्होंने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

थाना फेस- 2 के प्रभारी निरीक्षक विंध्याचल तिवारी ने बताया कि बीती रात को आमिर खान पुत्र अलाउद्दीन ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि उनकी मामी रौनक बानो पत्नी शहजाद खान फेस दो स्थित कंपनी से काम करके जा रही थी, तभी दादरी रोड के पास एक इलेक्ट्रिक ऑटो के चालक ने तेजी और लापरवाही से वाहन चलाते हुए उन्हें टक्कर मार दिया। उनके अनुसार उन्हें गंभीर हालत में उपचार के लिए नोएडा के जिला अस्पताल में भर्ती करवाया गया। वहां पर उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। उन्होंने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

थाना नॉलेज पार्क के प्रभारी निरीक्षक सर्वेश कुमार सिंह ने बताया कि बीती रात को एकता कुमारी ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि उनके पिता जगबीर सिंह रेलवे कॉलोनी दादरी में रहते थे। उनकी उम्र 50 वर्ष है। उनके अनुसार 29 नवंबर को वह अपना ऑटो रिक्शा लेकर जा रहे थे, तभी एक अज्ञात वाहन चालक ने परी चौक के पास उन्हें टक्कर मार दिया। उनके अनुसार इस घटना में वह गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जहां पर बीती रात को उनकी मौत हो गई। उन्होंने बताया की युक्ति की शिकायत पर घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

थाना सेक्टर 58 के प्रभारी निरीक्षक अमित कुमार ने बताया कि बीती रात को श्रीमती सुमन ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि उनके पति राजेश कुमार ऑटो रिक्शा चलाते थे। महिला के अनुसार उनके पति सेक्टर 57 के पास हुए एक सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया जहां पर उनकी मौत हो गई। उन्होंने बताया कि महिला की शिकायत पर घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

थाना कासना के प्रभारी निरीक्षक धर्मेंद्र कुमार शुक्ला ने बताया कि बीती रात को शिशुपाल ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि उनका भाई ज्ञानेश कुमार (29 वर्ष) मोटरसाइकिल पर सवार होकर जा रहा था, तभी एक डंपर चालक ने तेजी और लापरवाही से वाहन चलाते हुए उसकी बाइक में टक्कर मार दिया। इस घटना में वह गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जहां पर उसकी मृत्यु हो गई। उन्होंने बताया कि घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

दिल्ली-एनसीआर में हल्की हवा से मिली राहत फिर भी AQI खतरनाक स्तर पर

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में हल्की हवा चलने से मामूली राहत मिली है, लेकिन हालात अब भी बेहद चिंताजनक बने हुए हैं। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के आंकड़ों के अनुसार, ज्यादातर इलाकों में एक्यूआई 'बहुत खराब' से 'गंभीर' श्रेणी के बीच बना हुआ है। इससे सांस से जुड़ी समस्याओं वाले लोगों के साथ-साथ स्वस्थ व्यक्तियों को भी परेशानी का खतरा बढ़ गया है। ग्रेटर नोएडा में दर्ज किए गए आंकड़ों के अनुसार एक्यूआई 292 रहा, जो 'खराब' श्रेणी में आता है। यहां नॉलेज पार्क-III में 261 और नॉलेज पार्क-V में 323 का स्तर रिकॉर्ड किया गया। स्वास्थ्य प्रभाव सूचना में स्पष्ट रूप से चेतावनी दी गई है कि ऐसी हवा लंबे समय तक सांस लेने में असुविधा और श्वसन संबंधी समस्याओं को जन्म दे सकती है। गाजियाबाद में भी स्थिति बेहतर नहीं दिखी। इंदिरापुरम में 284, संजय नगर में 273, वसुंधरा में 276 और लोनी में एक्यूआई 360 दर्ज हुआ, जिसे 'गंभीर' श्रेणी में माना जाता है। वहीं नोएडा में भी प्रदूषण का स्तर काफी खतरनाक रहा। सेक्टर-125 में 355, सेक्टर-1 में 320 और सेक्टर-116 में 332 का एक्यूआई दर्ज किया गया। दिल्ली के प्रमुख मॉनिटरिंग स्टेशनों से प्राप्त आंकड़े स्थिति को और गंभीर बनाते हैं। पूसा, आरके पुरम, रोहिणी, शादीपुर और वजीरपुर जैसे क्षेत्रों में एक्यूआई 320 के आसपास से 345 तक रिकॉर्ड किया गया, जो स्वास्थ्य के लिए अत्यधिक हानिकारक माना जाता है। विशेषज्ञों का कहना है कि इस स्तर के प्रदूषण में बच्चों, बुजुर्गों और अस्थमा या हृदय रोग से पीड़ित लोगों को विशेष सावधानी बरतनी चाहिए। उधर मौसम विभाग के अनुसार तापमान में भी बदलाव देखने को मिलेगा। दिसंबर के पहले सप्ताह के पूर्वानुमान के मुताबिक न्यूनतम तापमान लगभग 11 डिग्री सेल्सियस के आसपास स्थिर रहेगा, जबकि अधिकतम तापमान 26 डिग्री सेल्सियस से घटकर 22 डिग्री सेल्सियस तक आने की संभावना है। ऐसे में फिलहाल रातों की अपेक्षा दिन के तापमान में गिरावट होगी और दिन में भी लोगों को ठंड का अधिक एहसास हो सकता है। हवा की रफ्तार बढ़ने के कारण प्रदूषण में हल्की कमी हो सकती है, लेकिन विशेषज्ञों के अनुसार अगले कुछ दिनों तक एक्यूआई में बड़े सुधार की संभावना कम ही है। ऐसे में चिकित्सकों ने लोगों को आवश्यक सावधानियां बरतने की सलाह दी है, जिसमें मास्क पहनकर बाहर निकलना, सुबह की वॉक या आउटडोर एक्सरसाइज से परहेज करना, घर की खिड़कियों में एयर फिल्टर का प्रयोग और पानी अधिक मात्रा में पीना शामिल है।

दिल्ली में पारा 5.7 डिग्री सेल्सियस तक लुढ़का

नई दिल्ली। दिल्ली में सोमवार को न्यूनतम तापमान 5.7 डिग्री सेल्सियस तक गिरने के साथ ही यहां इस मौसम की अब तक की सबसे ठंड सुबह रही। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने बताया कि एक दिन पहले यहां न्यूनतम तापमान 8.3 डिग्री सेल्सियस था और आज पारा मौसम के औसत से 4.6 डिग्री से भी नीचे चला गया। एक मौसम विज्ञानी ने कहा कि तापमान में यह तेज गिरावट शांत हवाओं और साफ आसमान की वजह से हुई है। 'मेटियोरोलॉजी एंड क्लाइमेट चेंज' के उपाध्यक्ष महेश पलावत ने कहा कि अगले दो या तीन दिनों में तापमान थोड़ा बढ़ेगा क्योंकि दो पश्चिमी विक्षोभ आ रहे हैं, जिससे कुछ समय के लिए न्यूनतम तापमान बढ़ जाएगा। उन्होंने कहा, ''अगले एक-दो दिनों में तापमान में थोड़ी बढ़ोतरी होने की उम्मीद है, जिसके बाद मध्य दिसंबर में उसमें फिर से गिरावट आएगी।'' उन्होंने कहा,''दिसंबर के दूसरे हफ्ते से राष्ट्रीय राजधानी में तापमान फिर से गिरने की संभावना है, जिससे ठंड का दौर शुरू हो जाएगा।'' पलावत ने कहा कि दो पश्चिमी विक्षोभ आ रहे हैं, जिससे पांच दिसंबर के बाद तापमान थोड़ा बढ़ जाएगा। उनके अनुसार इस बीच, पश्चमी विक्षोभ से ऊपरी हिमालयी इलाके में हल्की बर्फबारी होने की उम्मीद है। पलावत ने कहा, ''ज्यादा बर्फबारी नहीं होगी और दिल्ली में बारिश होने की भी उम्मीद नहीं है।'' उन्होंने कहा कि विक्षोभ अब भी दिल्ली के तापमान पर असर डाल सकता है। आईएमडी के अनुसार, 5.7 डिग्री सेल्सियस सर्दी के इस मौसम में दर्ज किया गया सबसे कम तापमान है। इससे पहले सबसे कम तापमान आठ डिग्री सेल्सियस था।

मुख्यमंत्री ने इंडियन पिकलबॉल लीग सीजन-1 का किया शुभारंभ

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में देश की पहली इंडियन पिकलबॉल लीग (आईपीबीएल) सीजन-1 का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने सभी टीमों और खिलाड़ियों को ढेरों शुभकामनाएं दीं। इस लीग में छह टीमें भाग लेंगी जिसमें हैदराबाद रॉयल्स, बेंगलुरु ब्लास्टर्स, मुंबई स्मैशर्स, चेन्नई सुपर वॉरियर्स, लखनऊ लेपर्ड्स और कैपिटल वॉरियर्स गुड़गांव शामिल हैं। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने इसमें शामिल सभी लोगों को बधाई देते हुए कहा कि भारत हमेशा से एक खेलप्रेमी देश रहा है और आज हर भारतीय नए खेल खोजना चाहता है। हमारे खेल पारिस्थितिकी तंत्र में अब एक नया खेल जोड़ा गया है। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार सभी को आश्वासन देता है कि दिल्ली के स्कूलों में भी पिकलबॉल शुरू करेंगे, ताकि यह हमारे युवाओं के लिए एक और सफल खेल बन जाए। गुप्ता ने कहा कि 1 से 7 दिसंबर तक इंदिरा गांधी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के केडी जाधव इंडोर हॉल में आयोजित यह सप्ताह-भर का आयोजन भारत की पहली प्रोफेशनल पिकलबॉल लीग को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंच पर स्थापित करेगा। उन्होंने कहा कि द टाइम्स ग्रुप द्वारा लॉन्च की गई इंडियन पिकलबॉल लीग भारत की आधिकारिक और एकमात्र राष्ट्रीय लीग है। लीग पिकलबॉल एसोसिएशन द्वारा स्वीकृत और भारत सरकार के खेल एवं युवा मामलों के मंत्रालय द्वारा मान्यता प्राप्त है।

संक्षिप्त खबरें

दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे का 31 किमी का हिस्सा ट्रायल रन के लिए खुला

नई दिल्ली। दिल्ली-सहारनपुर-देहरादून इकोनॉमिक कॉरिडोर का अक्षरधाम से ईस्टर्न पेरीफेरल एक्सप्रेसवे तक 31 किलोमीटर का हिस्सा रविवार-सोमवार रात आम वाहनों के ट्रायल रन के तौर पर खोल दिया गया। बैरिकेड हटते ही इस हिस्से पर वाहनों की आवाजाही शुरू हो गई। आधिकारिक सूत्रों ने हिन्दुस्थान समाचार को बताया कि पूरा एक्सप्रेसवे अभी निर्माणाधीन है और इसे कई छोटे हिस्सों में तैयार किया जा रहा है, इसलिए पूरे प्रोजेक्ट को पूरी तरह खुलने में कुछ समय और लगेगा। फिलहाल अक्षरधाम से ईस्टर्न पेरीफेरल एक्सप्रेसवे तक इसका 31 किलोमीटर का पहला हिस्सा आम लोगों के ट्रायल रन के लिए खोला गया है। इसके पूरी तरह बन जाने के बाद दिल्ली से देहरादून के बीच 6.5 घंटे की दूरी महज 2.5 घंटे की रह जाएगी।

चोरी की गाड़ियों का चेसिस बदलकर बेचने वाले दो धरे

नई दिल्ली। पश्चिमी दिल्ली जिला पुलिस की एएटीएस टीम ने चोरी की गाड़ी का चेसिस बदलकर राजस्थान और हरियाणा में बेचने वाले दो बदमाशों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों अनीस अहमद और सुनील की निशानदेही पर पुलिस ने दो गाड़ी बरामद की है। आरोपी सुनील उर्फ बंटी गाड़ी चोरी कर अनीस अहमद को देता था। इसके बाद गाड़ी का चेसिस बदलकर आगे बेच दिया जाता था। अनीस अहमद ढिचाऊं कला गांव में अपना वर्कशॉप चलाता है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि एएटीएस टीम के एसआई गजेंद्र माथुर को सूचना मिली थी कि चोरी की गाड़ी बेचने के लिए गुरुग्राम सेक्टर-26 में बातचीत होने वाली है। इस सूचना के आधार पर इंस्पेक्टर मुकेश कुमार मीणा की टीम ने 29 नवंबर को सुनील उर्फ बंटी को दबोच लिया।

क्रिकेट मैच पर सट्टा लगा रहे दो गिरफ्तार

नई दिल्ली। पश्चिमी दिल्ली जिला पुलिस की स्पेशल स्टाफ टीम ने ऑस्ट्रेलियन वूमेंस क्रिकेट लीग मैच पर सट्टा लगा रहे दो दोस्तों को गिरफ्तार किया है। आरोपी कई लोगों का पैसा मैच पर लगा रहे थे। पुलिस ने आरोपियों गौरव उर्फ मोनू और हिमांशु के पास से दो एलईडी, छह मोबाइल, एक लैपटॉप और एक रिकॉर्डर जब्त किया है। इनकी गिरफ्तारी बुढेला गांव स्थित जनता फ्लैट्स से की गई।

डीडीए के पुस्तकालय में छात्र कर रहे आवेदन

नई दिल्ली। दिल्ली विकास प्राधिकरण के आरंभ पुस्तकालय में कई छात्र आवेदन कर रहे हैं। इसमें छात्रों को निशुल्क वाई-फाई सुविधा, सुरक्षित लॉकर, एनसीईआरटी की किताबें उपलब्ध हैं। डीडीए अधिकारियों ने बताया कि इस वर्ष अब तक ओल्ड राजेंद्र नगर, दक्षिणी दिल्ली के अधचिनी गांव, द्वारका सेक्टर-16बी, रोहिणी सेक्टर-11 के जी ब्लॉक में आरंभ पुस्तकालय शुरू किए गए हैं। डीडीए सामुदायिक केंद्रों को पुस्तकालय में परिवर्तित किया गया है। यह पुस्तकालय 24 घंटे उपलब्ध है। प्रत्येक पुस्तकालय में 60 छात्रों के एक बार में बैठने की सुविधा प्रदान की गई है।

डिजिटल अरेस्ट फर्जीवाड़े से संबंधित दर्ज मामलों की सीबीआई जांच का आदेश

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने कहा है कि डिजिटल अरेस्ट फर्जीवाड़े पर तत्काल ध्यान देने की जरूरत है। उच्चतम न्यायालय ने डिजिटल अरेस्ट फर्जीवाड़े से संबंधित दर्ज मामलों की सीबीआई जांच का आदेश दिया है। कोर्ट ने कहा कि जहाँ भी साइबर क्राइम में उपयोग किए गए बैंक खातों का पता चलता है, वहाँ संबंधित बैंकरों की जांच करने के लिए सीबीआई को पूर्ण स्वतंत्रता होगी। कोर्ट ने रिजर्व बैंक को निर्देश दिया कि वो कोर्ट की इस निष्कर्ष पर पहुंचने में सहयोग करे कि संदेहास्पद खातों की पहचान कर उन्हें फ्रीज करने के लिए एआई या मशीन लर्निंग का इस्तेमाल किया जा सकता है।

बारह वार्डों के लिए 10 स्थानों पर कल होगी मतगणना

नई दिल्ली। निगम के 12 वार्डों में हुए मतदान के नतीजे बुधवार को आएंगे। इन 12 वार्डों के लिए दिल्ली के 10 स्थानों पर सुबह आठ बजे से मतगणना शुरू होगी। राज्य निर्वाचन आयोग ने मतगणना प्रक्रिया को पारदर्शिता से पूरा कराने के लिए व्यापक तैयारियां कर ली हैं। अधिकारियों के मुताबिक, 580 बूथों पर 30 नवंबर को हुए मतदान के बाद देर शाम सभी ईवीएम को स्ट्रांग रूम में रख दिया गया है। राज्य निर्वाचन आयोग ने ईवीएम की सुरक्षा और निगरानी के लिए सीसीटीवी कैमरे लगाने के साथ-साथ बड़ी संख्या में पुलिस और अर्द्धसैनिक बलों को तैनात किया है। सुरक्षाबल 24 घंटे ईवीएम की निगरानी में तैनात हैं। स्ट्रांग रूम के भीतर और बाहर लगाए गए सीसीटीवी कैमरों को कंट्रोल रूम से लिंक किया गया है। निर्वाचन आयोग के मुख्यालय से अधिकारी भी इनकी निगरानी कर रहे हैं। स्ट्रांग रूम और इसके परिसर में किसी भी अनधिकृत व्यक्ति के प्रवेश पर रोक है और सभी आवागमन की सूची बनाई जा रही है। राज्य निर्वाचन आयोग के वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि ज्यादातर वार्डों की मतगणना दोपहर एक बजे तक पूरी हो जाने की संभावना है। इसके बाद नतीजे घोषित कर दिए जाएंगे। सबसे पहले पोस्टल बैलेट की गिनती की जाएगी। इसके बाद ईवीएम मे वोटों की गिनती शुरू होगी।

मतगणना स्थल

- वार्ड का नाम
- सर्वोदय कन्या विद्यालय, कंझावला
- मुंडका दिल्ली कौशल एवं उद्यमिता विश्वविद्यालय, पीतमपुरा
- शालीमार बाग एसकेवी भारत नगर
- अशोक विहार राजकीय प्रतिभा विकास विद्यालय, सिविल लाइंस
- चांदनी चौक सर्वोदय बाल विद्यालय राउज एवेन्यू, डीडीयू मार्ग
- चांदनी महल ब्लॉक-5 एनएसयूटी सेक्टर-3 द्वारका
- द्वारका-बी एनएसयूटी सेक्टर-3 द्वारका
- ढिचाऊं कलां अटल आदर्श बंगाली बालिका विद्यालय, गोल मार्केट
- नारायणा और ग्रेटर कैलाश राजकीय बालिका सी. सेकेंडरी स्कूल, पुष्प विहार
- दक्षिणपुरी और संगम विहार राजकीय सर्वोदय कन्या विद्यालय, मंडावली
- विनोद नगर

वक्फ संपत्ति के रजिस्ट्रेशन की समय सीमा बढ़ाने से सुप्रीम कोर्ट का इनकार

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने छह दिसंबर को समाप्त हो रही वक्फ संपत्ति के रजिस्ट्रेशन की समय-सीमा बढ़ाने से इनकार कर दिया है। कोर्ट ने कहा कि अगर किसी कारण से उम्मीद पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन नहीं हो पा रहा है, तो समय सीमा बढ़ाने की मांग वक्फ ट्रिब्यूनल से की जा सकती है। जस्टिस दीपांकर दत्ता की अध्यक्षता वाली बेंच ने ये समय-सीमा बढ़ाने से इनकार किया। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ताओं की ओर से कहा गया कि इस पोर्टल पर वक्फ संपत्ति के रजिस्ट्रेशन के लिए छह महीने का समय दिया गया था, लेकिन वक्फ कानून पर अंतरिम फैसला आने के ही पांच महीने बीत गए। ऐसे में अब रजिस्ट्रेशन के लिए अर्जी देने में बहुत कम वक्त रह गया है। इस समय सीमा को बढ़ाया जाना चाहिए। याचिकाकर्ताओं की ओर से उम्मीद पोर्टल के सर्वर में हो रही समस्या का मसला उठाया गया। सुनवाई के दौरान वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने कहा कि संशोधन 8 अप्रैल से लागू हुआ और पोर्टल 6 जून को बना। नियम 3 जुलाई को आए और कानून को लेकर अंतरिम आदेश 15 सितंबर को आया। उन्होंने कहा कि छह महीने की समय-सीमा काफी कम है, क्योंकि सौ डेढ़ सौ साल पुराने वक्फों में वक्फ की जानकारी मिल पाना कठिन है और बिना इन विवरणों के पोर्टल अपलोड स्वीकार नहीं करता है। सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि बड़ी संख्या में वक्फ पहले ही रजिस्टर्ड हो चुके हैं। तब वकील एमआर शमशाद ने कहा कि मुद्दा रजिस्ट्रेशन का नहीं है बल्कि रजिस्टर्ड संपत्तियों के डिजिटाइजेशन का है और यह पहलू अंतरिम आदेश में नहीं देखा गया। तब कोर्ट ने कहा कि धारा 3बी के प्रावधान के मुताबिक ट्रिब्यूनल समय सीमा बढ़ा सकता है, इसलिए सभी आवेदक अंतिम तिथि से पहले ट्रिब्यूनल से संपर्क करें।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बीएसएफ स्थापना दिवस और गीता जयंती की दी शुभकामनाएं

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के स्थापना दिवस और गीता जयंती के अवसर पर सभी देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने एक्स पोस्ट में बीएसएफ के वीर जवानों और उनके परिजनों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भारत की सीमाओं की रक्षा में बीएसएफ के जवान निरंतर तत्पर रहते हैं। उन्होंने कहा, ₹आपकी दृढ़ निष्ठा, प्रतिबद्ध सेवा और अडिग साहस ने हमारे राष्ट्र की सीमाओं को सुरक्षा की अटल ढाल प्रदान की है। आपके समर्पण ने भारत की आत्मा को निश्चिंतता का वरदान दिया है। हम सभी देशवासियों को आप पर गर्व है।₹ मुख्यमंत्री गुप्ता ने गीता जयंती पर भी सभी को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि मानव जीवन को धर्म, कर्तव्य और सत्य के आलोक से भर देने वाली श्रीमद्भगवद्गीता सदियों से मनुष्य के अंतर्मन को दिशा देने वाला दिव्य उपदेश है। भगवान श्रीकृष्ण का यह अमूल्य उपहार संपूर्ण सृष्टि को साहस, विवेक और समत्व का मार्ग प्रदान करता है, एक ऐसा मार्ग जो हर युग में प्रासंगिक है। यह पावन दिवस हम सभी को ऐसे ही युगों-युगों तक कर्तव्यपथ पर अडिग रहने की प्रेरणा देता रहे।

न्यायालय ने लॉरेंस बिश्नोई गिरोह से सुरक्षा मांगने वाली याचिका पर विचार करने से इनकार किया

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को उत्तर प्रदेश के एक व्यक्ति की याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया, जिसने लॉरेंस बिश्नोई गिरोह से धमकी मिलने का दावा करते हुए चौबीसों घंटे सुरक्षा मुहैया कराने की मांग की थी। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने याचिकाकर्ता की ओर से पेश वकील से पूछा, "आपको कौन धमकी दे रहा है? लॉरेंस बिश्नोई उत्तर प्रदेश में भी काम करता है?" वकील ने सकारात्मक जवाब देते हुए कहा कि याचिकाकर्ता चौबीसों घंटे सुरक्षा की मांग कर रहा है। जब पीठ ने कहा कि बिश्नोई गिरोह राजस्थान और पंजाब में सक्रिय है, तो वकील ने कहा, "वह हर जगह सक्रिय है। केवल भारत में ही नहीं।" पीठ ने कहा कि सुरक्षा प्रदान करने के लिए एक प्रक्रिया निर्धारित है और इसके लिए जिला-स्तरीय, राज्य-स्तरीय और संभाग-स्तरीय समितियां हैं। पीठ ने कहा, "वे इससे निपटेंगे।" उसने याचिकाकर्ता को अपनी शिकायत संबंधित उच्च न्यायालय में ले जाने को कहा। वकील ने कहा कि याचिकाकर्ता ने उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था जिसके बाद समिति ने उनके प्रतिवेदन पर विचार किया और उसे खारिज कर दिया। पीठ ने कहा, "आप इस आदेश को उच्च न्यायालय में चुनौती दें।

बुजुर्ग से साढ़े तीन लाख रुपये लूटने पर तीन लोग गिरफ्तार

नई दिल्ली। बाहरी-उत्तरी दिल्ली के बुराड़ी में एक बुजुर्ग से 3.5 लाख रुपये लूटने के आरोप में एक गिरोह के तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है । पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। उसने बताया कि इस गिरोह के सदस्य ग्राहक बनकर बैंक में अपने शिकार की पहचान कर लेते थे। पुलिस उपायुक्त (बाहरी उत्तरी) हरेश्वर स्वामी ने बताया कि 27 नवंबर को जब यह बुजुर्ग एक बैंक की बुराड़ी शाखा से 3.5 लाख रुपये निकालकर जा रहे थे तब दो मोटरसाइकिल पर सवार पांच लोग उनके पीछे लग गये तथा बवाना-नरेला इलाके में एक सुनसान जगह पर उन्हें रोककर उनके पैसे लूट लिए। इस घटना के सिलसिले में मामला दर्ज किया गया । पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज खंगाला तथा मोबाइल रिकॉर्ड और निगरानी के आधार पर जांच की। पुलिस ने बताया कि तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है, जिनकी पहचान पूर्व गोकलपुरी के करण (21), मंडोली एक्सटेंशन के सचिन (22) और उत्तर प्रदेश के चांदीनगर के आकाश (24) के तौर पर हुई है। पुलिस का कहना है कि पूछताछ के दौरान तीनों ने कथित तौर पर बताया कि लूट की योजना दो फरार साथियों – मास्टरमाइंड लवली और मोहन उर्फ गांधी – के साथ मिलकर बनाई गई थी। लवली और गांधी अब भी फरार हैं। जांचकर्ताओं को जांच के दौरान पता चला कि गिरोह के सदस्य बैंक के अंदर ग्राहक बनकर संभावित शिकार की पहचान करते थे। पुलिस ने कहा कि दो लोग बैंक के अंदर बुजुर्ग के पीछे लगे रहे ताकि यह पक्का हो सके कि उनके पास बड़ी रकम नकद है, फिर गिरोह ने उनका पीछा किया और एक सुनसान जगह पर उनपर हमला किया। पुलिस ने गिरफ्तार किये गये लोगों से 58000 रुपये बरामद किये हैं। उसे करण और सचिन के घरों से क्रमशः 6,000 रुपये और 22,000 रुपये मिले तथा एक स्थानीय साहूकार के पास से 30,000 रुपये बरामद किए। करण ने कर्ज चुकाने के नाम पर यह रकम साहूकार को दी थी। जुर्म में इस्तेमाल की गई एक मोटरसाइकिल भी जब्त कर ली गई है। आरोपी ने कथित रूप से पुलिस को बताया कि चोरी की रकम सभी पांच सदस्यों में बांट ली गई थी, जिसमें से 58,000 रुपये मोहन को और 57,000 रुपये लवली को दिए गए थे। पुलिस ने कहा कि फरार संदिग्धों का पता लगाने, बाकी नकदी बरामद करने और दूसरी मोटरसाइकिल का पता लगाने के लिए जांच जारी है।

दिल्ली पुलिस ने साइबर धोखाधड़ी में शामिल गिरोह का भंडाफोड़ किया, 3 लोग गिरफ्तार

नई दिल्ली। दक्षिण-पश्चिम जिले की साइबर थाना पुलिस ने एक संगठित इंटरस्टेट साइबर फ्रॉड सिंडिकेट का पर्दाफाश करते हुए तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है। यह गिरोह बेरोजगार युवाओं और नौकरी तलाश रहे लोगों को विदेश में आकर्षक नौकरी दिलाने का झांसा देकर ठगता था। इस ठगी के जरिए अब तक 1.80 लाख की राशि वसूली गई, जिसे विभिन्न म्यूल बैंक खाते के माध्यम से घुमाया गया।

गिरफ्तार आरोपितों में गुजरात, पश्चिम बंगाल और हरियाणा के रहने वाले तीन मुख्य सदस्य शामिल हैं। इनमें एक असिस्टेंट बैंक मैनेजर भी है जो गिरोह के लिए फर्जी बैंक खाते खोलता था। दक्षिण-पश्चिम जिले के पुलिस उपायुक्त अमित गोयल ने सोमवार को बताया कि कोविड-19 में नौकरी खो चुके शिकायतकर्ता ए.के. सहाय विदेश में रोजगार तलाश रहे थे। इसी दौरान उन्हें एक व्हाट्सऐप ग्रुप से संदेश मिला, जिसमें "एडुटेक कंसल्टेंट" और समूह व्यवस्थापक आदेश श्रीवास्तव के नाम से विदेशी नौकरी का ऑफर दिया गया। शिकायतकर्ता को न्यूजीलैंड में कुक/शेफ की नौकरी का प्रस्ताव 2.80 लाख में दिया गया। भरोसा जीतने के लिए आरोपितों ने फर्जी वीजा, कंपनी के रजिस्ट्रेशन दस्तावेज और यात्रा टिकट तक भेज दिए। इन दस्तावेजों पर विश्वास कर पीड़ित ने 1.80 लाख आरोपित द्वारा बताए गए खातों में जमा कर दिए। जिसके बाद गिरोह के सदस्य गायब हो गए। जब शिकायतकर्ता को शंका हुई और उसने सभी दस्तावेजों की जांच कराई तो वे फर्जी पाए गए। इस पर साइबर थाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस उपायुक्त के अनुसार पुलिस टीम ने आरोपितों तक पहुंचने के लिए गहन तकनीकी विश्लेषण किया। पहले व्हाट्सऐप नंबरों की लोकेशन, चैट और कॉल रिकॉर्ड की जांच की गई। इसके साथ ही ठगी की राशि जिस बैंक खाते में ट्रांसफर हुई थी, उसकी लेयरिंग की जांच की गई। छानबीन के दौरान पता चला रकम पहले एक म्यूल खाते में जमा हुई, फिर दूसरे खाते में भेजी गई ताकि असली स्रोत को छुपाया जा सके। बैंक खातों और मोबाइल लोकेशन की जांच से गिरोह का जाल गुजरात, गुरुग्राम और कोलकाता तक फैला पाया गया। पुलिस उपायुक्त के अनुसार लगातार निगरानी व ट्रैप लगाने के बाद पुलिस ने ऋषिकेश से पहले आरोपित केतन दीपक कुमार को गिरफ्तार किया। उसके पास से ठगी में इस्तेमाल हुआ मुख्य कॉलिंग डिवाइस बरामद हुआ। उसकी निशानदेही पर कोलकाता से दूसरे आरोपित संजीव मंडल को दबोचा। इसके बाद तीसरे आरोपित और बैंककर्मी रवि कुमार मिश्रा को गिरफ्तार किया गया। तीनों आरोपित अच्छी तरह से संगठित नेटवर्क के तौर पर काम करते थे। इनमें संजीव मंडल फर्जी नाम "एडुटेक किरण केवी" के रूप में व्हाट्सऐप पर बातचीत कर पीड़ितों को विश्वास में लेता था। जबकि केतन दीपक कुमार विभिन्न लोगों के नाम से बैंक खाते प्राप्त करता और उन पर गिरोह का नियंत्रण स्थापित कराता। इसके अलावा बैंक अधिकारी रवि कुमार मिश्रा बिना संदेह पैदा किए बैंक खाते खोलकर सीधे गिरोह को सौंप देता, जिसके बदले उसे कमीशन मिलता था। जांच में पता चला है कि ये लोग नौकरी का लालच देकर पहले दस्तावेजों के नाम पर पैसे जमा कराते, फिर उनका जवाब देना बंद कर देते। पुलिस ने आरोपितों के कब्जे से 06 मोबाइल फोन (जिसमें कॉलिंग डिवाइस शामिल), 02 लैपटॉप और 50,000/- नकद (ठगी की राशि का हिस्सा) बरामद किया है।

संपादकीय
आदित्य वशिष्ठ

विकास से हारा टैरिफ

अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप स्तब्ध और हैरान होंगे! भारत की जिस अर्थव्यवस्था को उन्होंने 'मृत' करार दिया था और 27 अगस्त को 50 फीसदी टैरिफ थोपा था, दोनों ही गलत और बेअसर साबित हुए। अमरीका भारत को रूस से भी तोड़ नहीं सका। यह अमरीका को भारत की जबरदस्त चुनौती है, क्योंकि भारतीय अर्थव्यवस्था की गति जापान, जर्मनी, फ्रांस सरीखे विकसित देशों की अर्थव्यवस्थाओं की गति से भी तेज साबित हुई है। वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) की आर्थिक विकास दर 8.2 फीसदी रही है। 2023-24 में भी विकास दर 9 फीसदी से अधिक रही थी और वित्त वर्ष का समापन 8.4 फीसदी के साथ हुआ था। भारत की वास्तविक जीडीपी 48.63 लाख करोड़ रुपए है, जबकि एक साल पहले यह 44.94 लाख करोड़ रुपए थी। भारत की नॉमिनल जीडीपी 85.25 लाख करोड़ रुपए है। नॉमिनल जीडीपी के मायने हैं कि एक ही भौगोलिक सीमा के भीतर, एक अर्थव्यवस्था में, एक निश्चित अवधि में, उत्पादित सभी अंतिम वस्तुओं और सेवाओं का कुल बाजार मूल्य कितना है। उसमें मुद्रास्फीति को समायोजित नहीं किया जाता। भारत सरकार के मुख्य आर्थिक सलाहकार वी. अनंत नागेश्वरन का आकलन है चूंकि पहले 6 माह की बढ़ोतरी दर 8 फीसदी से अधिक रही है, नतीजतन अब भारत की कुल अर्थव्यवस्था 4 ट्रिलियन डॉलर के पार होगी और चालू वित्त वर्ष की अंतिम आर्थिक विकास दर करीब 7.5 फीसदी हो सकती है। बजट संसद में पेश करने से पहले जो 'आर्थिक समीक्षा' सदन में रखी गई थी, उसमें 2025-26 की विकास दर का अनुमान 6.3-6.8 फीसदी लगाया गया था। अर्थव्यवस्था में यह बढ़ोतरी भारत के सतत आर्थिक विकास को प्रतिबिंबित करती है। चूंकि त्योहारी मौसम की मांग और खरीद के आंकड़े अभी सामने आने हैं। अक्तूबर-दिसंबर की तीसरी तिमाही की बढ़ोतरी दर और भी अच्छी हो सकती है। जीएसटी की दरों में जो कमी की गई, उनसे आम आदमी ने भी खरीददारी बढ़ाई है। त्योहारी मौसम में तो व्यापक, बंपर खरीददारी होती रही है। भारत में निजी खपत का जीडीपी में योगदान 55-57 फीसदी तक रहा है। यदि विकास दर 8 फीसदी से अधिक है, तो जाहिर है कि निजी खपत बढ़ रही है। लोगों में क्रय-शक्ति है। वे मांग कर रहे हैं और वस्तुओं, सेवाओं का उपभोग कर रहे हैं, लिहाजा बाजार में चमक है और उत्पादन बढ़ रहा है। दूसरी तिमाही के दौरान मैन्यूफैक्चरिंग क्षेत्र में 9.1 फीसदी, सेवा में 9.2 फीसदी, निर्माण में 7.4 फीसदी (कुछ कम हुआ), कृषि में 3.5 फीसदी, नॉमिनल जीडीपी में 8.7 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। व्यापार, होटल, परिवहन, संचार सेवाओं के क्षेत्र में 7.4 फीसदी, बिजली में 4.4 फीसदी, फाइनेंशियल, रियल एस्टेट, पेशेवर सेवाओं में बढ़ोतरी 10 फीसदी से ज्यादा हुई है।

प्रदूषण की कैद में कैद होती पृथ्वी

राष्ट्रीय प्रदूषण नियंत्रण दिवस पर विशेष

-श्वेता गोयल-

देश में प्रदूषण को गंभीरता से नियंत्रित करने और रोकने के लिए कानून में कई धाराएं समाहित हैं, जिनमें 1974 का जल (रोकथाम और प्रदूषण नियंत्रण) अधिनियम, 1977 का जल उपकर अधिनियम, 1981 का वायु अधिनियम, 1986 का पर्यावरण (संरक्षण) नियम, 1986 का पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1989 का खतरनाक रासायनिक निर्माण, भंडारण और आयात का नियम, 1989 का खतरनाक अपशिष्ट नियम, 1989 का खतरनाक माइक्रो जीव अनुवांशिक इंजीनियर जीवों या कोशिकाओं के निर्माण, भंडारण, आयात, निर्यात और भंडारण नियम, 1996 का रासायनिक दुर्घटनाओं (इमरजेंसी, योजना, तैयारी और प्रतिक्रिया) नियम, 1998 का जैव चिकित्सा अपशिष्ट नियम, 1999 का पुनर्नवीनीकरण प्लास्टिक निर्माण और उपयोग नियम, 2000 का ओजोन क्षयकारी पदार्थ नियम, 2000 का ध्वनि प्रदूषण नियम, 2000 का नगरपालिका ठोस अपशिष्ट नियम, 2001 बैट्री (मैनेजमेंट और संचालन) नियम, 2006 महाराष्ट्र जैव कचरा नियंत्रण अध्यादेश, 2006 का पर्यावरण प्रभाव आकलन अधिसूचना नियम इत्यादि प्रमुख हैं।

प्रतिवर्ष 2 दिसम्बर को भोपाल गैस त्रासदी में जान गंवाने वाले लोगों की याद में भारत में 'राष्ट्रीय प्रदूषण नियंत्रण दिवस' मनाया जाता है। विभिन्न रिपोर्टों के मुताबिक उस गैस त्रासदी में जहरीली गैस के रिसाव के कारण पांच लाख से भी अधिक लोगों की मौत हो गई थी, हालांकि मध्य प्रदेश सरकार द्वारा मौतों की संख्या 3787 घोषित की गई थी। उस गैस त्रासदी को इतने वर्षों बाद भी पूरी दुनिया में इतिहास की सबसे बड़ी औद्योगिक प्रदूषण आपदा के रूप में जाना जाता है। 1984 की उस गैस त्रासदी के दौरान प्राण गंवाने वाले लोगों को याद करने और प्रदूषण नियंत्रण कृत्यों के महत्व से हर व्यक्ति को अवगत कराने के लिए 2 दिसबर का दिन राष्ट्रीय प्रदूषण नियंत्रण दिवस के रूप में चिह्नित किया गया। इस दिन का उद्देश्य प्रदूषण को रोकने में मदद करने वाले कानूनों के बारे में लोगों को जागरूक करना, औद्योगिक आपदाओं के प्रबंधन तथा नियंत्रण के प्रति जागरूकता फैलाना और औद्योगिक प्रक्रियाओं तथा मानवीय लापरवाही से उत्पन्न प्रदूषण को रोकना है। दरअसल आधुनिकता की अंधी दौड़ में हम पर्यावरण का महत्व भूलते जा रहे हैं। इन दिनों देश के विभिन्न हिस्सों में पर्यावरण प्रदूषण को लेकर जो विकराल स्थिति बरकरार है, ऐसे में इस दिवस का महत्व कई गुना बढ़ जाता है।

देश में प्रदूषण को गंभीरता से नियंत्रित करने और रोकने के लिए कानून में कई धाराएं समाहित हैं, जिनमें 1974 का जल (रोकथाम और प्रदूषण नियंत्रण) अधिनियम, 1977 का जल उपकर अधिनियम, 1981 का वायु अधिनियम, 1986 का पर्यावरण (संरक्षण) नियम, 1986 का पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1989 का खतरनाक रासायनिक निर्माण, भंडारण और आयात का नियम, 1989 का खतरनाक अपशिष्ट नियम, 1989 का खतरनाक माइक्रो जीव अनुवांशिक इंजीनियर जीवों या कोशिकाओं के निर्माण, भंडारण, आयात, निर्यात और भंडारण नियम, 1996 का रासायनिक दुर्घटनाओं (इमरजेंसी, योजना, तैयारी और प्रतिक्रिया) नियम, 1998 का जैव चिकित्सा अपशिष्ट नियम, 1999 का पुनर्नवीनीकरण प्लास्टिक निर्माण और उपयोग नियम, 2000 का ओजोन क्षयकारी पदार्थ नियम, 2000 का ध्वनि प्रदूषण नियम, 2000 का नगरपालिका ठोस अपशिष्ट नियम, 2001 बैट्री (मैनेजमेंट और संचालन) नियम, 2006 महाराष्ट्र जैव कचरा नियंत्रण अध्यादेश, 2006 का पर्यावरण प्रभाव आकलन अधिसूचना नियम इत्यादि प्रमुख हैं। इतने सारे अधिनियमों के बावजूद यह विड़म्बना ही है कि देश में प्रदूषण का स्तर निरन्तर बढ़ रहा है और वायु प्रदूषण के मामले में दिल्ली, लखनऊ, कानपुर, आगरा, फरीदाबाद, वाराणसी, गया, पटना, जयपुर, पटियाला इत्यादि भारत के कई शहरों की गिनती अक्सर विश्व के सर्वाधिक प्रदूषित शहरों में होती रही है।

बढ़ते प्रदूषण ने जलवायु परिवर्तन के खतरे को भयावह रूप से तीव्र कर दिया है। हिंदी अकादमी दिल्ली के सौजन्य से प्रकाशित पुस्तक 'प्रदूषण मुक्त सांसें' के अनुसार, औद्योगिकीकरण, जीवाश्म ईंधनों का अत्यधिक उपयोग, वनों की कटाई और शहरीकरण ने वातावरण में ग्रीनहाउस गैसों की मात्रा बढ़ाकर पृथ्वी के तापमान को असंतुलित कर दिया है। 'लांसेट' जर्नल की रिपोर्ट इस संकट की गंभीरता को रेखांकित करती है। रिपोर्ट के अनुसार विश्व के 30 देशों में जलवायु परिवर्तन के प्रतिकूल प्रभावों के चलते कृषि उत्पादन में गिरावट का चरण शुरू हो चुका है, जो न केवल खाद्य सुरक्षा को प्रभावित कर रहा है बल्कि करोड़ों लोगों की आजीविका पर भी प्रत्यक्ष खतरा बन गया है। यही नहीं, यूरोप और पूर्वी भूमध्यसागरीय क्षेत्र गर्मी के बढ़ते जोखिम की जद में हैं, जहां 65 वर्ष से अधिक आयु वाले लगभग 42 प्रतिशत लोग भीषण तापमान से होने वाले दुष्प्रभावों का सामना कर रहे हैं। वर्ष 2000 से 2017 के दौरान दुनिया के 15 करोड़ से अधिक लोग भीषण गर्मी की चपेट में आए जबकि वर्ष 2017 में यह संख्या 2016 की तुलना में 1.8 करोड़ अधिक थी। उसके बाद से यह आंकड़ा लगातार बढ़ रहा है। यह स्पष्ट करता है कि यदि प्रदूषण नियंत्रण और पर्यावरण संरक्षण के ठोस कदम नहीं उठाए गए तो आने वाले वर्षों में जलवायु परिवर्तन मानव सभ्यता के अस्तित्व के लिए गंभीर चुनौती बन सकता है।

प्रदूषण आज न केवल भारत बल्कि पूरी दुनिया के लिए नासूर बनता जा रहा है, जिसकी वजह से बढ़ती बीमारियों के कारण स्वास्थ्य सेवाओं पर बोझ कई गुना बढ़ता जा रहा है। हवा में मौजूद प्रदूषण के कण न केवल दिल, दिमाग और फेफड़ों पर गंभीर असर डालते हैं बल्कि कैंसर जैसी असाध्य बीमारियों का भी कारण बन रहे हैं। प्रतिवर्ष करीब सात मिलियन लोग वायु प्रदूषण के कारण अपनी जान गंवाते हैं। दुनियाभर में प्रदूषण को लेकर इस समय स्थिति इतनी बदतर है कि प्रत्येक दस में से नौ लोगों को शुद्ध हवा नसीब नहीं हो पाती और यदि समय रहते इन परिस्थितियों पर नियंत्रण करने में सफलता नहीं मिली तो यह तय है कि हमारे आने वाली पीढ़ियां जहरीली हवा में ही सांस लेकर जीवन के दिन काटने को विवश होंगी। प्रदूषण से पैदा होती विकराल वैश्विक स्थिति के बारे में प्रदूषण नियंत्रण के लिए कार्यरत शिकागो के प्रो. माइकल ग्रीनस्टोन कहते हैं कि प्रदूषण किसी भी व्यक्ति के लिए ऐसी समस्या है, जिससे स्वयं को बचाने के लिए वह निजी स्तर पर कुछ विशेष नहीं कर सकता बल्कि यह एक सामूहिक प्रयास है।

प्रदूषण को लेकर विभिन्न रिपोर्टों के मुताबिक विश्व की करीब 75 फीसदी आबादी ऐसे क्षेत्रों में रहती है, जहां वायु प्रदूषण का स्तर विश्व स्वास्थ्य संगठन के मानकों से ज्यादा है। प्रदूषण से कम होती औसत आयु और लगातार बढ़ती शारीरिक व्याधियों को लेकर अब लगभग हर वर्ष चिंताजनक रिपोर्टें आ रही हैं। अमेरिका की यूनिवर्सिटी ऑफ शिकागो के शोधकर्ताओं द्वारा तैयार एयर क्वालिटी लाइफ इंडेक्स (एक्यूएलआई) में तो चौंका देने वाला यह तथ्य भी सामने आया कि भारत के अलावा चीन में भी औसत आयु में कमी आने के पीछे वायु प्रदूषण सबसे बड़ा कारण है, जिसकी इसमें करीब 73 फीसदी भागीदारी है। एक्यूएलआई में औसत आयु पर पड़ने वाले प्रभावों के आधार पर वायु प्रदूषण को दुनियाभर में मानव स्वास्थ्य के लिए सबसे बड़ा खतरा बताया गया है।

पर्यावरण विशेषज्ञों का मत है कि प्रदूषण से उम्र पर पड़ने वाला प्रभाव धूम्रपान और टीबी जैसी बीमारियों से भी ज्यादा है और यदि प्रदूषण को लेकर विश्व स्वास्थ्य संगठन के मानकों का सख्ती से पालन किया जाए तो लोगों की उम्र में कई वर्ष की बढ़ोतरी हो सकती है। चिंतनीय स्थिति यह है कि प्रकृति ने पृथ्वी को जितना खूबसूरत बनाया है, प्रदूषण से पृथ्वी प्रदत्त वह खूबसूरती बर्बाद हो रही है। दरअसल दुनिया जितनी तीव्र गति से विकास के मार्ग पर अग्रसर है, उससे भी तेज रफ्तार से प्रदूषण का स्तर बढ़ाने में भी योगदान कर रही है। ऐसे में संजीदगी से प्रदूषण की रोकथाम के गंभीर प्रयास करने की दरकार है क्योंकि यदि प्रदूषण को नियंत्रित नहीं किया गया तो हमारे आने वाली पीढ़ियां बेहद विषैली हवा में सांस लेने को विवश होंगी और इस दुनिया में जन्म लेते ही बच्चे तरह-तरह की बीमारियों के शिकार होंगे। बढ़ते वायु प्रदूषण, गर्म होती धरती और बीमारियों के विस्फोट ने साफ संकेत दे दिए हैं कि पृथ्वी अब और बोझ सहन नहीं कर सकती।

भारत का मेजर ताकत बनना बड़ी उपलब्धि, सुपर ताकत बनना बड़ी चुनौती

डॉ. राजेंद्र प्रसाद शर्मा

आस्ट्रेलियाई थिंक टैंक लोवी संस्था द्वारा जारी एशिया पॉवर इंडेक्स 2025 में भारत का मेजर पॉवर का दर्जा हासिल करना इस मायने में महत्वपूर्ण है कि भारत शक्तिशाली देशों की कतार में अमेरिका और चीन के बाद तीसरे पायदान पर पहुंच गया है। लोवी द्वारा जारी इंडेक्स में मेजर पॉवर का दर्जा हासिल करने वाला भारत एकमात्र देश है जबकि सुपर पॉवर के रुप में अमेरिका और चीन अपना दबदबा बनाए रखने में कामयाब रहे हैं। भारत ने मेजर पॉवर का दर्जा हासिल कर लिया है पर सुपर पॉवर का दर्जा हासिल करने में अभी भारत को लंबा समय और कड़ी मेहनत व प्रयास करने होंगे।

दरअसल, 8 पेरामीटर्स में 100 में से 70 से अधिक अंक अर्जित करने वाले देश ही सुपर पॉवर की श्रेणी में आते हैं और अमेरिका इसमें 80.5 अंक प्राप्त कर सुपर पॉवर बना हुआ है। वहीं, चीन भी अमेरिका के पीछे-पीछे 73.7 अंकों के साथ दूसरा सुपर पॉवर बना हुआ है। डोनाल्ड ट्रम्प के आने के बाद अमेरिका ने बहुत कुछ खोया है फिर भी पहले स्थान का ताज आने वाले सालों में भी छिनता हुआ नहीं लगता है। भारत ने अवश्य जापान को पछाड़ कर तीसरा स्थान बनाया है और 40 अंक प्राप्त कर मेजर पॉवर तो बन ही गया है। 40 या 40 से अधिक अंक प्राप्त करने वाले देश मेजर पॉवर की श्रेणी में आते हैं और यह दर्जा प्राप्त करने वाला भारत अकेला देश बन गया है। एशिया प्रशांत के 27 देशों से शेष 23 देश मिडिल पॉवर व उससे नीचे की श्रेणी में हैं। हमारा पड़ोसी देश पाकिस्तान इस इंडेक्स में पहले दस में भी स्थान नहीं बना पाया है। पाकिस्तान सूची में 16 वें स्थान पर रहा है। निश्चित रुप से यह भारत के लिए बड़ी उपलब्धि और इंटरनेशनल जगत में भारत के बढ़ते दबदबे का स्पष्ट संकेत है।

ऑपरेशन सिन्दूर और इससे पहले भी जिस तरह से भारत ने अपनी सैन्य शक्ति का प्रदर्शन किया है और इंटरनेशनल डिप्लोमेसी में भारत की अग्रगामी भूमिका तय की गई है उसका बड़ा प्रभाव पड़ा है। आर्थिक क्षेत्र में भारत की उपलब्धियों ने इसे तीसरे पायदान पर लाने में खासी भूमिका तय की है। भारत आज दुनिया के देशों में बड़ी आर्थिक शक्ति के रुप में उभरा है और दुनिया के देशों में सबसे अधिक यानी कि विदेशी निवेश में भारत ने चीन को भी पीछे छोड़ दिया है।

आस्ट्रेलियाई थिंक टैंक लोवी द्वारा 2018 से एशिया पॉवर इंडेक्स जारी करना आरंभ किया है। 2025 में एशिया पॉवर इंडेक्स का सातवां संस्करण जारी किया है। लोवी द्वारा 8 पेरामीटर्स के आधार पर अंक जारी किये जाते हैं। इसमें सैन्य क्षमता, रक्षा नेटवर्क, आर्थिक शक्ति, अन्य देशों के साथ आर्थिक संबंध, कूटनीतिक व सांस्कृतिक संबंध, लचीलापन, भविष्य के संसाधन आदि पेरामीटर्स के आधार पर 27 देशों का मूल्यांकन किया जाता है। इसमें कोई दो राय नहीं कि ऑपरेशन सिन्दूर ने भारत की सैन्य शक्ति और ताकत से दुनिया के देशों को झकझोर कर रख दिया है। सैन्य संसाधनों में आज भारत आत्मनिर्भर होता जा रहा है। इसके साथ ही जिस तरह से भारत की इकोनोमी तेजी से आगे बढ़ती जा रही है उससे दुनिया के देशों में भारत ने अलग ही स्थान अर्जित कर लिया है। भारत में देसी-विदेशी निवेश का जिस तरह का माहौल बना है और जिस तेजी से विपरीत वैश्विक हालातों के बावजूद और यहां तक कि ट्रंप की टैरिफ नीति के बावजूद भारत की अर्थव्यवस्था व विकास का स्तर लगातार बने रहना बड़ी उपलब्धि है।

ऑपरेशन सिन्दूर, आर्थिक क्षेत्र में बढ़ती साख, सैन्य क्षमता में बढ़ोतरी भारत की ताकत बन गई है। भारत के साथ सबसे बड़ी ताकत स्थिर और कड़े निर्णय लेने में भी सक्षम सरकार होना एक सकारात्मक पक्ष है तो दूसरी और जेन जेड और उसके बाद की जैनरेशन की बड़ी भूमिका हो गई है। आज तकनीकी रुप से भी भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है। भारत युवाओं का देश हो गया है। सैन्य क्षमता, कूटनीतिक प्रभाव, इकोनोमिक क्षमता और प्रौद्योगिकी, डिजिटलाइजेशन, कूटनीतिक और सांस्कृतिक रिलेशन आदि क्षेत्र में भारत ने पिछले साल की तुलना में अधिक अंक अर्जित किये हैं। सबसे बड़ी बात यह है कि भारत का वैश्विक स्तर पर आत्मविश्वास बढ़ा है और इसी का परिणाम है कि भारत आज आंख से आंख मिलाकर बात करने और आंतरिक व बाहरी निर्णय लेने में सक्षम और स्वतंत्र देश के रुप में उभरा है। हालांकि भारत के सामने अभी चुनौतियां बहुत है। सबसे बड़ी चुनौती जो विषय से अलग हटकर है वह है हमारे ही लोगों द्वारा विदेशी मीडिया व विदेशी धरती पर देश की छवि खराब करना। होना यह चाहिए कि लाख राजनीतिक मतभेदों के बावजूद विदेश की धरती पर एक रहना और एक रहने का संदेश देना जरूरी हो जाता है। रक्षा नेटवर्क को और अधिक विस्तारित करने की चुनौती के साथ ही कूटनीतिक और सांस्कृतिक क्षेत्र में बहुत कुछ करने की आवश्यकता है। अमेरिका की ट्रंप की देशी-विदेशी नीति के कारण अमेरिका के अंकों में गिरावट दर्ज की गई है। देखा जाए तो भारत की सैन्य क्षमता के साथ साथ इकोनोमी के क्षेत्र में क्षमता का तेजी से विकास हुआ है। हालांकि रक्षा नेटवर्क के क्षेत्र में अभी बहुत कुछ किया जाना है।

एशिया पॉवर इंडेक्स 2025 में भारत का मेजर पॉवर बनना और तीसरा स्थान बनाना भारत की दुनिया के देषों में बढ़ती साख का परिचायक है। निश्चित रुप से यह बड़ी उपलब्धि है पर अब भारत को इसे बनाये रखने और अन्य पेरामीटर्स के क्षेत्र में भी योजनाबद्ध तरीके से आगे बढ़ना है। चुनौतियां बहुत हैं पर चुनौतियों से पार पाते हुए ही कुछ अधिक अर्जित करना बड़ी बात हो जाती है। मेजर पॉवर से सुपर पॉवर बनना बड़ी चुनौती है पर सकारात्मक प्रयासों से सुपर पॉवर बनने के लक्ष्य के साथ ही भारत को आगे बढ़ना होगा।

रविवार को करें सूर्यदेव का व्रत एवं पूजन और पायें शुभ फल

जो लोग अच्छे स्वावसथ्यज और घर में सुख समृद्धि की कामना करते हैं उन्हें। पूरी श्रद्धा के साथ रविवार का व्रत एवं पूजन करना चाहिए। इस दिन सूर्य देव की पूजा का विधान है। इसलिए नहाने के बाद सूर्यनारायण को तीन बार अर्घ्य देकर प्रणाम करें। सूर्य के मंत्रों का श्रद्धापूर्वक जाप करें, और आदित्य हृदय का पाठ करें। पूजा के बाद भगवान सूर्यदेव का स्मतरण करते हुए व्रत का संकल्पक लें। इस व्रत में बिना तेल और नमक के भोजन करना चाहिये। मान्यूता है कि एक वर्ष तक नियमित रूप से उपवास रखने के पश्चात व्रत का उद्यापन करने वाला जीवन में सभी सुखों को भोगता है और मृत्यु बाद मोक्ष को पाता है। इस दिन संध्या के समय भी सूर्य को अर्घ्य देकर प्रणाम करना उत्तृम होता है। कहते हैं कि रविवार को सूर्यदेव के नाम का उपवास कर उनकी आराधना करने वाले की सारी द्ररिद्रता दूर हो जाती है। रविवार के व्रत की कथा इस प्रकार है। रविवार को सूर्योदय से पहले शुद्ध होकर स्नान आदि करने के बाद इस कथा का श्रवण करना चाहिए। रविवार की कथा में बताया गया है कि एक बुढ़िया हर रविवार प्रातःकाल उठकर नहा धोकर अपने घर आंगन को गाय के गोबर से लीपती फिर सूर्य देव की पूजा करती और उन्हें भोग लगाकर ही भोजन करती थी। बुढ़िया के पास गाय नहीं इसलिये पड़ोसियों के यहां से गाय का गोबर लाती। उसकी इस आस्ज्ञा से उस पर सूर्यदेव के अनुग्रह से उसका घर धन धान्य से संपन्न रहने लगा। बुढ़िया के दिन फिरते देख उसकी पड़ोसन जलने लगी। उसने अपनी गाय को सामने से हटा दिया जिससे बुढ़िया को गोबर नहीं मिला और घर की लिपाई नहीं हुई और बुढ़िया ने कुछ नहीं खाया और निराहार रही। सपने में सूर्य देव ने उससे पूछा कि आज आपने मुझे भोग क्यों नहीं लगाया। बुढ़िया ने कहा कि उसके पास गाय नहीं है और वह पड़ोसन की गाय का गोबर लाकर लिपाई करती थी। पड़ोसन ने अपनी गाय अंदर बांध ली जिस कारण वह घर की लिपाई नहीं कर सकी और इसीलिए ना भोजन बना पाई ना भोग लगा सकी। इस पर सूर्य देव ने कहा वे उनकी श्रद्धा व भक्ति से बहुत प्रसन्न है और उसे एक इच्छा। पूर्ण करने वाली गाय दी।

धर्मकर्म

आज का इतिहास

महत्वपूर्ण घटनाचक्र

1804: नेपोलियन बोनापार्ट की फ्रांस के सम्राट के तौर पर ताजपोशी की गई।
1911: जॉर्ज पंचम और क्वीन मैरी भारत आने वाले ब्रिटेन के पहले राजा, रानी बनें। उनके बंबई (अब मुंबई) आगमन की याद में गेटवे ऑफ इंडिया बनाया गया।
1976 : फिदेल कास्त्रो क्यूबा के राष्ट्रपति बने।
1971 : अरब प्रायद्वीप के छह क्षेत्रों ने मिलकर संयुक्त अरब अमीरात की स्थापना की। फरवरी 1972 में इनमें एक सातवां देश भी शामिल हुआ।
1989 : विश्वनाथ प्रताप सिंह देश के सातवें प्रधानमंत्री बने।
1999 : भारत में बीमा क्षेत्र में निजी क्षेत्र के निवेश को मंजूरी मिली।
2003 : बोस्नियाई सर्ब के पूर्व सैन्य कमांडर मोमिर निकोलिक को हेग स्थित संयुक्त राष्ट्र की युद्धापराध अदालत ने 1995 के नरसंहार के लिए दोषी ठहराया और 27 साल कैद की सजा सुनाई।
2006 : फिलीपीन में ज्वालामुखी का मलबा गिरने से 208 लोगों की मौत, 261 अन्य घायल।
2007 - पाकिस्तान के तत्कालीन राष्ट्रपति परवेज मुशर्रफ़ ने 8 जनवरी के प्रस्तावित चुनाव को देखते हुए देश में विरोध प्रदर्शनों और रैलियों पर प्रतिबंध लगाया।

जन्म

1937: पूर्व लोकसभा अध्यक्ष मनोहर जोशी।
1939: पटकथा लेखिका अचला नागर।
1960: भाजपा अध्यक्ष और केंद्रीयमंत्री जगत प्रकाश नड्डा।
1963: प्रसिद्ध भारतीय-अमेरिकी वैज्ञानिक शिवा अय्यदुरई।

निधन

1918: भारत के प्रमुख शिक्षा शास्त्री गुरुदास बनर्जी।
1969: सोवियत संघ के राष्ट्रपति क्लिमेंट वोरोशिलोव।
2012: हिन्दी सिनेमा की चरित्र अभिनेत्री प्रीति गांगुली।
2014: हिन्दी सिनेमा के प्रसिद्ध हास्य अभिनेता देवेन वर्मा।

महत्वपूर्ण दिवस

-अंतरराष्ट्रीय दास प्रथा उन्मूलन दिवस।
-राष्ट्रीय प्रदूषण नियंत्रण दिवस।
-अंतरराष्ट्रीय कम्प्यूटर साक्षरता दिवस

नए श्रम कानूनों से आर्थिक रफ्तार

-डा. जयंती लाल भंडारी-

हाल ही में 21 नवंबर को केंद्र सरकार ने देश में पांच साल के लंबे समय से प्रतीक्षित जिन नए श्रम कानूनों के तहत चार श्रम संहिता (लेबर कोड) को लागू कर दिया है, उनसे श्रमिकों के लिए राहत और उद्योग-कारोबार के लिए आर्थिक रफ्तार की नई संभावनाएं उभरकर दिखाई दे रही हैं। नए श्रम कानून के तहत चार श्रम संहिताएं- मजदूरी संहिता 2019, औद्योगिक संबंध संहिता 2020, सामाजिक सुरक्षा संहिता 2020 और व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य और कार्य शर्तें संहिता 2020 शामिल हैं। नए श्रम कानून के परिप्रेक्ष्य में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि ये श्रम कानून देश में स्वतंत्रता के बाद से सबसे व्यापक और प्रगतिशील श्रम-उन्मुख सुधार हैं। वस्तुतः नई चार श्रम संहिताएं सार्वभौमिक सामाजिक सुरक्षा, न्यूनतम और समय पर मजदूरी का भुगतान, सुरक्षित कार्यस्थल और हमारे लोगों, विशेष रूप से नारी शक्ति और युवा शक्ति के लिए लाभकारी अवसरों के लिए एक मजबूत नींव के रूप में काम करेंगी। साथ ही नए श्रम कानून भविष्य के लिए एक ऐसे इकोसिस्टम का निर्माण करेंगे, जो श्रमिकों के अधिकारों की रक्षा करेगा और भारतीय अर्थव्यवस्था के विकास को मजबूत करेगा। अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) और अंतरराष्ट्रीय सामाजिक सुरक्षा संघ ने भारत के नए श्रम कानूनों की सराहना करते हुए कहा कि इनसे श्रमिकों को बड़े लाभ होंगे। साथ ही रोजगार प्रदाताओं और श्रमिकों के बीच सामाजिक सुरक्षा संवाद मजबूत होगा। निश्चित रूप से नई श्रम संहिताओं ने श्रम कानूनों को सरल, निष्पक्ष और नए दौर के कामकाजी वातावरण के अधिक अनुकूल बना दिया है।

ये नए श्रम कानून श्रमिकों के अधिकारों की रक्षा करने, सुरक्षा और सामाजिक सुरक्षा में सुधार करने, व्यवसायों के लिए नियमों का अनुपालन करना आसान बनाने और बढ़ती अर्थव्यवस्था में अधिक रोजगार के अवसर पैदा करने के मद्देनजर अत्यधिक महत्वपूर्ण हैं। नई श्रम संहिताओं के तहत श्रमिकों, उद्योगों और सरकार के हितों से संबंधित बहुआयामी लाभ उभरकर दिखाई दे रहे हैं। अब नियोक्ताओं को सभी श्रमिकों को नियुक्ति पत्र जारी करना होगा तथा गिग और प्लेटफॉर्म कामगारों सहित पूरे श्रमबल को सामाजिक सुरक्षा कवरेज प्रदान करना होगा। न्यूनतम मजदूरी का भुगतान सुनिश्चित करने और 40 वर्ष से अधिक आयु के श्रमिकों के लिए मुफ्त वार्षिक स्वास्थ्य जांच प्रदान की जाना भी सुनिश्चित की गई है। अब तय अवधि के लिए ठेके पर काम करने वाले कामगारों को स्थायी श्रमिकों के बराबर सभी लाभ मिलेंगे और वे 5 साल के बजाय सिर्फ एक साल बाद ग्रेच्युटी पाने के हकदार होंगे। नए श्रम नियम महिलाओं को रात की पाली में काम करने और देश भर में कर्मचारियों के राज्य बीमा लाभों का विस्तार करने की अनुमति भी देते हैं, इन सबसे श्रम की गुणवत्ता और उत्पादकता बढ़ेगी। यदि हम देश में श्रम कानूनों का इतिहास देखें तो पाते हैं कि भारत के कई श्रम कानून स्वतंत्रता से पहले और स्वतंत्रता के बाद के आरंभिक काल में उस समय बनाए गए थे, जब अर्थव्यवस्था और कार्य की दुनिया वर्तमान व्यवस्थाओं से पूरी तरह भिन्न थी। जैसे-जैसे 1991 के बाद वैश्वीकरण बढ़ता गया, वैसे-वैसे दुनिया के अधिकांश बड़े विकसित और विकासशील देशों ने पिछले कुछ दशकों में अपने श्रम नियमों को समय के साथ अनुकूल व सरल बनाया और उन्हें एकीकृत किया है। यह स्पष्ट दिखाई दे रहा है कि सिंगापुर, डेनमार्क, अमेरिका, न्यूजीलैंड तथा वियतनाम सहित कई देश लचीले श्रम कानूनों के कारण न केवल औद्योगिक विकास की डगर पर लाभान्वित होते हुए दिखाई दे रहे हैं। ये देश उद्योग-कारोबार की रैंकिंग में भी आगे हैं। लेकिन भारत अब तक 29 केंद्रीय श्रम कानूनों में बिखरे, जटिल और कई मामलों में पुराने प्रावधानों के आधार पर काम कर रहा था, जिन्हें सरल करने की जरूरत बनी हुई थी। उच्चतम न्यायालय भी कई बार देश में अप्रासंगिक हो चुके ऐसे श्रम कानूनों की कमियां गिनाता रहा है, जो काम को कठिन और लंबी अवधि का बनाते हैं।

देश और दुनिया के आर्थिक संगठन बार-बार यह कहते रहे हैं कि श्रम सुधारों से ही भारत में उद्योग-कारोबार का तेजी से विकास हो सकेगा। यह बात महत्वपूर्ण है कि नए श्रम कानून का एक बड़ा आधार दूसरे राष्ट्रीय श्रम आयोग की रिपोर्ट में प्रस्तुत की गई बहुआयामी सिफारिशें भी हैं। इस आयोग का गठन तत्कालीन श्रम मंत्री डा. सत्यनारायण जटिया के द्वारा अक्टूबर 1999 में किया गया था, जिसकी रिपोर्ट जून 2002 में प्राप्त हुई थी। श्रम कानूनों को मजदूर हितैषी बनाने में डा. जटिया का अहम योगदान रहा है। अब आत्मनिर्भरता और स्वदेशी को नए श्रम कानून तेजी से आगे बढ़ा सकेंगे। साथ ही नई श्रम संहिताओं से देश-दुनिया में सेवा क्षेत्र के साथ-साथ मैन्युफैक्चरिंग हब बनने की डगर पर तेजी से आगे बढ़ सकेगा। नए श्रम सुधार भारत की विकास दर को रफ्तार दे सकेंगे। उल्लेखनीय है कि 25 नवंबर को प्रकाशित स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) की रिसर्च रिपोर्ट के मुताबिक 21 नवंबर से भारत में लागू किए गए नए श्रम कानूनों से देश में, मध्यम अवधि में लगभग 77 लाख नई नौकरियां तैयार होंगी। रिपोर्ट के मुताबिक इस समय भारत का औपचारिक कार्यबल 60.4 फीसदी अनुमानित है। नए श्रम नियमों से अब औपचारिक कार्यबल लगभग 75.5 फीसदी के स्तर पर पहुंच सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक भारत में असंगठित क्षेत्र में लगभग 44 करोड़ श्रमिक हैं। इनमें से 31 करोड़ से अधिक ई-श्रम पोर्टल पर पंजीकृत हैं। यदि इन श्रमिकों में से केवल एक, पांचवां हिस्सा औपचारिक नौकरियों में स्थानांतरित होता है, तो लगभग 10 करोड़ श्रमिक लाभ प्राप्त करना शुरू कर देंगे, जो उनके रोजगार रिकॉर्ड से जुड़े होंगे। लेकिन नए श्रम कानून की डगर पर कार्यान्वयन संबंधी कई मुश्किलें भी हैं। इन मुश्किलों का समाधान किया जाना जरूरी होगा। खास तौर से व्यवस्था में निरंतर सुधार की आवश्यकता होगी। श्रम संबंधी कामों की तेजी से बदलती हुई प्रकृति को देखते हुए इसके लिए केंद्र तथा राज्य सरकारों के बीच तथा उद्योग-कारोबार तथा श्रम संगठनों के बीच अच्छा तालमेल जरूरी होगा। असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों को नए श्रम कानूनों का लाभ दिलाने के लिए अधिक प्रयास करने होंगे। ऊंची विकास दर को पाने के लिए नए श्रम कानूनों के शीघ्र व्यावहारिक क्रियान्वयन सहित अन्य आर्थिक और वित्तीय सुधारों की डगर पर भी तेजी से आगे बढना होगा।

उम्मीद करें कि देश में 21 नवंबर से लागू नई चार श्रम संहिताओं से श्रम नियमों के आधुनिकीकरण, श्रमिकों के कल्याण को बढ़ावा और श्रम पारिस्थितिकी तंत्र को कार्य की उभरती दुनिया के साथ संरेखित किए जाने जैसे नए आधारों से भविष्य के लिए तैयार कार्यबल और मजबूत, लचीले उद्योगों की मजबूत नींव रखी जाएगी, जो आत्मनिर्भर भारत के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। उम्मीद करें कि जिस प्रकार इनकम टैक्स और जीएसटी सुधार से आम आदमी और अर्थव्यवस्था को लाभ हुआ है, उसी प्रकार नए श्रम कानून भी लाभप्रद होंगे। उम्मीद करें कि अब नए श्रम कानून के बाद जीवन को आसान बनाने व आर्थिक मजबूती के लिए अब सरकार आगामी पीढ़ी के सुधार एजेंडा पर भी तेजी से आगे बढ़ते हुए कृषि, बैंकिंग, वित्तीय समावेशन, लॉजिस्टिक सुधार, डिजिटलीकरण और वित्तीय क्षेत्र में सुधारों की डगर पर आगे बढ़ेगी।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक आदित्य वशिष्ठ द्वारा सांई प्रिंटिंग प्रेस, बी-42 सेक्टर -7 नोएडा (गौतमबुद्ध नगर) उत्तर प्रदेश-201301 से मुद्रित व बी-142/2, ईस्ट ऑफ कैलाश, नई दिल्ली-110065 से प्रकाशित।
संपादकीय एवं संपर्क कार्यालय ए-152 सेक्टर-63, नोएडा-201301 | संपादक - आदित्य वशिष्ठ | कानूनी सलाहकार-पवित्र मोहन शर्मा | आर.एन.आई. DELHIN/2012/42452
इस अंक में प्रकाशित सभी समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी एक्ट के अंतर्गत संपादक उत्तरदायी होंगे। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन होंगे। e-mail: Jbttimes2021@gmail.Com

फुटवियर व्यवसाय के विस्तार से छात्र बनेंगे उद्यमी : राष्ट्रपति मुर्मू

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने सोमवार को कहा कि वैश्विक बाजार में पैठ मजबूत करने के लिए फुटवियर व्यवसाय का विस्तार जरूरी है, जो सीधे छात्रों के लिए उद्यमिता और बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन का मार्ग प्रशस्त करेगा। मुर्मु ने आज नई दिल्ली में फुटवियर डिजाइन एवं विकास संस्थान (एफडीडीआई) के दीक्षांत समारोह में यह बात कही।

उन्होंने कहा कि आज भारत तेजी से आत्मनिर्भर बन रहा है तथा वैश्विक आर्थिक मंच पर अपनी आर्थिक भूमिका का और अधिक विस्तार करने में सक्षम है। राष्ट्रपति ने बताया कि देश फुटवियर उत्पादन और खपत के मामले में दुनिया में दूसरे स्थान पर है। वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान, भारत का फुटवियर निर्यात 250 करोड़ डॉलर से थोड़ा अधिक था जबकि हमारा आयात लगभग 68 करोड़ डॉलर था। इस प्रकार भारत का फुटवियर निर्यात आयात से लगभग चार गुना है। उन्होंने कहा कि भारत दुनिया में फुटवियर का एक प्रमुख निर्यातक है लेकिन निर्यात को और बढ़ाने के लिए फुटवियर कारोबार का विस्तार करने की आवश्यकता है।

राष्ट्रपति ने एफडीडीआई और यूनिवर्सिटी ऑफ नॉर्थम्प्टन के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर होने पर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि यह भारत और ब्रिटेन के बीच मुक्त व्यापार समझौते के तहत हमारे सहयोग के गहराने का एक और आयाम है। उन्होंने रेखांकित किया कि इस समझौता ज्ञापन में टिकाऊ सामग्री और चक्रीय अर्थव्यवस्था की पद्धतियों पर विशेष जोर दिया गया है, जो दोनों देशों की पर्यावरण संरक्षण के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। राष्ट्रपति ने छात्रों को प्रेरित करते हुए कहा कि उनका काम केवल डिजाइन तक सीमित नहीं है, बल्कि यह देश और समाज के लिए बहुआयामी होना चाहिए। उन्होंने जोर दिया कि वे अपने फुटवियर डिजाइन को स्वास्थ्य और आजीविका का माध्यम बनाएं, रोजगार सृजन करें, आर्थिक असमानता को दूर करने में सहायक बनें, भारतीय निर्यात को नई ऊंचाइयों पर ले जाएं और गुणवत्ता के बल पर वैश्विक बाजार में भारत का प्रतिनिधित्व करें। इस प्रकार वे 'आत्मनिर्भर भारत' के निर्माण में सीधे तौर पर भागीदार बनेंगे। उल्लेखनीय है कि वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) ने आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत फुटवियर क्षेत्र को 'चैंपियन सेक्टर' का दर्जा दिया है।

भाजपा ने कांग्रेस सांसद रेणुका चौधरी पर कार्रवाई की मांग की

नई दिल्ली। संसद के शीतकालीन सत्र के पहले दिन कांग्रेस की राज्यसभा सदस्य रेणुका चौधरी अपने पालतू कुत्ते को गाड़ी में लेकर संसद भवन पहुंचीं। इस पर एक नया विवाद खड़ा हो गया। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने इसे संसद को अपमानित करने का आरोप लगाते हुए उनके खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

इस प्रकरण पर सांसद रेणुका चौधरी ने अपना बचाव करते हुए मीडियाकर्मियों से कहा कि संसद भवन आते समय रास्ते में उन्हें चोटिल कुत्ते का बच्चा दिखा। इस डर से कि कहीं वह कुचल न जाए इसलिए उसे उठाया और कार में यहां ले आई। फिर उसे वापस घर भेज दिया। उन्होंने कहा कि किसी जानवर की जान बचाने के काम पर कोई कैसे आपत्ति कर सकता है? चौधरी ने कहा, ₹जो काटते हैं, वे संसद में बैठकर सरकार चला रहे हैं। क्या इसमें कोई समस्या नहीं है? अगर वे किसी जानवर की देखभाल करती हैं तो यह चर्चा का विषय बन जाता है।₹ चौधरी ने कहा कि उन्होंने पहले भी सड़कों से कई स्वतंत्र कुत्तों को गोद लिया है।

वहीं, डुमरियागंज से भाजपा सांसद जगदंबिका पाल ने अपनी प्रतिक्रिया में कहा कि रेणुका चौधरी कुत्ता लेकर संसद आईं, यह गलत है। उन पर कार्रवाई होनी चाहिए। विशेषाधिकार का मतलब दुरुपयोग नहीं होता।

सांसद और उनके कुछ विशेषाधिकार होते हैं तो उनको अमर्यादित आचरण नहीं करना चाहिए। यह सदन सांसदों के लिए है, देश की नीतियों पर चर्चा करने के लिए है। जिन जनप्रतिनिधियों को जनता ने चुना है, यह जगह उनके लिए है। कांग्रेस सांसद को एहसास नहीं है कि लोकसभा, राज्यसभा देश की जनता की भावनाओं को प्रतिबिंबित करने वाली है। यहां कुत्ते को लेकर आना सही नहीं है, वह देश को शर्मसार कर रही हैं। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने रेणुका चौधरी के इस रवैए को नाटक बताते हुए इसे संसद का अपमान करने का आरोप लगाया। पूनावाला ने कहा कि कांग्रेस सांसद ने अपने सभी सहयोगियों और संसदीय कर्मचारियों की तुलना कुत्ते से की है। उन्होंने कहा कि जब उनसे पूछा जाता है तो वे काटने वाले अंदर बताती हैं। इसका मतलब संसद, संसदीय कर्मचारी और सांसद हैं। उनकी राय में, वे कुत्ते हैं।

उन्होंने पहले भी ऑपरेशन महादेव और ऑपरेशन सिंदूर का मज़ाक उड़ाकर हमारे जवानों का अपमान किया है। कांग्रेस संसद में नीति नहीं, बल्कि नाटक चाहती है।

शीतकालीन सत्र से पहले हुई विपक्षी गठबंधन की बैठक

नई दिल्ली। आज से शुरू हुए संसद के शीतकालीन सत्र से ठीक पहले विपक्षी इंडी गठबंधन के प्रमुख नेताओं ने रविवार को संसद भवन परिसर में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे के कार्यालय में बैठक की।

बैठक में राहुल गांधी, गौरव गोगोई, कमल हासन, प्रियंका चतुर्वेदी, रामगोपाल यादव, सैयद नसीर हुसैन समेत कई दलों के नेता शामिल हुए और संयुक्त रणनीति को अंतिम रूप दिया। इससे पहले कांग्रेस ने रविवार देर शाम सोनिया गांधी की अध्यक्षता में अपनी संसदीय रणनीति समूह की बैठक की। इसमें मल्लिकार्जुन खरगे, राहुल गांधी, पी. चिदंबरम सहित कई वरिष्ठ नेता शामिल हुए। विपक्ष शीतकालीन सत्र के दौरान राष्ट्रीय सुरक्षा, दिल्ली में हुए हालिया बम ब्लास्ट, मतदाता सूची के गहन पुनर्रीक्षण (एसआईआर) और वायु प्रदूषण जैसे मुद्दों पर सरकार को घेरने की तैयारी में है।

दिल्ली के प्रदूषण की सबसे बड़ी वजह पंजाब-हरियाणा की पराली नहीं, बल्कि स्थानीय समस्याएं: भूपेंद्र यादव

नई दिल्ली। केंद्रीय पर्यावरण और जलवायु मंत्री भूपेंद्र यादव ने लोकसभा में बताया कि दिल्ली एनसीआर में प्रदूषण की सबसे बड़ी वजह पंजाब और हरियाणा में पराली जलाना नहीं बल्कि वाहनों का धुआं, औद्योगिक प्रदूषण, निर्माण और तोड़फोड़ गतिविधियों की धूल और बायोमास जैसे स्थानीय स्रोत हैं।

उन्होंने कहा कि पराली जलाने की घटनाओं में पंजाब और हरियाणा में साल 2022 की तुलना में 2025 में लगभग 90 प्रतिशत की कमी आई है और इसके साथ ही दिल्ली की वायु गुणवत्ता में भी उल्लेखनीय सुधार हुआ है। भूपेंद्र यादव ने लोकसभा में पूछे गए एक लिखित प्रश्न के जवाब में बताया कि दिल्ली में 200 से कम एक्यूआई वाले दिन साल 2016 के 110 से बढ़कर 2025 में 200 हो गए हैं। जबकि, बहुत खराब और गंभीर श्रेणी वाले दिन साल 2024 के 71 से घटकर 2025 में 50 रह गए हैं। पराली जलाना भले सर्दियों में प्रदूषण को प्रभावित करता है लेकिन यह मुख्य कारण नहीं है और प्रदूषण का बड़ा हिस्सा दिल्ली एनसीआर के भीतर के कारणों से आता है।

उन्होंने बताया कि सरकार ने पराली प्रबंधन के लिए 2018-19 से 2025- 26 तक पंजाब और हरियाणा को कुल 3120 करोड़ रुपये की सहायता दी है। दोनों राज्यों में 2 लाख 60 हजार से अधिक सीआरएम मशीनें किसानों और सीएचसी को उपलब्ध कराई गई हैं। छोटे किसानों के लिए मशीनों की निशुल्क उपलब्धता की योजना बनाने और ईंट भट्टों तथा थर्मल पावर प्लांटों में धान के भूसे से बने बायोमास पेलेट और ब्रिकेट का उपयोग अनिवार्य करने के निर्देश भी जारी किए गए हैं। एनसीआर और आसपास के इलाकों में थर्मल पावर प्लांटों को कोयले के साथ कम से कम 5 से 10 प्रतिशत बायोमास को फायरिंग का पालन करना होगा।

भूपेंद्र यादव की ओर से दिए गए जवाब में बताया गया कि पराली पर नियंत्रण के लिए पंजाब और हरियाणा के हॉटस्पॉट जिलों में सीपीसीबी की 31 फ्लाइंग स्क्वाड टीमें तैनात की गई हैं, जो रोजाना निगरानी कर रिपोर्ट देती हैं। केंद्र सरकार ने इस मुद्दे पर कई उच्च स्तरीय बैठकें भी की हैं जिनमे राज्यों के वरिष्ठ अधिकारी और जिला प्रशासन शामिल थे और उन्हें मशीनों के प्रभावी उपयोग और निगरानी को कड़ा करने के निर्देश दिए गए।

जवाब में बताया गया कि पंजाब में अक्टूबर में जहां 1547 परांली जलाने की घटनाएं हुई वही नवंबर के पहले 29 दिन में यह संख्या बढ़कर 3470 हो गई जो अक्टूबर की तुलना में लगभग 124 प्रतिशत अधिक है। फिरोजपुर में अक्टूबर के 166 मामलों के मुकाबले नवंबर में 381 मामले दर्ज हुए। संगरूर में 279 से 414 तरन तारन मे 363 से 322 बठिंडा में 91 से 277 मानसा में 41 से 265 श्री मुक्तसर साहिब में 33 से 343 और मोगा में 32 से 300 मामले दर्ज किए गए। सबसे कम घटनाएं पठानकोट मोहाली एसबीएस नगर और होशियारपुर में हुईं।

मसाला बॉन्ड मामले में केरल के मुख्यमंत्री विजयन पूर्व मंत्री इसाक को ईडी का कारण बताओ नोटिस

नई दिल्ली/तिरुवनंतपुरम। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन, पूर्व वित्त मंत्री थॉमस इसाक और मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव के. एम. अब्राहम को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। एजेंसी ने केरल इंफ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट फंड बोर्ड (केआईआईएफबी) मसाला बॉन्ड से संबंधित मामले में 466 करोड़ रुपये का फेमा नोटिस भेजा है।

आधिकारिक सूत्रों ने सोमवार को बताया कि ईडी ने केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन को केरल इंफ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट फंड बोर्ड (केआईआईएफबी) के द्वारा जारी 'मसाला बॉन्ड' से जुड़े कथित उल्लंघन के संबंध में कारण बताओ नोटिस जारी किया है। इस मामले में पूर्व वित्त मंत्री टी.एम. थॉमस इसाक और केआईआईएफबी के चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर के.एम. अब्राहम को भी ईडी से नोटिस मिला है। ईडी की ये जांच केआईआईएफबी द्वारा मसाला बॉन्ड के माध्यम

से 2,000 करोड़ रुपये जुटाने और फेमा मानदंडों के अनुपालन से संबंधित है। केरल इन्फ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट फंड बोर्ड बड़ी और महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के वित्तपोषण के लिए राज्य सरकार की प्राथमिक एजेंसी है।

इसने राज्य में बड़ी व महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के वित्तपोषण के लिए 50,000 करोड़ रुपये जुटाने की अपनी योजना के तहत 2019 में अपने पहले मसाला बॉन्ड 'इश्यू' के जरिए से 2,150 करोड़ रुपये जुटाए थे। उल्लेखनीय है कि मसाला बॉन्ड भारत के बाहर जारी किये जाने वाले बॉन्ड होते हैं लेकिन स्थानीय मुद्रा के बजाय इन्हें भारतीय मुद्रा में जारी किया जाता है। केंद्रीय जांच एजेंसी ईडी ने विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) के प्रावधानों के तहत ने केरल के सीएम पिनराई विजयन और अन्य को ये नोटिस करीब 10-12 दिन पहले जारी किया था। इसमें व्यक्तिगत रूप से पेश होने की आवश्यकता नहीं होती है। फेमा मामले में जांच पूरी होने के बाद कारण बताओ नोटिस जारी किया जाता है।

SIR पर चर्चा नहीं कराना चाहती सरकार : गौरव गोगोई

नई दिल्ली। संसद के शीतकालीन सत्र के पहले दिन सोमवार को लोकसभा की कार्यवाही को विपक्षी दलों के हंगामे के कारण पहले दो बार और फिर अगले दिन मंगलवार तक के लिए स्थगित करना पड़ा। इस पर लोकसभा में कांग्रेस के उपनेता गौरव गोगोई ने आरोप लगाया कि सरकार मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के विषय पर चर्चा नहीं कराना चाहती है।

गोगोई ने संसद भवन परिसर में पत्रकारों से कहा कि संसद के अंदर पक्ष और विपक्ष दोनों के मुद्दे उठने चाहिए लेकिन आज पहले दिन से ही सत्ता पक्ष सिर्फ अपने मुद्दों पर ही चर्चा चाहता है। सत्ता पक्ष के लोग सिर्फ अपने द्वारा लाए गए कानूनों पर चर्चा करना चाहते हैं।

सभी विपक्षी दलों की एक ही मांग है कि चुनावी प्रक्रिया को लेकर एक चर्चा हो, लेकिन सरकार नहीं बता पा रही है कि किस दिन यह चर्चा होगी। उन्होंने कहा कि सरकार अपनी मर्जी से संसद चलाना चाहती है, जिसमें विपक्ष का कोई मुद्दा नहीं है। सत्ता पक्ष ने पूरे सदन और लोकतंत्र की मर्यादा को हाईजैक कर लिया है।

सांसदों को जिम्मेदार सदस्य होना चाहिए, न कि गैर-जिम्मेदार पेशेवर आंदोलनकारी: जेपी नड्डा

नई दिल्ली। संसद के शीतकालीन सत्र के पहले दिन राज्यसभा के सभापति सीपी राधाकृष्णन का अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर सदन के नेता जेपी नड्डा ने कहा कि सभापति राधाकृष्णन ने सत्य को समझा है और जीवन का मार्ग चुनने की कला को अपने जीवन में अपनाया है। नड्डा ने कहा, ₹मल्लिकार्जुन खरगे साहब कह रहे थे कि आप कांग्रेस के घराने से आते हैं।

मैं इसे दूसरे तरीके से देखता हूं। कांग्रेस घराने से आते थे और संघ की शाखा से जुड़े। आपके बड़ों ने तकरीर भी की, ये भी कहा कि ये गैर राष्ट्रवादी हैं, आपका जवाब था कि मैंने उनको देखा-परखा है, साथ काम किया है और वह राष्ट्रवादी हैं और सही राष्ट्रवादी हैं।₹ उन्होंने कहा कि सभापति कभी दवाब में नहीं आए। स्वचेतना से आपने अपने जीवन की विचारधारा की राह तय की। सारा जीवन सामाजिक कार्यों में गया। आपका काम करने का तरीका समाज के प्रति समर्पण हमेशा दिखता रहा।

भले ही सभापति का अनुभव राजनीतिक क्षेत्र में रहा है, लेकिन वे सदैव सामाजिक मुद्दों के प्रति प्रतिबद्ध रहे हैं। उन्होंने राधाकृष्णन द्वारा निभाई गई भूमिकाओं का उल्लेख किया– दो बार सांसद, अहम कमेटियों में रहे और महाराष्ट्र व झारखंड के राज्यपाल के रूप में सेवा की।

उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि राधाकृष्णन समर्पण के साथ राज्यसभा का नेतृत्व करेंगे। नड्डा ने सर्वपल्ली राधाकृष्णन के शब्दों का उल्लेख करते हुए कहा कि हमें संसद का जिम्मेदार सदस्य होना चाहिए, न कि गैर-जिम्मेदार पेशेवर आंदोलनकारी। इससे पहले सदन में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने उपराष्ट्रपति एवं नवनियुक्त सभापति राधाकृष्णन का स्वागत करते हुए आश्वासन दिया कि सदन की निष्पक्ष एवं सुचारु कार्यवाही में विपक्ष पूर्ण सहयोग देगा। उन्होंने आग्रह किया कि सदन में विपक्ष और सत्ता पक्ष दोनों के सदस्यों को समान अवसर मिलना चाहिए। खरगे ने अपने पूर्व सभापति के "अप्रत्याशित और अचानक" इस्तीफे का उल्लेख किया और कहा कि राज्यसभा पूरे सदन की संरक्षक है, यह जितनी सरकार की है उतनी ही विपक्ष की भी है। इस टिप्पणी पर सत्ता पक्ष के सदस्यों ने आपत्ति जताई।

खरगे ने कहा कि उन्हें अफसोस है कि सदन को पूर्व सभापति जगदीप धनखड़ को विदाई देने का अवसर नहीं मिला। खरगे के इस बयान पर सदन में हंगामा शुरू हो गया। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने शोरगुल के बीच कहा कि सदन में विपक्ष के नेता का बयान दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्हें इस मौके पर पूर्व सभापति का जिक्र नहीं करना चाहिए था। कांग्रेस ने दो बार उनके खिलाफ पद से हटाने का नोटिस दिया था और उसकी कॉपी भी मौजूद है। उन्होंने उनका अपमान किया और आज इस पवित्र मौके पर सदन को ज्ञान दे रहे हैं। इस पर जेपी नड्डा ने हस्तक्षेप करते हुए इस मुद्दे को अप्रासांगिक बताया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ही पूर्व सभापति के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव ले कर आई थी। नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री ने सदन के बाहर अपना वक्तव्य दिया। बिहार, हरियाण की हार ने कांग्रेस को तकलीफ पहुंचाई है। उस तकलीफ को डॉक्टरों के सामने बोलना चाहिए। फिलहाल सभापति का अभिनंदन चल रहा है तो सभी सदस्य उसी पर केंद्रित रहें तो अच्छा रहेगा। इसके बाद तृणमूल कांग्रेस के डेरेक ओ ब्राइन, डीएमके के त्रिची शिवा, आरपीआई(ए) के रामदास आठवले सहित सभी दलों के नेताओं ने उनका स्वागत किया।

अंत में सभापति राधाकृष्णन ने सभी सदस्यों का आभार जताया। उन्होंने भारत माता को प्रणाम करते हुए सभी नए सदस्यों का सदन में स्वागत किया। उन्होंने सभी को विश्वास दिलाया कि सदन की महान परंपरा को कायम रखेंगे। उन्होंने सदन में बतौर सभापति अपने कार्यकाल की शुरुआत के मौके पर यह भी कहा कि हमें किसी की भावनाएं आहत करने का कोई अधिकार नहीं है। हमें दूसरों के भिन्न विचारों के प्रति सहनशीलता रखनी चाहिए।

मुख्य सूचना आयुक्त चयन के लिए प्रधानमंत्री की अध्यक्षता वाली समिति की बैठक 10 दिसंबर को:केंद्र

नई दिल्ली। केंद्र ने सोमवार को उच्चतम न्यायालय को अवगत कराया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता वाली समिति 10 दिसंबर को केंद्रीय सूचना आयोग (सीआईसी) के मुख्य सूचना आयुक्त और अन्य सूचना आयुक्तों के पदों के लिए नामों का चयन और सिफारिश करने के लिए बैठक कर सकती है। भारत के प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ सीआईसी और राज्य सूचना आयोगों (एसआईसी) के रिक्त पदों को भरे जाने के अनुरोध वाली एक याचिका पर सुनवाई कर रही है।

पीठ को केंद्र की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल (एएसजी) केएम नटराज ने बताया कि बैठक तय हो गई है और इसके लिए समिति के सदस्यों को सूचना भेज दी गई है। सूचना का अधिकार अधिनियम की धारा 12 (3) के तहत प्रधानमंत्री उस समिति के अध्यक्ष होते हैं जो मुख्य सूचना आयुक्त और सूचना आयुक्तों की नियुक्ति के लिए नामों का चयन और सिफारिश करती है। समिति में नेता प्रतिपक्ष और प्रधानमंत्री द्वारा नामित एक केंद्रीय मंत्री भी सदस्य होते हैं। शीर्ष अदालत ने एएसजी की दलीलें दर्ज कीं और याचिका पर सुनवाई स्थगित कर दी। इसने सभी राज्यों के मुख्य सचिवों से राज्य सूचना आयुक्तों की कुल संख्या, उनमें रिक्त पदों तथा आयोगों के समक्ष लंबित अपीलों और शिकायतों की संख्या का विवरण प्रस्तुत करने को कहा। अंजलि भारद्वाज और अन्य याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश अधिवक्ता प्रशांत भूषण ने कहा कि सरकार ने रिक्त पदों को नहीं भरा है, जिसके परिणामस्वरूप आयोगों के समक्ष मामलों का ढेर लग रहा है। उन्होंने कहा कि कुछ राज्यों ने दो-तीन नियुक्तियां की हैं और कह रहे हैं कि उन्हें सभी पदों को भरने की आवश्यकता नहीं है क्योंकि उनके पास लंबित मामलों से निपटने के लिए पर्याप्त सदस्य हैं। भूषण ने कहा कि न्यायालय के कम से कम सात व्यापक आदेश हैं जिनमें उसने केंद्र को सीआईसी और एसआईसी में रिक्तियों को शीघ्रता से भरने का निर्देश दिया था।

शीर्ष अदालत ने 27 नवंबर को मामले को तब स्थगित कर दिया था जब नटराज ने उसे सूचित किया कि चयन समिति की बैठक 28 अक्टूबर, 2025 को होनी थी, लेकिन सदस्यों की अन्य व्यस्तताओं के कारण बैठक नहीं हो सकी। शीर्ष अदालत ने नटराज को कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी) सचिव से बात करके कुल रिक्तियों की जानकारी देने को कहा था। अदालत ने कहा था, "हमें इस बात पर संदेह करने का कोई कारण नहीं है कि सक्षम प्राधिकारी उपलब्ध रिक्तियों को भरने के लिए आवश्यक पहल करेगा।" इसने यह भी कहा था कि राजस्थान, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल और कर्नाटक जैसे राज्यों ने मोटे तौर पर सभी रिक्तियां भर दी गई हैं और उनके सूचना आयोग पूरी क्षमता से काम कर रहे हैं, जबकि छत्तीसगढ़ में रिक्तियां छह सप्ताह में भर दी जाएंगी। शीर्ष अदालत ने 27 अक्टूबर को मुख्य सूचना आयुक्त और केंद्रीय सूचना आयोग में सूचना आयुक्तों के पदों के लिए चयनित उम्मीदवारों के नामों का सार्वजनिक तौर पर खुलासा करने का निर्देश देने से इनकार कर दिया था। इसने झारखंड और हिमाचल प्रदेश सहित सभी राज्यों को राज्य सूचना आयोगों में रिक्त पदों को तुरंत भरने का प्रयास करने का निर्देश दिया था।

क्रय केंद्र पर आने वाले हर अन्नदाता किसान का धान खरीदा जाए : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

मुख्यमंत्री का निर्देश, क्रय केंद्रों की संख्या 5000 तक बढ़ाई जाएगी, सुविधा व-कस्बों तक पहुंचेगी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने निर्देश दिए हैं कि धान क्रय केंद्र पर आने वाले हर अन्नदाता किसान का धान खरीदा जाए और भुगतान समय पर सीधे उनके खाते में पहुंच जाए।

सोमवार को धान खरीद की स्थिति की समीक्षा करते हुए उन्होंने कहा कि धान खरीद की गति तेज हो और किसानों को किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। बैठक में बताया गया कि इस वर्ष सामान्य धान का एमएसपी 2369 और ग्रेड-A का 2389 रुपये प्रति कुंतल तय हुआ है। यह पिछले वर्ष की तुलना में 69 रुपये अधिक है। अब तक 4,227 खरीद केंद्र संचालित हैं। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि क्रय केंद्रों की संख्या बढ़ाकर 5000 की जाए, ताकि किसानों को अपने गांव-कस्बे के निकट ही सुविधा उपलब्ध हो सके। अधिकारियों ने जानकारी दी कि 30 नवंबर तक 1,51,030 किसानों से 9.02 लाख मीट्रिक टन धान खरीदा जा चुका है और 1,984 करोड़ रुपये से अधिक की राशि सीधे किसानों के खातों में भेजी गई है। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट कहा कि भुगतान में देरी किसी भी स्तर पर स्वीकार्य नहीं होगी।

मुख्यमंत्री ने यह भी निर्देश दिया कि मिड-डे मील और आंगनबाड़ी केंद्रों में फोर्टिफाइड चावल की सप्लाई निर्बाध रूप से सुनिश्चित की जाए। इसके लिए पर्याप्त उपलब्धता होनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि एफआरके सप्लाई सुचारु रखने हेतु वेंडरों की संख्या बढ़ाई जाए और तकनीकी अड़चनों का तत्काल समाधान किया जाए। बैठक में बताया गया कि अब तक लगभग 2,130 मीट्रिक टन एफआरके गुणवत्ता परीक्षण में उत्तीर्ण हुआ है। मुख्यमंत्री ने खरीद केंद्रों पर आवश्यकता के अनुसार मैनपावर बढ़ाने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि केंद्र पर भीड़ न लगे और किसानों को वापस न जाना पड़े, यह प्रशासन की जिम्मेदारी है।

उन्होंने धान उठान, मिल-मैपिंग, अन्य प्रक्रियाओं को और सरल बनाने पर भी जोर दिया, ताकि खरीद सुचारु और निरंतर गति में बनी रहे। बैठक में खाद और बीज की उपलब्धता पर भी चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि किसी भी जिले में खाद या बीज की कमी नहीं होनी चाहिए और किसानों को दोनों वस्तु आसानी से उपलब्ध हों। उन्होंने कहा कि संबंधित विभाग स्टॉक और आपूर्ति की नियमित समीक्षा सुनिश्चित करें।

आमजन की समस्याओं के समाधान पर निगरानी रखें जनपदीय पुलिस अधिकारी : मुख्यमंत्री योगी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को मुख्यमंत्री आवास पर 'जनता दर्शन' में फरियादियों की समस्याओं को सुनाऔर उन्हें निराकरण का भरोसा देते हुए अधिकारियों को निस्तारण करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने जनपदों में तैनात पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों को निर्देशित किया कि पीड़ितों की समस्याओं के स्थानीय स्तर पर समाधान पर विशेष जोर दें। पुलिस से जुड़े मामलों में निष्पक्षता व पारदर्शितापूर्वक कार्रवाई पर अधिकारी विशेष ध्यान दें। लखनऊ 5 कालीदास मार्ग पर 'जनता दर्शन' में 42 से अधिक फरियादी पहुंचे। मुख्यमंत्री ने प्रदेशभर से हर पीड़ित से मुलाकात की। उनका प्रार्थना पत्र लिया और समस्याओं के निदान का आश्वासन दिया। मुख्यमंत्री के इस 'जनता दर्शन' में जमीनी विवाद, राजस्व व पुलिस से संबंधित भी कई मामले आए। इस पर मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि पुलिस कार्रवाई निष्पक्षता व पारदर्शिता से सुनिश्चित की जाए। पुलिस आयुक्त, एडीजी, एसएसपी व एसपी जनता की समस्याओं की निगरानी रखें और प्रमुखता से उसके निस्तारण पर ध्यान दें।

जनता दरबार में दो पीड़ितों ने मुख्यमंत्री से अतिरिक्त आर्थिक सहायता की गुहार लगाई। इस पर मुख्यमंत्री ने दोनों फरियादियों को मदद का आश्वासन दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार हर पीड़ित की मदद के लिए खड़ी है। चिकित्सा के लिए नियमित रूप से पीड़ितों को आर्थिक मदद की जा रही है। आप भी एस्टिमेट बनवाकर उपलब्ध कराएं, सरकार मदद करेगी। 'जनता दर्शन' के दौरान अभिभावकों के साथ कुछ बच्चे भी आए थे। मुख्यमंत्री ने उन बच्चों को अपनत्व से दुलारा-पुचकारा, फिर उन्हें चॉकलेट दी। मुख्यमंत्री योगी ने कुछ बच्चों का हालचाल भी जाना। उन्हें मन लगाकर पढ़ने और खूब नाम करने का आशीर्वाद दिया।

दिल्ली से सागर जा रही बस पलटी, शीशा तोड़कर निकाले गए यात्री

झांसी। उत्तर प्रदेश के झांसी जिले में सोमवार की सुबह दिल्ली से मध्य प्रदेश के दतिया सागर जा रही बस सीपरी बाजार क्षेत्र में ग्वालियर रोड पर अनियंत्रित होकर पलट गई। दुर्घटना के दौरान बस में सवार दो दर्जन से अधिक सवारियां बुरी तरह फंस गईं। सूचना पर पहुंची पुलिस और आस-पास के लोगों की मदद से बस में फंसे सभी यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाल कर उन्हें गंतव्य की ओर रवाना किया गया। वहीं कुछ सवारियां मामूली चोट लगने पर घायल हो गईं। उन्हें पास के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर भर्ती कराकर प्राथमिक उपचार दिलाया गया।

दिल्ली से चलकर मध्य प्रदेश के जिला सागर के लिए खुशबू बस सर्विस क्रमांक बीआर 03 पीबी 2614 सवारियों को लेकर जा रही थी। बस में करीब तीस लोग मौजूद थे। सोमवार की सुबह जैसे ही बस झांसी के थाना सीपरी बाजार क्षेत्र के ग्रास लैंड चौकी क्षेत्र में पंजाबी ढाबे के पास पहुंची, तभी चालक को आगे जाम लगे होने की सूचना मिली। इस पर चालक ने बस को पीछे करने की कोशिश की। इस दौरान बस अनियंत्रित होकर पलट गई। बस के पलटते ही उसमें सवार यात्रियों में चीख पुकार मच गई और सभी लोग फंस गए। सूचना मिलते ही क्षेत्राधिकारी नगर लक्ष्मीकांत गौतम सहित सीपरी बाजार थाना पुलिस फोर्स मौके पर पहुंची और बस के खिड़कियों के शीशे तोड़कर सवारियों को सुरक्षित बाहर निकाला। उन्हें गंतव्य की ओर रवाना किया। वहीं तीन सवारियां को हल्की चोट आने पर उनका प्राथमिक उपचार पास के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में कराया गया। घायलों के नाम गौरव कुमार व उसके दो परिवार के सदस्य बताए गए। वहीं क्रेन मंगवा कर पलटी हुई बस को खड़ी कराने के बाद उसमें सवारियों को रवाना किया गया। इस संबंध में सीओ सिटी लक्ष्मीकांत गौतम ने बताया कि सीपरी बाजार थाना क्षेत्र के ग्रासलैंड चौकी के पास बस पलटने की सूचना मिली थी। पुलिस व लोगों की मदद से सभी को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है। एक दो सवारियों को हल्की चोटें आईं थी।

सामूहिक विवाह के लिए चयनित अभ्यर्थियों की अधिकारियों ने फिर शुरू की जांच

सामूहिक विवाह 4 और 5 दिसम्बर को : डीएम

मुरादाबाद। सामूहिक विवाह के लिए चयनित अभ्यर्थियों की अधिकारियों ने फिर जांच शुरू कर दी है। दो दिन बाद अभ्यर्थियों के नामों को अंतिम रूप दिया जाएगा। जिलाधिकारी अनुज सिंह ने सोमवार को बताया कि प्रदेश सरकार की योजना के तहत सामूहिक विवाह के लिए 4 और 5 दिसम्बर की तिथियां तय की हैं। जिले में सामूहिक कार्यक्रम में 567 बेटियों का विवाह होगा। प्रदेश सरकार ने प्रति विवाह की रकम बढ़ाकर एक लाख कर दी है। इस मामले में ब्लॉक स्तर पर पात्रों का चयन किया गया है।

जिलाधिकारी के अनुसार बताया कि चार दिसंबर को सर्किट हाउस के पीछे बुद्धि विहार में आर्थिक रूप से कमजोर लोगों की बेटियों की शादियां होंगी। डीएम ने पर्यवेक्षण के लिए एसडीएम सदर और ठाकुरद्वरा को अधिकारी बनाया है। कार्यक्रम के नोडल अधिकारी अपर नगर आयुक्त, बीडीओ मुरादाबाद और बीडीओ भगतपुर होगे। इसी प्रकार पांच जून को कुंदरकी, कांठ और बिलारी की बेटियों का सामूहिक विवाह कराने के लिए स्थान का चयन किया जा रहा है।

बलिया : बालक की हत्या के बाद शव को बोरे में भरकर फेंका

बलिया। उत्तर प्रदेश के जनपद बलिया में फेफना थाना क्षेत्र स्थित एक गांव में रविवार से लापता बालक का शव सोमवार को बोरे में बंधा मिला। पुलिस ने हत्या कर शव बोरे में बांधकर फेंकने के मामले में जांच शुरू कर दी है। पुलिस अधीक्षक ओमवीर सिंह ने बताया कि फेफना थाना क्षेत्र स्थित आमडारी गांव में रविवार रात से गायब रामजी वर्मा का पुत्र शिवम (10) का शव एक बोरी में बंधा हुआ गांव के प्रेमचन्द वर्मा के घर के पिछे मिला है। वह देरशाम को घर के बाहर से खेलते हुए लापता हो गया था। काफी खोजबीन के बाद जब वो नहीं मिला तो परिजनों ने बेटे के लापता होने की जानकारी पुलिस को दी थी। थाना प्रभारी ने मामला दर्ज कर पुलिस फोर्स के साथ आसपास के पूरे क्षेत्र में ढूंढा, लेकिन वो नहीं मिला। सोमवार सुबह गांव के ही प्रेमचन्द्र वर्मा के घर के पीछे बोरी में लापता किशोर का शव शव मिला है। इस सूचना पर तत्काल मौके पर पुलिस अधीक्षक, अपर पुलिस अधीक्षक दक्षिणी, क्षेत्राधिकारी सदर, थाना स्थानीय की पुलिस फोर्स, फारेन्सिक टीम व स्वाट सर्विलांस टीम पहुंच गई। एसपी ने बताया कि परिजनों से मिलकर घटना की जानकारी ली गई है। टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए हैं। मैंने खुद भी मौके का निरिक्षण किया है। अपर पुलिस अधीक्षक दक्षिणी कृपाशंकर के नेतृत्व में घटना की जांच के लिए चार टीमों का गठन किया हैं, शीघ्र ही खुलासा किया जाएगा।

एसआईआर को लेकर मुस्लिम समाज के लोगों में जागरूकता, घर घर सम्पर्क कर रहे मुस्लिम नेता

वाराणसी। वाराणसी के मुस्लिम बाहुल्य इलाकों में सोमवार को एसआईआर को लेकर मुस्लिम समाज के लोगों में जागरूकता देखने को मिली। एसआईआर फॉर्म को भरने एवं भरवाने को लेकर मुस्लिम नेता भी अपने मकानों से बाहर आए और क्षेत्र में घूमकर हर मुस्लिम को फॉर्म भरना जरूरी है, ये समझाते हुए दिखाई पड़े।

कज्जाकपुरा में कांग्रेस से जुड़े मोहम्मद अली और उनके साथियों ने एसआईआर फॉर्म भरवाने के लिए घर घर सम्पर्क किया। मोहल्ले में मिले मुस्लिम लोगों को भी एसआईआर की आवश्यकता बताते हुए उनके फॉर्म भरवाए। मुस्लिम युवकों में अभी तक एसआईआर को लेकर उत्सुकता नहीं दिखने पर उन्होंने युवकों का एक दल बनाकर सम्पर्क करने को कहा।

बुनकर कालोनी में समाजवादी पार्टी के नेता एम.अंसारी के मकान पर एसआईआर का फॉर्म भरे जाने की जानकारी लेकर पहुंचें मुस्लिम समाज के नेताओं को संतोषजनक उत्तर मिला। इसके बाद एम.अंसारी भी एसआईआर फॉर्म भरवाने के लिए सम्पर्क में शामिल हो गए और बुनकर कालोनी में घर घर सम्पर्क किया।

बसपा से लोकसभा का चुनाव लड़ चुके अतहर जमाल लारी ने भी वाराणसी के बजरडीहा, रेवड़ी तालाब, लल्लापुरा, मदनपुरा जैसे इलाकों में एसआईआर को लेकर मुस्लिम समाज से अपील की है। अतहर जमाल ने मुस्लिम समाज को वाराणसी में अपने मताधिकार को सुरक्षित करने के लिए एसआईआर फॉर्म को तत्काल भरने का आग्रह किया है।

गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय मुरादाबाद में 194 सुपरवाइजर कराएंगे पीएचडी

मुरादाबाद। गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय मुरादाबाद से संबद्ध महाविद्यालयों में 194 सुपरवाइजर पीएचडी करा सकेंगे। विवि ने इनकी लिस्ट जारी कर दी है। इसके साथ पीएचडी पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए 3 दिसंबर से साक्षात्कार शुरू कर दिया जाएगा। साक्षात्कार सुबह 9 बजे से शुरू होगा। 473 अभ्यर्थियों का साक्षात्कार किया जाएगा। इसको लेकर विवि ने तैयारियां पूरी कर ली है।

विवि के कुलसचिव गिरीश कुमार द्विवेदी ने बताया कि पीएचडी पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए कांठ रोड स्थित गुरु जम्भेश्वर विवि के कैंप कार्यालय में पीएचडी पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए अभ्यर्थियों का साक्षात्कार लिया जाएगा। साक्षात्कार के लिए कुल 473 अभ्यर्थियों को बुलाया गया है। विवि से संबंधित कॉलेजों में पीएचडी की कुल 587 सीटें हैं। कुलसचिव गिरीश कुमार द्विवेदी ने कि प्रवेश परीक्षा में अर्ह पाए गए अभ्यर्थियों का विषयवार साक्षात्कार होगा। इस दौरान अनुपस्थित अभ्यर्थियों को कोई दूसरा अवसर नहीं दिया जाएगा। जिन विद्यार्थियों का साक्षात्कार है उनका नाम विवि की वेबसाइट पर डाल दिया गया है। इसके साथ ही कैटेगरी के हिसाब से पीएचडी की सीटों की संख्या जारी कर दी गई है।

बीमार की जगह बीएलओ ड्यूटी कर रहे युवक ने फांसी लगाई, हालत गम्भीर

फर्रुखाबाद। थाना राजेपुर क्षेत्र में बीमार माँ की जगह बीएलओ ड्यूटी कर रहे युवक ने सोमवार को फांसी लगा ली। उसे गम्भीर अवस्था मे शहर के एक निजी नर्सिंग होम में भर्ती कराया गया है। जहां उसकी हालत चिंता जनक बनी हुई है। थाना क्षेत्र के ग्राम ईमादपुर पमारान निवासी रामकेश लोधी की पत्नी उर्मिला देवी आंगनबाड़ी कार्यकत्री है। उनकी बीएलओ में ड्यूटी लगी है। उर्मिला के बीमार होने के कारण उनका पुत्र शिवांक इमादपुर पमारान के बूथ संख्या 59 के बीएलओ का काम देख रहा था। बताया जाता है कि टेंशन के करण शिवांक ने सोमवार सुबह 8 बजे घर में ही फांसी लगा ली। शिवांग को फांसी पर लटका देखकर परिजनों में हड़कंप मच गया। उन्होंने प्रयास करके शिवांग को फांसी से उतारा और तुरंत ही आवास विकास कॉलोनी स्थित एक निजी अस्पताल ले आये। शिवांक को वेंटिलेटर पर रखा गया है । उसकी हालत गंभीर बताई गई है।

बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर आचार्य धीरेंद्र शास्त्री 16 से 20 जनवरी तक सुनायेंगे राम कथा

बांदा। उत्तर प्रदेश के जनपद बांदा में बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर आचार्य धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री का आगमन नजदीक है। आगामी 16 से 20 जनवरी 2026 तक शहर में उनके द्वारा पाँच दिवसीय हनुमान कथा का भव्य आयोजन किया जाएगा। इसके लिए तैयारी शुरू हो गई है।

बुंदेलखंड यूथ फाउंडेशन के संस्थापक प्रवीण सिंह ने बताया कि महाराज ने हाल ही में शिवपुरी में सम्पन्न कथा के दौरान बांदा में आयोजित होने वाली कथा के लिए सहमति दी थी। इसके बाद से ही फाउंडेशन की टीम तैयारियों में जुट गई है। रविवार को देरशाम आयोजन समिति के पदाधिकारियों ने प्रेस वार्ता के माध्यम से बताया कि पंडाल निर्माण,

साउंड सिस्टम, लाइटिंग और अन्य व्यवस्थाओं की रूपरेखा लगभग तैयार हो चुकी है। कथा के सफल संचालन के लिए टीम लगातार मैदान में कार्य कर रही है।

आयोजकों का कहना है कि यह कार्यक्रम न केवल बांदा बल्कि पूरे बुंदेलखंड क्षेत्र के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण होने वाला है। महाराज धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री सदैव सनातन संस्कृति और परंपराओं के संरक्षण एवं प्रसार के लिए जाने जाते हैं, जिसके कारण श्रद्धालुओं में कथा को लेकर विशेष उत्साह देखने को मिल रहा है। हाल ही में उनके द्वारा पद यात्रा के दौरान देशभर में उत्साह देखने को मिला।

उनके द्वारा हिंदू राष्ट्र की अलख जगाई जा रही है जिससे हर कोई उनके दर्शन करना चाहता है। प्रेस वार्ता में आयोजन समिति के संरक्षक दिलीप गुप्ता, बुंदेलखंड फाउंडेशन के सदस्य शशांक सिंह परमार, भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा के महामंत्री और जिला पंचायत सदस्य के प्रतिनिधि हिमांशु सिंह ने यह भी आश्वासन दिया कि कथा स्थल पर आने वाले सभी श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा और आवश्यक सेवाओं का पूरा ध्यान रखा जाएगा, ताकि वे बिना किसी असुविधा के कथा और महाराज के दर्शन का लाभ उठा सकें।

वाराणसी : काशी तमिल सांझा संस्कृति की प्रगाढ़ता के लिए उतारी मां गंगा की आरती

गंगा आरती कर अभिभूत हुए तमिल मेहमान, दक्षिण भारतीय आस्थावानों ने केदारघाट पर स्वच्छता में बंटाया हाथ

वाराणसी। तमिलनाडु और काशी के बीच प्राचीन सांस्कृतिक और सभ्यतागत संबंधों के उत्सव - काशी तमिल संगमम के चौथे संस्करण के उपलक्ष्य में सोमवार को केदार घाट पर तमिल मेहमानों ने नमामि गंगे के स्वयंसेवकों के साथ मां गंगा की आरती उतारी। भारत की सुख-समृद्धि के लिए मां गंगा से आशीर्वाद भी मांगा। साथ ही काशी तमिल सांझा संस्कृति की प्रगाढ़ता के लिए मां गंगा का पूजन किया। इस दौरान केदार घाट पर आए तमिल मेहमानों ने मां गंगा की स्वच्छता में भी हाथ बंटाया।

काशी तमिल संगम 4.0 के विषय ₹चलो तमिल सीखें - करपोम तमिल₹ के तहत केदार घाट पर उपस्थित श्रद्धालुओं को तमिल भाषा के शब्दों से परिचित कराकर गंगा के तट पर सुखद अनुभूति को महसूस कराया। और आरोग्य भारत की कामना से द्वादश ज्योतिर्लिंग एवं गंगाष्टकम का सामूहिक पाठ के बाद राष्ट्रध्वज हाथों में लेकर सभी ने गंगा स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। नमामि गंगे काशी क्षेत्र के संयोजक राजेश शुक्ला ने बताया कि काशी और तमिलनाडु दोनों शिवमय हैं। काशी से तमिलनाडु तक, विश्वेश्वर और रामेश्वर की कृपा-दृष्टि समान रूप से है। सर्वत्र राम हैं, सर्वत्र महादेव हैं। काशी और तमिलनाडु की सांस्कृतिक विरासत साझी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अतुलनीय प्रयास से तमिल संगमम भाषा भेद मिटाने की ऊर्जा दे रहा है। उन्होंने बताया कि चौथे संस्करण के दौरान देश को संदेश दिया जाएगा कि सभी भारतीय भाषाएं हमारी भाषाएं हैं और एक भारतीय भाषा परिवार का हिस्सा हैं।

रास्ते में जलभराव से बच्चे, बूढे सब परेशान, ग्रामीणों ने दी आंदोलन चेतावनी

महोबा। उत्तर प्रदेश के महोबा जिले में पनवाड़ी ब्लॉक के कोटरा गांव में गलियां जलमग्न हो गईं हैं। ऐसे में स्कूली छात्र छात्राओं समेत बुजुर्ग ग्रामीणों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। सोमवार को ग्रामीणों ने एडीओ पंचायत को शिकायती पत्र सौंप कर समस्या के निस्तारण की मांग की है। समाधान न होने पर आंदोलन की चेतावनी दी है।

गांव कोटरा में एक दबंग ने मुख्य नाला अवरुद्ध कर पानी की निकासी रोक दी है। जिससे गांव के रास्ते जलमग्न हो गए हैं। गलियों में गंदा पानी जमा हो गया है। सोमवार को ग्रामीण उदयभान सिंह, कैलाश, लखन, जगदीश, रामकुमार, धीरेंद्र सिंह, बहादुर सिंह, रामप्रकाश, रमेशचंद्र, जाहर सिंह, देवसिंह, मानसिंह, रघुवीर सिंह, जीतू, अवधेश आदि ने बताया कि गांव की नालियों का पानी मुख्य नाले से जाता है। ग्रामीणों ने गांव के दबंग पर नाले में मिट्टी भरवाकर जलनिकासी बंद करने का आरोप लगाया है। इससे गांव में पानी भर रहा है। एक सप्ताह से समस्या जस की तस बनी हुई है। एडीओ पंचायत कमलेश वर्मा से जलभराव की समस्या शीघ्र निस्तारित कराए जाने की ग्रामीणों ने मांग की है। एडीओ पंचायत कमलेश वर्मा ने जल्द ही समस्या के समाधान का ग्रामीणों को आश्वासन दिया है।

विराट कोहली की भविष्य को लेकर सवाल ही नहीं उठता: बल्लेबाजी कोच कोटक

रांची। भारतीय बल्लेबाजी कोच सीतांशु कोटक का मानना है कि विराट कोहली के वनडे में भविष्य को लेकर अटकलें नहीं लगनी चाहिए क्योंकि इस दिग्गज खिलाड़ी की 50 ओवर के क्रिकेट में फिटनेस, फॉर्म और प्रभाव पहले की तरह बरकरार है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन मैच की श्रृंखला से पहले सवाल उठाए जा रहे थे कि क्या कोहली और रोहित शर्मा 2027 में होने वाले वनडे विश्व कप के लिए मुख्य कोच गौतम गंभीर की योजना में शामिल हैं या नहीं।

कोटक ने नाराजगी जताते हुए कहा कि उन्हें समझ नहीं आ रहा कि कोहली के भविष्य को लेकर बहस क्यों हो रही है। कोटक ने रविवार को यहां दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले वनडे में भारत की 17 रन की करीबी जीत के बाद कहा, ''मुझे वास्तव में नहीं पता कि हमें इन सब बातों पर गौर करने की जरूरत क्यों है। वह बहुत अच्छी बल्लेबाजी कर रहे हैं और हमें उनके भविष्य के बारे में बात करने की क्या जरूरत है। वह जिस तरह से प्रदर्शन कर रहे हैं, उनकी फिटनेस जिस तरह से है उसे देखकर किसी भी चीज को लेकर कोई सवाल ही नहीं उठता।'' कोटक ने कहा कि भूमिकाओं को लेकर स्पष्टता, वास्तविक समय में सीख और सीनियर खिलाड़ियों का

अनुभव इस समय भविष्य की योजनाओं से कहीं ज्यादा मायने रखते हैं।

उन्होंने कहा,''वह वाकई शानदार है यार। जब तक वह इसी तरह बल्लेबाजी करता रहेगा, किसी और चीज के बारे में बात करने का कोई मतलब नहीं है।'' बल्लेबाजी कोच ने जोर देकर कहा कि न तो खिलाड़ी और न ही टीम प्रबंधन विश्व कप के बारे में सोच रहे हैं और सीनियर खिलाड़ियों के बारे में इस संदर्भ में चर्चा करने की तो बात ही छोड़ दीजिए। उन्होंने कहा, ''मुझे नहीं लगता कि इस बारे में चर्चा होनी चाहिए। रोहित और कोहली दोनों शानदार हैं। वे अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं और टीम में योगदान दे रहे हैं। एक बार जब टीम आ जाती है और अभ्यास शुरू हो जाता है, तो हम बस उसका आनंद लेते हैं। हम 2027 में होने वाले वनडे विश्व कप के बारे में कोई बात नहीं कर रहे हैं।'' कोटक ने कहा कि रविवार को कोहली का वनडे करियर का 52वां शतक न केवल उनकी विरासत की याद दिलाता है, बल्कि यह इस बात का भी उदाहरण है कि जिस प्रारूप को वह अब प्राथमिकता देते हैं, उसमें वह कितनी सहजता से जिम्मेदारी निभा रहे हैं। कोटक ने कहा, ''यह एक शानदार पारी थी।

उन्होंने वास्तव में अच्छी बल्लेबाजी की, जिम्मेदारी ली और एक बार फिर दिखाया कि वह कितने असाधारण खिलाड़ी क्यों हैं।'' पारी के दौरान कोहली की पीठ में मामूली तकलीफ के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, ''जहां तक मुझे पता है, वह ठीक हैं।'' कोटक ने टेस्ट श्रृंखला में हार के बाद रोहित शर्मा और कोहली दोनों की टीम में वापसी पर भी बात की। उन्होंने कहा, ''वे अनुभवी खिलाड़ी हैं और जिस तरह से वह बल्लेबाजी कर रहे हैं और साझेदारियां निभा रहे हैं उससे बहुत फर्क पड़ता है। वे अपना अनुभव युवा खिलाड़ियों के साथ साझा करते हैं, और यह अपने आप में एक बड़ा फायदा है।'' कोटक ने इसके साथ ही मैच के बारे में बात करते हुए बाएं हाथ के तेज गेंदबाज हर्षित राणा की विशेष प्रशंसा की, जिनके कठिन परिस्थितियों में शुरुआती झटकों ने दक्षिण अफ्रीका को मैच जीतने से रोक दिया।

कोहली जैसे विश्वस्तरीय बल्लेबाज को जम जाने के बाद रोकना मुश्किल: यानसन

दक्षिण अफ्रीका के हरफनमौला मार्को यानसन ने कहा कि विराट कोहली जैसे विश्वस्तरीय बल्लेबाज को एक बार जम जाने के बाद रन बनाने से रोकना लगभग असंभव हो जाता है तथा स्वीकार किया कि इस भारतीय स्टार की सूत्रधार की भूमिका निभाने की क्षमता उन्हें गेंदबाजी करने के लिए सबसे कठिन प्रतिद्वंद्वियों में से एक बनाती है। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच यहां खेले गए पहले वनडे में कोहली ने शतक लगाया जिससे भारतीय टीम यह मैच जीतने में सफल रही। यानसन ने कहा कि विश्वस्तरीय बल्लेबाजों के सामने गेंदबाज के पास शुरू में ही कुछ अवसर होते हैं। यानसन ने कहा, '' जब आप विश्वस्तरीय बल्लेबाजों को गेंदबाजी करते हैं तो उन्हें आउट करना काफी मुश्किल होता है। मैं हमेशा बल्लेबाज को उसकी पहली 10 या 15 गेंदों पर आउट करने की कोशिश करता हूं क्योंकि वह तब विकेट से सामंजस्य बिठाने की कोशिश कर रहा होता है।'' उन्होंने कहा, ''लेकिन एक बार जब वह लय हासिल कर लेते हैं तो उन्हें रोकना मुश्किल हो जाता है। ऐसी परिस्थितियों में आप प्लान बी या सी पर चलते हैं।'' कोहली ने रविवार को अपना 52वां वनडे शतक जड़कर भारत को 17 रन से जीत दिलाई जिससे मेजबान टीम ने तीन मैचों की श्रृंखला में 1-0 की बढ़त बना ली।

प्रीमियर लीग 2025-26: 10 खिलाड़ियों वाली चेल्सी ने आर्सेनल को 1-1 से रोका

लंदन। दस खिलाड़ियों के साथ खेल रही चेल्सी ने खेले गए बेहद उतार-चढ़ाव भरे लंदन डर्बी मुकाबले में प्रीमियर लीग की शीर्ष टीम आर्सेनल को 1-1 की बराबरी पर रोक दिया। मिकेल मेरिनो ने ट्रेवोह चालोबा के शुरुआती गोल का जवाब देकर आर्सेनल को हार से बचाया। इस परिणाम के साथ आर्सेनल 30 अंकों के साथ तालिका में शीर्ष पर कायम है और दूसरे स्थान पर मौजूद मैनचेस्टर सिटी से पांच अंक आगे है। वहीं, चेल्सी 24 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर है। पहले हाफ में 38वें मिनट में मोइसेस कैइसेडो को वीएआर जांच के बाद मेरिनो पर खतरनाक टैकल के लिए लाल कार्ड मिला, जिससे चेल्सी 10 खिलाड़ियों पर आ गई। इसके बावजूद चेल्सी ने दूसरे हाफ की शुरुआत में ही बढ़त बना ली। कप्तान रीस जेम्स की कॉर्नर किक पर ट्रेवोह चालोबा ने तीसरे मिनट में शानदार हेडर के जरिए गोल कर टीम को 1-0 से आगे किया। 59वें मिनट में बुकॉयो साका के क्रॉस पर मेरिनो ने बेहतरीन हेडर मारकर स्कोर 1-1 कर दिया। इसके बाद आर्सेनल ने लगातार दबाव बनाया। सब्स्टीट्यूट मार्टिन ओडेगार्ड दो बार करीब से चूक गए, जबकि अंतिम क्षणों में मेरिनो के शक्तिशाली प्रयास को गोलकीपर रॉबर्ट सांचेज ने शानदार बचाव करते हुए रोक दिया। मैच की शुरुआत से ही जबरदस्त भिड़ंत देखने को मिली। रेफरी एंथनी टेलर ने कुल सात पीले कार्ड दिखाए-छह आर्सेनल को और एक चेल्सी के मार्क कुकुरेला को, जो पूरे मैच में साका को रोकने में व्यस्त नजर आए। चेल्सी कप्तान रीस जेम्स ने कहा, ''हम जल्दी ही 10 खिलाड़ी रह गए थे, जिससे मैच मुश्किल हो गया। फिर भी टीम ने दबाव झेला और शानदार काउंटर किए।'' दाहिनी ओर पेड्रो नेटो लगातार सक्रिय रहे, और 78वें मिनट में सब्स्टीट्यूट लियम डेलैप का बढ़िया शॉट डेविड राया ने रोक दिया।

एफआईएच जूनियर विश्व कप: स्विट्जरलैंड के खिलाफ कमजोरियां दूर करना चाहेगा भारत

मदुर। भारतीय टीम बेहतरीन फार्म में चल रही है लेकिन अभी तक उसे असली चुनौती का सामना नहीं करना पड़ा है और ऐसे में वह मंगलवार को यहां एफआईएच जूनियर पुरुष विश्व कप हॉकी टूर्नामेंट के नाकआउट चरण से पहले अपने अंतिम ग्रुप लीग मुकाबले में स्विट्जरलैंड के खिलाफ जीत की लय जारी रखने और अपने कमजोर पक्षों को दूर करने की कोशिश करेगी। भारत और स्विट्जरलैंड दोनों ही पूल बी में दो-दो मैच जीतकर अजेय हैं, लेकिन भारतीय टीम बेहतर गोल अंतर के आधार पर तालिका में शीर्ष पर है। चेन्नई में पहले दो मैच में भारतीय टीम ने गोल की बरसात करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। उसने पहले मैच में चिली को 7-0 से और फिर ओमान को 17-0 से हराया। दूसरी ओर स्विट्जरलैंड ने ओमान को 4-0 से हराया और फिर चिली पर 3-2 से जीत हासिल की। भारतीय टीम से उम्मीद की जा रही है कि वह अपना विजय अभियान

जारी रखकर नॉकआउट से पहले बड़ी जीत हासिल करने की कोशिश करेगी। लेकिन नॉकआउट चरण से पहले भारत के लिए कुछ चिंताएं बनी हुई हैं। पहले दो मैचों में भारतीय रक्षापंक्ति की ज्यादा परीक्षा नहीं हुई क्योंकि गोलकीपर प्रिंस दीप सिंह और बिक्रमजीत सिंह को किसी तरह की खास चुनौती का सामना नहीं करना पड़ा। कप्तान रोहित की अगुवाई में रक्षापंक्ति भी टूर्नामेंट के अंतिम चरण में अधिक सक्रिय रहना चाहेगी। भारत के लिए चिंता का एक अन्य क्षेत्र पेनल्टी कॉर्नर पर गोल नहीं कर पाना है। टीम के मुख्य ड्रैगफ्लिकर कप्तान रोहित को अपने खेल में सुधार करना होगा। ऐसा नहीं है कि भारत ने पेनल्टी कॉर्नर से गोल नहीं किए, लेकिन अधिकतर गोल वैरिएशन और रिबाउंड से किए गए। पहले दो मैचों में भारत के प्रदर्शन के लिए सबसे उत्साहजनक पहलू उसकी मध्य पंक्ति और अग्रिम पंक्ति का प्रदर्शन रहा। दिलराज सिंह अभी तक छह गोल करके टूर्नामेंट के संयुक्त रूप से शीर्ष स्कोरर हैं। उन्होंने ओमान के खिलाफ हैट्रिक भी लगाई थी जबकि अर्शदीप सिंह ने भी पिछले मैच में तीन गोल किए थे। मनमीत सिंह, अजीत यादव और इंगलेम्बा लुवांग थोरावोजम जैसे खिलाड़ी भी गोल करने वालों में शामिल हैं। स्विट्जरलैंड के खिलाफ मैच मदुरै में भारत का एकमात्र मैच है। इसके बाद वह अपने बाकी मैच खेलने के लिए चेन्नई लौटेगा। यह देखना अभी बाकी है कि भारतीय खिलाड़ी यहां की परिस्थितियों के साथ किस तरह तालमेल बिठा पाते हैं। भारत के सहायक कोच बीरेंद्र लाकड़ा इसको लेकर ज्यादा परेशान नहीं हैं। उन्होंने कहा, ''निश्चित रूप से मैदान बदलेगा, लेकिन मौसम की स्थिति वही रहेगी। हमें अभ्यास और सामंजस्य बिठाने के लिए दो दिन का समय भी मिला है। स्विट्जरलैंड एक अच्छी टीम है। उसने अपने दो मैच भी जीते हैं, इसलिए यह मुकाबला आसान नहीं होगा। लेकिन हम उनके खेल का विश्लेषण करेंगे और उसी तरह से अपनी रणनीति बनाएंगे।'' मंगलवार को अन्य मैचों में स्पेन का मुकाबला नामीबिया से (मदुरै में), बेल्जियम का मिस्र से (मदुरै में), चिली का ओमान से (चेन्नई में), नीदरलैंड का ऑस्ट्रिया से (मदुरै में), फ्रांस का बांग्लादेश से (चेन्नई में), इंग्लैंड का मलेशिया से (मदुरै में) और ऑस्ट्रेलिया का कोरिया से (चेन्नई में) होगा।

पैर में फ्रैक्चर से स्पेन की स्टार फुटबॉलर बोनमती नेशंस लीग फाइनल से बाहर

नई दिल्ली। स्पेन की मिडफील्डर ऐताना बोनमती नेशंस लीग फाइनल के दूसरे चरण से बाहर हो गई हैं। रविवार को ट्रेनिंग के दौरान उनकी बाईं फिबुला (पैर की हड्डी) में फ्रैक्चर हो गया था। बोनमती ने जर्मनी के खिलाफ खेले गए महिला नेशंस लीग फाइनल के पहले चरण में हिस्सा लिया था, जो 0-0 की बराबरी पर खत्म हुआ था। इसके बाद टीम दूसरे चरण की तैयारी कर रही थी, जो 2 दिसंबर को एस्टाडियो मेट्रोपोलितानो में खेला जाना है। रॉयल स्पेनिश फुटबॉल फेडरेशन के अनुसार रविवार को मेडिकल जांच के बाद पाया गया कि ऐताना बोनमती की बाईं फिबुला में

फ्रैक्चर है। खिलाड़ी अब बार्सिलोना लौटेंगी और वहीं से अपनी रिकवरी शुरू करेंगी। 27 वर्षीय बोनमती के लिए यह चोट ऐसे समय आई है जब उन्होंने बेहद शानदार साल बिताया है। वह तीन बार विमेन्स बैलन ड'ओर जीतने वाली पहली खिलाड़ी बनीं, बार्सिलोना को घरेलू ट्रेबल दिलाने में अहम भूमिका निभाई और स्पेन के साथ यूरो 2025 फाइनल तक पहुंचीं।

कारोबार

संक्षिप्त खबरें

सरकार ने कोयला, लिग्नाइट की खोज के लिए अनुमोदन प्रक्रिया को बनाया सरल

नई दिल्ली। कोयला मंत्रालय ने कोयला एवं लिग्नाइट ब्लॉक से संबंधित अन्वेषण कार्यक्रमों व भूवैज्ञानिक रिपोर्ट के लिए अनुमोदन प्रक्रिया को सरल बनाया है। इस कदम का मकसद कारोबार सुगमता को बढ़ाना और कुशल एवं टिकाऊ अन्वेषण को बढ़ावा देना है। नई प्रक्रिया में अब 2022 में इस उद्देश्य के लिए गठित सरकारी समिति से मंजूरी की आवश्यकता नहीं है। मंत्रालय की ओर से जारी बयान के अनुसार, '' कोयला मंत्रालय ने पहले की कार्यप्रणाली की समीक्षा की है। क्यूसीआई-एनएबीईटी द्वारा मान्यता प्राप्त एवं अन्य एपीए द्वारा समकक्ष समीक्षा प्राप्त अधिसूचित मान्यता प्राप्त अन्वेषण एजेंसियों (एपीए) द्वारा तैयार कोयला एवं लिग्नाइट ब्लॉक के लिए अन्वेषण कार्यक्रमों व भूवैज्ञानिक रिपोर्ट (जीआर) के अनुमोदन के लिए तंत्र को सरल बनाया है।'' देश की बढ़ती ऊर्जा आवश्यकताओं के लिए कोयला एवं लिग्नाइट संसाधनों का तेज, अधिक कुशल और प्रौद्योगिकी रूप से मजबूत अन्वेषण आवश्यक है। इसके अनुरूप, कोयला मंत्रालय प्रगतिशील सुधारों को लागू करना जारी रखे हुए है जो पारदर्शिता को बढ़ाते हैं, निजी क्षेत्र की भागीदारी को मजबूत करते हैं और देश की ऊर्जा तैयारियों को सुदृढ़ करते हैं। हाल ही में निजी मान्यता प्राप्त अन्वेषण एजेंसियों की क्षमताओं का विस्तार एवं उपयोग करके किए गए सुधारों से सरकार ने निजी अन्वेषण संस्थाओं में मजबूत विश्वास प्रदर्शित किया है। यह दृष्टिकोण देश के कोयला संसाधनों के सतत विकास के लिए उनकी दक्षता, प्रौद्योगिकी विशेषज्ञता व नवाचार का इस्तेमाल करने का प्रयास करता है।

बजाज ऑटो की घरेलू दोपहिया वाहन बिक्री नवंबर में 1% घटी

नई दिल्ली। बजाज ऑटो की नवंबर में घरेलू दोपहिया वाहनों की बिक्री सालाना आधार पर एक प्रतिशत घटकर 2,02,510 इकाई रह गई। नवंबर 2024 में यह 2,03,611 इकाई थी। पुणे स्थित वाहन विनिर्माता कंपनी ने सोमवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि निर्यात सहित वाहनों की कुल थोक बिक्री नवंबर में सालाना आधार पर आठ प्रतिशत बढ़कर 4,53,273 इकाई हो गई। पिछले साल नवंबर में 4,21,640 वाहन बेचे गए थे। कुल घरेलू बिक्री (वाणिज्यिक वाहनों सहित) नवंबर में तीन प्रतिशत बढ़कर 2,47,516 इकाई हो गई जबकि पिछले साल इसी महीने में 2,40,854 वाहन बिके थे। कुल निर्यात नवंबर में सालाना आधार पर 1,80,786 वाहनों से 14 प्रतिशत बढ़कर 2,05,757 वाहन हो गया। नवंबर में निर्यात सहित कुल दोपहिया वाहनों की बिक्री सालाना आधार पर तीन प्रतिशत बढ़कर 3,79,714 इकाई हो गई।

विमान ईंधन की कीमत 5.4% बढ़ी, वाणिज्यिक एलपीजी की दरें घटीं

नई दिल्ली। विमान ईंधन (एटीएफ) की कीमतों में 5.4 प्रतिशत की सोमवार को वृद्धि की गई, जबकि वाणिज्यिक रसोई गैस (एलपीजी) की कीमतों में 10 रुपये प्रति सिलेंडर की कटौती की गई है। सरकारी तेल कंपनियों ने वैश्विक रुझानों के अनुरूप मासिक मूल्य संशोधन की घोषणा की है। सरकारी ईंधन खुदरा विक्रेताओं के अनुसार, दिल्ली में विमान ईंधन की कीमतें 5,133.75 रुपये प्रति किलोलीटर बढ़कर 99,676.77 रुपये प्रति किलोलीटर हो गईं। यह लगातार तीसरी मासिक वृद्धि है।

एक नवंबर को कीमतों में करीब एक प्रतिशत और एक अक्टूबर को 3.3 प्रतिशत की वृद्धि की गई थी। नवीनतम वृद्धि से विमान कंपनियों पर दबाव बढ़ने की आशंका है जिनके परिचालन लागत में ईंधन का हिस्सा लगभग 40 प्रतिशत है। मूल्य परिवर्तन के प्रभाव पर विकान कंपनियों से तत्काल कोई टिप्पणियां नहीं मिल पाए हैं। मुंबई में एटीएफ की कीमत

93,281.04 रुपये प्रति किलोलीटर जबकि चेन्नई और कोलकाता में कीमतें क्रमशः 1,03,301.80 रुपये एवं 1,02,371.02 रुपये प्रति किलोलीटर हो गई हैं। स्थानीय करों के कारण ईंधन की कीमतें अलग-अलग शहरों में अलग-अलग होती हैं। इसके अलावा, होटलों तथा रेस्तरां में इस्तेमाल होने वाले 19 किलोग्राम के वाणिज्यिक रसोई गैस (एलपीजी) सिलेंडर की कीमत में 10 रुपये प्रति सिलेंडर की कटौती की गई। दिल्ली में यह घटकर 1,580.50 रुपये हो गई है। यह लगातार दूसरी कटौती है। इसने अक्टूबर में की गई 15.50 रुपये की बढ़ोतरी की भरपाई कर दी है। वाणिज्यिक रसोई गैस में एक नवंबर को प्रति सिलेंडर कीमतों में पांच रुपये की कटौती की गई थी। अप्रैल से अब तक हुई छह कटौतियों के बाद वाणिज्यिक रसोई गैस की कीमतों में कुल 223 रुपये प्रति सिलेंडर की कमी आई है। घरेलू रसोई गैस की कीमतें 14.2 किलोग्राम सिलेंडर के दाम 853 रुपये पर अपरिवर्तित रहीं। अप्रैल में इसमें 50 रुपये की बढ़ोतरी की गई थी।

इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन, भारत पेट्रोलियम और हिंदुस्तान पेट्रोलियम हर महीने की पहली तारीख को अंतरराष्ट्रीय मानकों और विनिमय दर के आधार पर विमान ईंधन और एलपीजी की कीमतों में संशोधन करते हैं। गौरतलब है कि पिछले साल मार्च में दो रुपये प्रति लीटर की कटौती के बाद से पेट्रोल और डीजल की कीमतें स्थिर बनी हुई हैं। दिल्ली में पेट्रोल की कीमत वर्तमान में 94.72 रुपये प्रति लीटर और डीजल की कीमत 87.62 रुपये प्रति लीटर है।

देश में विनिर्माण क्षेत्र की गतिविधियां नवंबर में नौ महीने के निचले स्तर पर: पीएमआई

नई दिल्ली। भारत की विनिर्माण क्षेत्र की गतिविधियां नवंबर में नौ महीने के निचले स्तर पर आ गईं। चुनौतीपूर्ण बाजार स्थितियों की खबरों के बीच बिक्री एवं उत्पादन में धीमी वृद्धि इसकी मुख्य वजह रही। सोमवार को जारी एक मासिक सर्वेक्षण में यह बात सामने आई। मौसमी रूप से समायोजित एचएसबीसी इंडिया विनिर्माण खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) अक्टूबर के 59.2 से नवंबर में 56.6 पर आ गया। यह फरवरी के बाद से परिचालन स्थितियों में सबसे धीमी गति का संकेत देता है। खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) की भाषा में 50 से ऊपर का अंक विस्तार जबकि 50 से नीचे का अंक संकुचन दर्शाता है। एचएसबीसी के मुख्य भारत अर्थशास्त्री प्रांजुल भंडारी ने कहा, '' नवंबर के पीएमआई आंकड़े इस बात की पुष्टि करते हैं कि अमेरिकी शुल्क के कारण विनिर्माण विस्तार धीमा हुआ है।'' इसमें कहा गया कि कंपनियों ने हालांकि सुझाव दिया कि अंतरराष्ट्रीय बिक्री का रुझान अनुकूल बना हुआ है जो अफ्रीका, एशिया, यूरोप और पश्चिम एशिया में ग्राहकों को अधिक बिक्री को दर्शाता है। दूसरी ओर समग्र वृद्धि की गति में मामूली गिरावट आई है। नये निर्यात ऑर्डर औसतन एक वर्ष से अधिक समय में सबसे कम गति से बढ़े हैं। कीमतों के मोर्चे पर नवंबर में मुद्रास्फीति की दर में कमी आई, जबकि कच्चे माल की लागत एवं बिक्री शुल्क क्रमशः नौ और आठ महीनों में सबसे धीमी गति से बढ़े। रोजगार के मोर्चे पर, भारत में विनिर्माताओं ने नए ऑर्डर वृद्धि में मंदी के अनुरूप अपनी भर्ती एवं क्रय गतिविधियों को समायोजित किया। एचएसबीसी इंडिया विनिर्माण पीएमआई को एसएंडपी ग्लोबल ने करीब 400 कंपनियों के एक समूह में क्रय प्रबंधकों को भेजे गए सवालों के जवाबों के आधार पर तैयार किया है।

औद्योगिक उत्पादन अक्टूबर में 0.4 प्रतिशत बढ़ा, 13 महीने का निचला स्तर

नई दिल्ली। विनिर्माण, खनन एवं बिजली क्षेत्रों के कमजोर प्रदर्शन से अक्टूबर महीने में देश की औद्योगिक उत्पादन वृद्धि सुस्त पड़कर 13 महीनों के निचले स्तर 0.4 प्रतिशत पर आ गई। सोमवार को आधिकारिक आंकड़ों में यह जानकारी दी गई। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) की तरफ से जारी आंकड़ों के मुताबिक, औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) में वृद्धि दर सालाना आधार पर घटी है। एक साल पहले की समान अवधि में औद्योगिक उत्पादन 3.7 प्रतिशत बढ़ा था। आईआईपी का पिछला निचला स्तर सितंबर, 2024 में दर्ज किया गया था जब यह स्थिर रहा था। इसके साथ ही एनएसओ ने सितंबर, 2025 के आंकड़ों को संशोधित करते हुए वृद्धि दर को चार प्रतिशत से बढ़ाकर 4.6 प्रतिशत कर दिया है। आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, अक्टूबर महीने में विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि दर घटकर 1.8 प्रतिशत पर आ गई, जबकि साल भर पहले यह 4.4 प्रतिशत रही थी। आलोच्य महीने में खनन क्षेत्र के उत्पादन में 1.8 प्रतिशत की गिरावट आई, जबकि पिछले साल इसी महीने यह 0.9 प्रतिशत बढ़ा था। इस दौरान बिजली उत्पादन में भी 6.9 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई जबकि पिछले साल यह दो प्रतिशत बढ़ा था। इसके साथ वित्त वर्ष 2025-26 के पहले सात महीनों (अप्रैल-अक्टूबर) में देश के औद्योगिक उत्पादन में कुल 2.7 प्रतिशत प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई जबकि पिछले साल की समान अवधि में यह चार प्रतिशत थी।

विनिर्माण क्षेत्र में शामिल 23 में से नौ उद्योग खंडों ने अक्टूबर महीने में सालाना आधार पर सकारात्मक वृद्धि दर्ज की है। उपयोग-आधारित वर्गीकरण के मुताबिक, पूंजीगत उत्पाद खंड में 2.4 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई जबकि एक साल पहले की समान अवधि में यह 2.9 प्रतिशत थी। टिकाऊ उपभोक्ता खंड में आलोच्य माह के दौरान 0.5 प्रतिशत की गिरावट आई, जबकि एक साल पहले इसमें 5.5 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई थी। अक्टूबर, 2025 में गैर-टिकाऊ उपभोक्ता खंड में उत्पादन 4.4 प्रतिशत गिर गया जबकि एक साल पहले इसमें 2.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी।

भारत से आए प्रतिभाशाली लोगों से अमेरिका को अत्यंत फायदा हुआ है : सीईओ मस्क

न्यूयॉर्क। अमेरिका की एयरोस्पेस कंपनी 'स्पेसएक्स' के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) एलन मस्क ने एच1बी वीजा का पुरजोर समर्थन करते हुए कहा कि अमेरिका को भारत से आए प्रतिभाशाली लोगों का ''अत्यंत फायदा'' मिला है और चेतावनी दी कि यदि इसे बंद कर दिया गया तो यह अमेरिका के लिए ''वास्तव में बहुत बुरा'' होगा। अमेरिका के प्रौद्योगिकी क्षेत्र के अरबपति कारोबारी ने निवेशक एवं उद्यमी निखिल कामत के पॉडकास्ट 'पीपल बाय डब्ल्यूटीएफ' में एक साक्षात्कार के दौरान यह टिप्पणी की, जो रविवार को प्रसारित हुआ।

मस्क ने कहा, ''हां, मुझे लगता है कि अमेरिका को उन प्रतिभाशाली भारतीयों से बहुत लाभ हुआ है जो अमेरिका आए... अमेरिका, भारत की प्रतिभा से अत्यंत लाभान्वित हुआ है।'' एच-1बी वीजा को लेकर टेस्ला के सीईओ ने कहा कि भले ही इस कार्य वीजा कार्यक्रम का कुछ दुरुपयोग हुआ है लेकिन उनका दृढ़ विश्वास है कि इसे बंद नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, ''यह कहना सही होगा कि... कुछ 'आउटसोर्सिंग' कंपनियों ने

एच-1बी प्रणाली का दुरुपयोग किया है। और हमें इस दुरुपयोग को रोकने की जरूरत है। लेकिन मैं बिल्कुल भी उस विचारधारा का हिस्सा नहीं हूं कि इस कार्यक्रम को बंद कर दिया जाए। कुछ दक्षिणपंथी लोग ऐसा सोचते हैं।

मेरा मानना है कि उन्हें समझ नहीं है कि ऐसा करना वास्तव में बहुत बुरा होगा।'' उनकी टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब अमेरिका ने एच-1बी वीजा के दुरुपयोग को रोकने के लिए बड़े पैमाने पर सख्ती शुरू की है। अमेरिकी प्रौद्योगिकी कंपनियां विदेशियों को रोजगार देने के लिए इस वीजा का व्यापक रूप से उपयोग करती हैं। भारतीय पेशेवर खासकर प्रौद्योगिकी क्षेत्र के कर्मचारी और चिकित्सक एच-1बी वीजा धारकों के सबसे बड़े समूहों में शामिल हैं। मस्क ने आरोप लगाया कि पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन के कार्यकाल में ''बड़े पैमाने पर'' अवैध आव्रजन हुआ, जिसने नकारात्मक प्रभाव पैदा किया। उन्होंने कहा, ''अगर अमेरिका में अवैध रूप से आने और सरकारी लाभ पाने का बड़ा आर्थिक प्रलोभन होगा, तो स्वाभाविक रूप से लोग अमेरिका आने की कोशिश करेंगे। यह पूरी प्रोत्साहन संरचना ही गलत थी।'' जब उनसे पूछा गया कि भारत के युवा उद्यमियों के लिए उनका संदेश क्या है, तो मस्क ने कहा कि वह ''उन सभी का सम्मान करते हैं जो कुछ बनाना चाहते हैं।'' उन्होंने कहा, ''आप जो पाना चाहते हैं, उससे अधिक देने का लक्ष्य रखें। यदि आप कुछ मूल्यवान बनाना चाहते हैं... उपयोगी उत्पाद और सेवाएं देना चाहते हैं... तो पैसा अपने-आप आएगा।

भावनाओं तक पहुंच पाना कलाकारों के अस्तित्व के लिए विकल्प नहीं, ज़रूरत है: कुब्रा सैत

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री कुब्रा सैत का कहना है कि यदि कलाकार अपनी भावनाओं तक पहुंचने के लिए तैयार नहीं हैं, तो वे कलाकार बन ही नहीं सकते है। कुब्रा सैत हमेशा उस अंदरूनी दुनिया के बारे में बेबाकी से बात करती हैं, जो उनके अभिनय को आकार देती है। अपनी परफॉर्मेंसेज और जटिल किरदारों में पूरा ढल जाने की क्षमता के लिए जानी जाने वाली कुब्रा अक्सर उस भावनात्मक अनुशासन पर बात करती हैं, जिसकी मांग एक्टिंग करती है। इस व्यक्तिगत अनुभव में, वह उस पल को याद करती हैं जब उन्होंने सच में समझा कि अपनी जिम्मेदारी के साथ, साहस के साथ, और पूरी सजगता के साथ भावनाओं तक पहुँचना क्या होता है। उनके सफर की शुरुआत में मिली यह सीख आज भी यह उन्हें स्क्रीन के साथ जिंदगी में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती है। कुब्रा सैत ने इस सिलसिले में अपनी बात रखते हुए कहा, "एक कलाकार के तौर पर मैंने सीखा कि यदि आप अपनी भावनाओं तक पहुँचने के लिए तैयार नहीं हैं, तो आप कलाकार बन ही नहीं सकते। हालांकि यह भी हो सकता है कि उन भावनाओं तक पहुंचने के लिए जो रास्ता आप अपनाते हैं, वह बहुत खतरनाक हो, लेकिन आपको आगे बढ़ना ही होगा। मुझे याद है, मैंने यह बात अपने एक निर्देशक अनुराग कश्यप से सीखी। पहली बार मुझे कैमरे पर रोना था, और मुझे नहीं पता था कि मैं ये कैसे करूँगी। यह डर मेरे दिमाग में घर कर चुका था, तभी उन्होंने मेरी तरफ देखा और कहा, 'हम यहाँ बैठेंगे, लाइनें पढ़ेंगे और बस खुद के साथ रहेंगे। हम तुम्हारे अंदर की उस खिड़की को खोलेंगे, जिससे भावनाएँ भीतर आ सकें। और आज रात जाने से पहले हम उस खिड़की को फिर बंद भी करेंगे।' यह बात मेरे भीतर बस गई।" कुब्रा सैत ने कहा, "हम सभी के भीतर वह खिड़की होती है, जो हमारी भावनाओं की दुनिया तक पहुँचने का एक रास्ता होती है। उसे खोलने और बंद करने की क्षमता ही हमें संतुलित रखती है और हमें जिंदा रखती है। हालांकि अभिनय के बाहर, असल जिंदगी में, दुनिया हमेशा इतनी माइंडफुल नहीं होती इसलिए कभी-कभी खिड़की की बजाय पूरी बाँध खुल जाती है और हमारी भावनाएँ हम पर हावी हो जाती हैं। आज की भागदौड़ भरी दुनिया में हम अक्सर अपने ही विचारों और अपने ही एक्सप्रेशंस में उलझ जाते हैं और हर चीज को 'ट्रिगर' कहने लगते हैं, जबकि कई बार हम बस चिढ़े हुए या परेशान होते हैं। यही ट्रिगर हमें हमारे अतीत में खींच ले जाता है, लेकिन चिढ़ और परेशानी वर्तमान की होती है। इस फर्क को समझते हुए मैंने अपने भीतर की उस खिड़की को पहचाना और इसीने मुझे एक एक्टर के तौर पर बचाया, एक इंसान के तौर पर मुझे जमीन से जोड़े रखा।

ओटीटी ने दिया नए किरदारों का बड़ा मौका : मोना सिंह

मुंबई। छोटे परदे की मशहूर अभिनेत्री मोना सिंह आजकल ओटीटी जगत में खूब चमक रही हैं। खास बात यह है कि मोना, जिन्होंने अपने करियर की शुरुआत टीवी से की थी, अब छोटे पर्दे से पूरी तरह दूरी बना चुकी हैं। उनका कहना है कि उन्होंने सोच-समझकर यह फैसला लिया है और अब वह टीवी पर वापसी के लिए तैयार नहीं हैं। मोना का मानना है कि डिजिटल प्लेटफॉर्म ने न सिर्फ कलाकारों, बल्कि दर्शकों के लिए भी नए रास्ते खोले हैं। उनके शब्दों में, "जिस तरह की कहानियां आज ओटीटी पर दिखाई जा रही हैं, वो टीवी पर संभव ही नहीं है। टीवी पर बहुत सेंसरशिप और रेस्ट्रिक्शन होते हैं, जिसके कारण एक्टर के रूप में कॉम्पलेक्स और चैलेंजिंग किरदार निभाने का मौका नहीं मिलता।" वह मानती हैं कि ओटीटी प्लेटफॉर्म ने एक्टर्स, राइटर्स और क्रिएटर्स को वह स्पेस दिया है जिसकी हमेशा से जरूरत थी। मोना ने यह भी बताया कि ओटीटी प्रोजेक्ट्स का वर्किंग स्ट्रक्चर काफी बेहतर है। "तीन महीने में एक वेब शो करके आप ब्रेक ले सकते हैं और फिर ताजगी के साथ नए किरदार की तैयारी कर सकते हैं। यह मेरे लिए बेस्ट बैलेंस है। टीवी पर टाइमलाइन्स बहुत क्रेजी होती हैं, खासकर जब शो रोज प्रसारित होते हैं। पहले सोमवार से गुरुवार तक एपिसोड आते थे, लेकिन अब पूरे हफ्ते। ऐसे में पता नहीं चलता कि पर्सनल लाइफ बचती भी है या नहीं," मोना ने हंसते हुए कहा।

अभिनय की दुनिया एक अलग जिंदगी जीने की आजादी देती है: निमरत कौर

मुंबई। ऑनलाइन स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म पर जब भी कोई नया सीजन रिलीज होता है, तो दर्शक सबसे पहले यह देखना चाहते हैं कि उनके पसंदीदा किरदारों के साथ क्या नया हुआ है और कौन से नए किरदार कहानी में जुड़ रहे हैं। इसी कड़ी में हाल ही में रिलीज हुई द फैमिली मैन सीजन 3 ने एक बार फिर दर्शकों का ध्यान खींचा है। तीसरे सीजन में एक नया किरदार मीरा दर्शकों के लिए खासा दिलचस्प साबित हुआ। इस किरदार को अभिनेत्री निमरत कौर ने निभाया। इस किरदार को लेकर उन्होंने अपने अनुभव साझा किए। निमरत कौर ने कहा, मीरा का किरदार निभाना मेरे लिए बहुत शानदार अनुभव रहा। इस रोल ने मुझे महिला सशक्तीकरण की भावना महसूस करने का मौका दिया। यह किरदार न केवल कहानी में अहम है, बल्कि यह दर्शाता है कि एक महिला अपने तरीके से किसी भी चुनौती का सामना कर सकती है, चाहे वह पुरुषों की दुनिया में काम कर रही हो या फिर नेतृत्व की भूमिका में हो। उन्होंने कहा, मेरे लिए यह अनुभव इसलिए भी खास रहा क्योंकि इसके सभी लेखक पुरुष ही थे, जिन्होंने महिला सशक्तीकरण के अलग पहलुओं को दिखाया। जब महिला का ऐसा किरदार पुरुष लेखकों द्वारा लिखा जाता है, तो उसे निभाना बहुत रोचक अनुभव होता है। इस किरदार ने मुझे खुद पर भरोसा करने और आत्म-विश्वासी बनने की प्रेरणा दी। कई बार मैं खुद को देखती थीं और सोचती कि यह किरदार जिस तरह आत्म-विश्वासी है, मैं असल जिंदगी में उसकी तरह शायद ही बन पाऊं। निमरत ने कहा, अभिनय की दुनिया में मुझे जो आजादी मिलती है, वह असल जिंदगी में शायद संभव नहीं है।

शत्रुघ्न सिन्हा ने धर्मेंद्र को याद कर शेयर किया भावुक पोस्ट

बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र के अचानक निधन से फिल्म इंडस्ट्री में शोक की लहर दौड़ गई है। इस गहन दुःख से उनके सह-कलाकार और पुराने जिगरी दोस्त शत्रुघ्न सिन्हा भी अभी तक उबर नहीं पाए हैं। शत्रुघ्न ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर धर्मेंद्र के साथ बिताए कुछ यादगार पलों की तस्वीरें शेयर करते हुए एक भावुक पोस्ट लिखा। इनमें एक तस्वीर में पूणम सिन्हा और हेमा मालिनी भी नजर आ रही हैं। शत्रुघ्न ने अपने पोस्ट में लिखा, ₹हमारे सबसे प्रिय पारिवारिक मित्र से मुलाकात हुई। ड्रीमगर्ल हेमा हमारी सबसे प्यारी पारिवारिक मित्र, हमारे बड़े भाई को खोने के इस दुखद समय में उनसे मिलना हृदय विदारक था। धर्मेंद्र की दो खूबसूरत बेटियों ईशा देओल और अहाना देओल से उनके अपार दुख पर सांत्वना। धरमजी एक दयालु और सौम्य आत्मा थे। वह आज हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनकी यादें हमेशा हमारे साथ रहेंगी। ओम शांति।

विदेश

संक्षिप्त खबरें

रूस युद्ध पर अमेरिका-यूक्रेन की बातचीत सकारात्मक रही: रुबियो

हॉलैंडेल बीच (अमेरिका)। रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध के समाधान की संभावनाओं को तलाशने के लिए अमेरिका और यूक्रेन के अधिकारियों ने रविवार को लगभग चार घंटे तक बातचीत की। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने बाद में संवाददाताओं को बताया कि बातचीत सकारात्मक रही लेकिन शांति समझौते को अमल में लाने के लिए अब भी काम किया जाना बाकी है। रुबियो ने कहा, ''यह केवल उन शर्तों की बात नहीं है जो लड़ाई को खत्म करती हैं। बल्कि यह उन शर्तों की भी बात है जो यूक्रेन को दीर्घकालिक समृद्धि के लिए तैयार करती हैं। ३ मुझे लगता है कि हमने आज उस दिशा में प्रगति की है, लेकिन अभी और काम किया जाना बाकी है।'' फ्लोरिडा में यह उच्च स्तरीय बातचीत राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ के रूस की राजधानी मॉस्को में रूसी नेता व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात से कुछ दिन पहले हुई। रुबियो, विटकॉफ और ट्रंप के दामाद जेरेड कुशनर ने बातचीत में अमेरिकी पक्ष का प्रतिनिधित्व किया। यह बातचीत ऐसे समय में हुई जब यूक्रेन 2022 में आक्रमण करने वाली रूसी सेना के खिलाफ दबाव बना रहा है और साथ ही अपने देश में भ्रष्टाचार से भी निपट रहा है।

बांग्लादेश की पूर्व पीएम खालिदा जिया की हालत में सुधार नहीं

ढाका। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया की स्वास्थ्य स्थिति में अब भी कोई बदलाव नहीं हुआ है। उनकी पार्टी के एक वरिष्ठ नेता ने रविवार को यह जानकारी दी। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) की अध्यक्ष जिया (80) को सीने में संक्रमण की शिकायत के कारण 23 नवंबर को एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इस संक्रमण से जिया के हृदय और फेफड़े दोनों प्रभावित हुए थे। तीन बार प्रधानमंत्री रहीं जिया को चार दिन बाद स्वास्थ्य बिगड़ने पर 'कोरोनरी केयर यूनिट' में स्थानांतरित कर दिया गया था। बीएनपी के वरिष्ठ संयुक्त महासचिव रुहुल कबीर रिजवी ने बताया कि जिया की स्वास्थ्य स्थिति में कोई बदलाव नहीं आया है। 'द डेली स्टार' अखबार ने रिजवी के हवाले से बताया, "चिकित्सकों से हमें पता चला है कि उनकी हालत न तो बिगड़ी है और न ही इसमें कोई खास सुधार हुआ है।" रिजवी ने बताया कि जिया को इलाज के लिए विदेश ले जाने के बारे में अब तक कोई सलाह नहीं दी गई है। बीएनपी महासचिव मिर्जा फखरुल इस्लाम आलमगीर ने शनिवार को कहा था कि चिकित्सकों का कहना है कि उन्हें विदेश में इलाज की जरूरत पड़ सकती है, लेकिन उनकी वर्तमान शारीरिक अवस्था को देखते हुए विदेश यात्रा मुमकिन नहीं है।

भारत ने श्रीलंका में फंसे अपने नागरिकों के अंतिम समूह को निकाला

कोलंबो। भारत ने श्रीलंका में चक्रवात 'दित्वा' के कारण मची तबाही के बाद कोलंबो में बचाव अभियान में तेजी लाते हुए वहां फंसे भारतीय नागरिकों के आखिरी समूह को सोमवार को निकाल लिया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। कोलंबो में भारतीय उच्चायोग ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में बताया कि भंडारनायके अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर फंसे 104 भारतीयों का आखिरी समूह 'ऑपरेशन सागर बंधु' के तहत भारतीय वायु सेना के विमान से सुबह करीब साढ़े छह बजे तिरुवनंतपुरम पहुंचा।

उच्चायोग ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि श्रीलंका के बचाव प्रयासों में भारत ने अपनी मदद तेज कर दी है और अभियान का विस्तार कई प्रभावित क्षेत्रों तक किया है। विज्ञप्ति के अनुसार चेतक हेलीकॉप्टर ने कई लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जबकि वायु सेना के कई हेलीकॉप्टर ने कोटमाले में तलाश अभियान संचालित किया जो सबसे ज्यादा प्रभावित मध्य पर्वतीय क्षेत्र है तथा भूस्खलन एवं बाढ़ के कारण यहां सड़क संपर्क टूट गया है।

विज्ञप्ति में कहा गया, '' खोज एवं बचाव अभियानों के लिए भारत की विशेषीकृत आपदा प्रतिक्रिया एजेंसी एनडीआरएफ और एचएडीआर (मानवीय सहायता और आपदा राहत) की टीम कल कोलंबो पहुंची। उन्होंने श्रीलंका के अधिकारियों के साथ मिलकर कोच्चिकाडे में बचाव अभियान संचालित किया।'' विज्ञप्ति के अनुसार, एनडीआरएफ की टीम अब पुट्टलम और बादुल्ला इलाकों में काम कर रही हैं जो चक्रवात से बुरी तरह प्रभावित हैं और संपर्क से कट गए हैं। एनडीआरएफ ने कहा, ''एनडीआरएफ ने बाढ़ से गंभीर रूप से प्रभावित परिवारों की मदद की और उनकी तुरंत सुरक्षा सुनिश्चित करने में मदद की।'' इस बीच, श्रीलंका की वायु सेना ने एक पायलट की मौत की पुष्टि की है। उत्तर-पश्चिमी तट पर वेन्नापुवा में राहत सामग्री पहुंचाने की कोशिश करते समय एक बेल 212 हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। श्रीलंका में चक्रवात 'दित्वा' के कारण मची तबाही में रविवार तक 334 लोग मारे गए हैं और 370 से अधिक व्यक्ति लापता हैं तथा बाढ़ एवं भूस्खलन की वजह से कई जिले अलग थलग पड़ गए हैं।

बांग्लादेश की अदालत ने जमीन घोटाला मामले में शेख हसीना को पांच साल की सजा सुनाई

ढाका। बांग्लादेश की एक अदालत ने अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना को जमीन घोटाला मामले में सोमवार को पांच साल की जेल की सजा सुनाई। 'द डेली स्टार' अखबार की खबर के मुताबिक, ढाका के विशेष न्यायाधीश की अदालत-4 के न्यायाधीश मोहम्मद रबीउल आलम ने इसी मामले में हसीना की बहन शेख रेहाना को भी सात साल और हसीना की भांजी ब्रिटिश सांसद ट्यूलिप सिद्दीक को दो साल की जेल की सजा सुनाई है। खबर में कहा गया है कि भ्रष्टाचार रोधी आयोग (एसीसी) द्वारा दायर किए गए मामलों में हसीना से जुड़ा यह चौथा फैसला है। एसीसी ने 12 से 14 जनवरी के बीच अपने ढाका एकीकृत जिला कार्यालय-1 में 'पूर्वाचल न्यू टाउन' परियोजना के तहत भूखंड के आवंटन में कथित अनियमितताओं को लेकर छह अलग-अलग मामले दायर किए थे। 'द ढाका ट्रिब्यून' अखबार की खबर में कहा गया है कि एसीसी के मुताबिक हसीना ने 'राजुक' के अधिकारियों के साथ मिलीभगत करके अपने और अपने बेटे सजीब वाजिद जॉय और बेटी साइमा वाजिद पुतुल सहित कई रिश्तेदारों के लिए गैर-कानूनी तरीके से छह भूखंड हासिल किए जिनमें से हर एक का आकार 10 कट्ठा (7,200 वर्ग फुट) था, जबकि मौजूदा नियमों के तहत वे इसके योग्य नहीं थे। राजधानी उन्नयन कर्तृपक्खा (राजुक) बांग्लादेश में सरकारी इमारतों की योजना बनाने से लेकर निर्माण तक के नियमों की निगरानी के लिए जिम्मेदार सरकारी एजेंसी है। इस मामले में 31 जुलाई को 29 लोगों के खिलाफ आरोप तय किए गए जिनमें हसीना, रेहाना, जॉय, पुतुल और ट्यूलिप शामिल हैं। हसीना को 27 नवंबर को 21 साल की कठोर कारावास की सजा सुनाई गई, जिसमें पूर्वाचल जमीन घोटाला मामले में दायर किए गए तीन मामले में से प्रत्येक में सात साल की सजा शामिल है। जॉय और पुतुल अलग-अलग मामले में सहआरोपी थे और उन्हें प्रत्येक मामले में पांच साल की सजा सुनाई गई।

पाक: अर्धसैनिक बल के मुख्यालय पर हमले की कोशिश नाकाम, तीन चरमपंथी ढेर

कराची। पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान प्रांत में अर्धसैनिक बल के मुख्यालय पर हमले की कोशिश को सुरक्षाकर्मियों ने नाकाम करते हुए प्रतिबंधित संगठन बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी के तीन चरमपंथियों को ढेर कर दिया। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। अर्धसैनिक बल के एक प्रवक्ता ने बताया कि रविवार रात चगाई जिले के नोकुंडी कस्बे में 'फ्रंटियर कोर'के मुख्यालय पर एक आत्मघाती हमलावर द्वारा हमला किए जाने के बाद चरमपंथियों ने वहां घुसने का प्रयास किया। कम से कम छह हमलावरों ने जबरन अंदर घुसने की कोशिश की। प्रवक्ता ने कहा, ''एफसी त्वरित प्रतिक्रिया बल ने तुरंत जवाबी कार्रवाई की और मुख्यालय में घुसने में कामयाब रहे तीन चरमपंथियों को मार गिराया।

अमेरिका : पुलिस ने जन्मदिन पार्टी में गोलीबारी करने वाले संदिग्ध की तलाश तेज की

स्टॉकटन (अमेरिका)। अमेरिका में कैलिफोर्निया राज्य के अधिकारियों ने स्टॉकटन में एक बच्चे की जन्मदिन की पार्टी के दौरान हुई सामूहिक गोलीबारी में तीन बच्चों और एक वयस्क की हत्या के बाद संदिग्ध की तलाश के लिए जनता से उसके बारे में कोई भी जानकारी देने की अपील की है। सैन जॉक्विन काउंटी शेरिफ के कार्यालय की प्रवक्ता हीदर ब्रेंट ने कहा, ''यह दिल दहला देने वाली घटना है।'' उन्होंने बताया कि जांचकर्ताओं का मानना है कि यह एक ''लक्षित घटना'' थी जो एक बैंक्वेट हॉल में हुई, जहां शनिवार रात 100 से अधिक लोग इकट्ठा हुए थे। ब्रेंट ने कहा कि मृतकों की उम्र आठ, नौ, 14 और 21 वर्ष थी। 11 लोग घायल हुए हैं। रविवार दोपहर तक कोई भी गिरफ्तारी नहीं हुई थी। ब्रेंट ने अपील की, ''अगर आपके पास कोई फुटेज है, आप स्थानीय व्यवसायी हैं, आसपास रहते हैं या शायद आपने कोई अफवाह सुनी हो तो कृपया शेरिफ कार्यालय से संपर्क करें।'' उन्होंने कहा कि वह घटना के पीछे के संभावित मकसद या संदिग्ध की जानकारी साझा नहीं कर सकतीं क्योंकि इससे जांच प्रभावित हो सकती है। यह गोलीबारी शनिवार शाम करीब छह बजे हॉल के अंदर हुई। स्टॉकटन 3,20,000 की आबादी वाला शहर है, जो सैक्रामेंटो से लगभग 65 किलोमीटर दूर दक्षिण में स्थित है। ब्रेंट ने पत्रकारों से कहा, ''यह एक छोटे बच्चे की जन्मदिन पार्टी थी और यह घटना होना वास्तव में बेहद दुखद है।'' डिस्ट्रिक्ट अटॉर्नी रॉन फ्रेटास ने हमलावर से आग्रह किया कि वह ''तुरंत आत्मसमर्पण कर दे।